सोशल मीडिया से जुड़ें
NewsTransportVishesh
Digital Edition

न्यूज ट्रांसपोर्ट विशेष

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

वर्ष : 1 अंक : 313, नई दिल्ली,बुधवार, 06, दिसंबर 2023 पेज : 8

NEWS NTV TRANSPORT VISHESH
www.newstransportvishesh.com
सबसे तेज, सबसे पहले
आपको पहुंचाये
परिवहन क्षेत्र की सभी जानकारियां
09212122095
09811732095

शुभ संदेश

किसी भी काम की शुरूआत अगर सकारात्मक विचारों से करे तो उस काम में सफलता जरूर मिलती है।

संक्षिप्त खबरें

उत्तर प्रदेश में 1000 अत्याधुनिक बसों के जरिए रोडवेज परिवहन का परिदृश्य बदलेगी सरकार

लखनऊ

उत्तर प्रदेश की उन्नति का मार्ग प्रशस्त कर रही योगी सरकार ने प्रदेश में रोडवेज बसों को अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस करने व नई 1000 बसों को बेड़े में जोड़े जाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। उत्तर प्रदेश की उन्नति का मार्ग प्रशस्त कर रही योगी सरकार ने प्रदेश में रोडवेज बसों को अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस करने व नई 1000 बसों को बेड़े में जोड़े जाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। वर्ष 2023-24 में उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (यूपीएसआरटीसी) के बेड़े में 1000 अत्याधुनिक बसों को जोड़े जाने के लिए 400 करोड़ रुपए का बजट स्वीकृत किया गया था। ऐसे में, हाल ही में हुई कैबिनेट बैठक में बसों के बेड़े के सुदृढ़ीकरण की प्रक्रिया को मंजूरी देते हुए अब 400 करोड़ रुपए के सापेक्ष दूसरी किस्त के तौर पर 200 करोड़ रुपए की धनराशि जारी कर दी गई है। इससे पहले, पहली किस्त के तौर पर 200 करोड़ रुपए का धनवांटन किया जा चुका है। ऐसे में, कार्ययोजना के क्रियान्वयन के लिए अवशेष धनराशि जारी होने के बाद अब अत्याधुनिक बसों की खरीद व फ्लीट में शामिल होने की प्रक्रिया में तेजी आएगी, साथ ही पुरानी बसों के रखरखाव व मरम्मत प्रक्रिया को भी गति मिलेगी। उत्तर प्रदेश शासन की रूलबुक के अनुसार प्रक्रिया की जाएगी पूरी इन 1000 बसों के क्रय व बेड़े में शामिल की जाने की प्रक्रिया को वित्तीय वर्ष 2023-24 के भीतर पूर्ण करने का टारगेट रखा गया है। इस संबंध में सभी क्रय व सुदृढ़ीकरण प्रक्रिया को परिवहन आयुक्त की देखरेख में उत्तर प्रदेश शासन की रूलबुक के अनुसार पूर्ण किया जाएगा। बसों के कार्बन उत्सर्जन को कम से कम रखने के लिए पर्यावरणीय नियमों/ अधिनियमों व ईआईए अधिसूचना 2006 (संशोधित) के आधीन वांछित पर्यावरणीय स्वीकृति प्राप्त करने, पर्यावरणीय नियमों व न्यायालयों के निर्गत आदेशों के अनुपालन को भी सुनिश्चित किया जाएगा। खास बात यह है कि प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद प्रदेश में लोगों को यूपीएसआरटीसी की बसों में यात्रा करना न केवल पहले की अपेक्षा सुविधापूर्ण व आरामजनक होगा बल्कि उन्हें सुखद यात्रा के नए अनुभव भी प्रदान करेगा।

ब्लॉक के कारण कई ट्रेनों का मार्ग बदला, यहां देखें पूरा शेड्यूल

गोरखपुर

सीपीआरओ पंकज कुमार सिंह के अनुसार यशवंतपुर से 13, 20, 27 दिसंबर और 03, 10, 17, 24, 31 जनवरी व 07 फरवरी को चलने वाली 22534 यशवंतपुर-गोरखपुर एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग नागासमुद्रम के रास्ते चलाई जाएगी। दक्षिण-पश्चिम रेलवे के निलयम-बासमपलि स्टेशनों के मध्य पुल संख्या-65 ए पर टनल में बचे लाइन निर्माण कार्य के लिए ब्लॉक देने के कारण गाड़ियों का मार्ग परिवर्तन किया जाएगा। सीपीआरओ पंकज कुमार सिंह के अनुसार यशवंतपुर से 13, 20, 27 दिसंबर और 03, 10, 17, 24, 31 जनवरी व 07 फरवरी को चलने वाली 22534 यशवंतपुर-गोरखपुर एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग नागासमुद्रम के रास्ते चलाई जाएगी। इसी तरह यशवंतपुर से 7, 14, 21 एवं 28 दिसंबर और 4, 11, 18 एवं 25 जनवरी व एक फरवरी को चलने वाली 15024 यशवंतपुर-गोरखपुर एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग पेनूकोंडा-नागासमुद्रम-धर्मावरम के रास्ते चलाई जाएगी। गोरखपुर से 12, 19, 26 दिसंबर एवं 02, 09, 16, 23, 30 जनवरी और 06 फरवरी को चलने वाली 15023 गोरखपुर-यशवन्तपुर एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग नागासमुद्रम के रास्ते चलाई जाएगी।

अब ओवर स्पीड वाहन चलाया तो कट जाएगा आपका चालान, गोरखपुर मंडल को मिले दो इंटरसेप्टर वाहन

गोरखपुर, संभागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन संजय कुमार झा ने कहा कि ओवर स्पीड वाहन और दुर्घटनाओं पर लगाम लगाने के लिए मंडल को दो इंटरसेप्टर वाहन मिल गए हैं। इन वाहनों को हाईवे पर खड़ा किया जाएगा, जो वाहनों को दुर्घटनाओं से बचाने के लिए ओवर स्पीड पर नजर रखेगी। तय गति से तेज वाहन चलाने वालों की अब खैर नहीं है। परिवहन विभाग दुर्घटनाओं पर नियंत्रण के लिए तेज गति से वाहन चलाने वालों का चालान इंटरसेप्टर के माध्यम से करेगा। परिवहन विभाग को दो इंटरसेप्टर वाहन मिल गए हैं। तय मानक से तेज वाहन चलाने और इससे होने वाली दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए शासन की तरफ से गोरखपुर मंडल को दो इंटरसेप्टर वाहन मिले हैं। ये अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस हैं। इस हाईटेक वाहन के रडार में आने वाली तेज रफ्तार गाड़ियों की तस्वीर खींच ली जाएगी। साथ ही उसके स्पीड का भी पता चल जाएगा।

केदारनाथ में बर्फबारी, पारा -6 डिग्री तक पहुंचा, आज कहीं बारिश तो कहीं कोहरा

वहीं केदारनाथ में सोमवार देर शाम को तापमान माइनस छह डिग्री पहुंच गया। धाम में जमकर बर्फबारी भी हो रही है। मौसम की बेरुखी से केदारनाथ में पुनर्निर्माण कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं।

रुद्रप्रयाग

प्रदेश के पर्वतीय जिलों के कुछ इलाकों में हल्की बारिश होने से ठंड बढ़ सकती है। मैदानी इलाकों में कोहरा लगने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से चमोली, बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिले के कुछ इलाकों में बारिश होने की संभावना जताई है।

अन्य जिलों में मौसम शुष्क रहेगा। ऊधमसिंह नगर और हरिद्वार जिले के कुछ इलाकों में सुबह के समय कोहरा छाने से ठंड बढ़ सकती है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है आठ दिसंबर तक प्रदेश भर में मौसम शुष्क रहेगा। इसके बाद पर्वतीय जिलों में बारिश व बर्फबारी होने से तापमान में गिरावट रिकॉर्ड की जाएगी। इसका असर मैदानी इलाकों में भी देखने को मिलेगा।

वहीं केदारनाथ में सोमवार देर शाम को तापमान माइनस छह डिग्री पहुंच गया। धाम में जमकर बर्फबारी भी हो रही है। मौसम की बेरुखी से केदारनाथ में पुनर्निर्माण कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं। इधर, निचले इलाकों में भी सोमवार को कुछ देर हल्की बारिश हुई, जिससे ठंड बढ़ गई है। उधर, पहाड़ों की रानी मसूरी में भी देर रात हुई बारिश हुई। जौनपुर के नागटिब्बा में रात को बर्फबारी होने से क्षेत्र में ठंड बढ़ गई है। वहीं यमुनोत्री धाम सहित यमुना घाटी में कल की बारिश बर्फबारी से ठंड बढ़ गई।

सोमवार को सुबह से ही केदारनाथ में हल्के बादल छाए रहे। दिन चढ़ने के साथ यहां मौसम खराब होता गया और दोपहर 3 बजे से हल्की-हल्की बर्फबारी होने लगी।

देर रात तक रुक-रुककर हल्की बर्फबारी होती रही। खराब मौसम के कारण केदारनाथ में तापमान में काफी गिरावट आई है, जिससे ठंड बढ़ गई है।

धाम में अधिकतम तापमान दो डिग्री और न्यूनतम माइनस छह डिग्री दर्ज किया गया। जिला आपदा प्रबंधन-प्राधिकरण, लोनिवि के ईई विनय झिक्वांण ने बताया कि खराब मौसम के कारण पुनर्निर्माण कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं।

केदारनाथ में इन दिनों 300 मजदूर पुनर्निर्माण कार्य में जुटे हुए हैं।

कंपनी वहन करेगी सिलक्यारा सुरंग बचाव अभियान का खर्च, एनएचआईडीसीएल तैयार कर रहा ब्यौरा

देहरादून

सिलक्यारा सुरंग में मलबा गिरने से 41 मजदूर फंस गए थे। उन्हें निकालने के लिए बड़े पैमाने पर अभियान चलाया गया। देशभर की 12 से ज्यादा एजेंसियों, वैज्ञानिकों, विशेषज्ञों की टीमों ने 17वें दिन इस अभियान को परवान चढ़ाया, लेकिन इस दौरान अमेरिकी ऑगर मशीन से लेकर प्लाज्मा कटर, लेजर कटर, ड्रिलिंग की मशीन, रोबोट सहित दर्जनों मशीन बचाव के लिए मंगाई गई थीं। सिलक्यारा सुरंग से 41 मजदूरों को सकुशल बाहर निकालने के बचाव अभियान पर होने वाला खर्च इसका निर्माण कर रही कंपनी नवयुगा वहन करेगी। इसके लिए राष्ट्रीय राजमार्ग और अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड (एनएचआईडीसीएल) खर्च का ब्यौरा तैयार कर रहा है।

12 नवंबर की सुबह 5:30 बजे उत्तरकाशी की सिलक्यारा सुरंग में मलबा गिरने से 41 मजदूर फंस गए थे। उन्हें निकालने के लिए बड़े पैमाने पर अभियान चलाया गया। देशभर की 12 से ज्यादा एजेंसियों, वैज्ञानिकों, विशेषज्ञों की टीमों ने 17वें दिन इस

अभियान को परवान चढ़ाया, लेकिन इस दौरान अमेरिकी ऑगर मशीन से लेकर प्लाज्मा कटर, लेजर कटर, ड्रिलिंग की मशीन, रोबोट सहित दर्जनों मशीन बचाव के लिए मंगाई गई थीं।

कई मशीन तो चिनूक हेलीकॉप्टर तो कई हवाई माध्यम से दूसरे राज्यों से जौलीग्रांट एयरपोर्ट तक मंगाई गईं। इन पर बड़े पैमाने पर खर्च होने का अनुमान है। एनएचआईडीसीएल अब इस पूरे बचाव अभियान में हुए खर्च का ब्यौरा जुटा रहा है। निदेशक अंशु मनीष खल्खो ने बताया कि अभियान में हुए खर्च का बिल कंपनी को भुगतान करना होगा। हालांकि इस अभियान पर कितना खर्च हुआ है, इसका आंकड़ा अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है।

मजदूरों ने भीतर से भी हटाया था मलबा

सिलक्यारा सुरंग में कैद होने के बाद बेबस मजदूरों ने शुरू में अपनी ओर से भी मलबा हटाने का प्रयास किया था। इसका एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें दो मजदूर मलबा हटा रहे हैं और उनके बाकी साथी वहां खड़े होकर उनका हौसला बढ़ा रहे हैं। हालांकि जब उन्हें खतरा लगा तो वह पीछे हट गए।

रोडवेज बस ने बाइक सवार चार लोगों को मारी टक्कर, दो की मौत, दो गंभीर घायल

जहां से ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया। हादसा सोमवार की देर रात भदोखर थाना क्षेत्र के अंतर्गत मनहेरू गांव के पास का है।

लखनऊ

रायबरेली में हुए भीषण सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई जबकि दो गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घायलों को ट्रामा सेंटर रेफर किया गया है। रायबरेली जिले के नरपतगंज से निमंत्रण से लौट रहे बाइक सवार चार युवकों को रोडवेज बस ने जोरदार टक्कर मार दी। बस की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की मौके पर दर्दनाक मौत हो गई। वहीं दो लोगों की हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल भेजा गया है। जहां से ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया। हादसा सोमवार की देर रात भदोखर थाना क्षेत्र के अंतर्गत मनहेरू गांव के पास का है। जहां निमंत्रण कर के वापस अपने घर लौट रहे एक ही बाइक पर सवार चार लोगों को बस ने सामने से जोरदार टक्कर मार दी। इससे अभिषेक (25) पुत्र सुरजीत निवासी सिद्धौर थाना जगतपुर व अनिल कुमार (24) पुत्र राम आसरे निवासी पुरे मिश्रन का पुरवा थाना भदोखर की मौके पर मौत हो गई। बाइक सवार दो अन्य युवक अश्विनी (26) व अमन (24) गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को एंबुलेंस से जिला अस्पताल लाया गया है दो युवकों की हुई मौत से दोनों परिवारों में कोहराम मच गया और परिजनों का रो-रोकर हाल बेहाल है।

वन विभाग की मंजूरी न मिलने पर लटकी मसूरी की सुरंग, जाम से मुक्ति पाने के लिए अभी और इंतजार

देहरादून

सुरंग का निर्माण पूरा होने से मसूरी से कैंपटी की दूरी साढ़े चार किमी कम रह जाएगी। पर्यटन व्यवसाय से जुड़े लोगों का कहना है कि पर्यटन सीजन में हाथी पांव रोड पर लगने वाले जाम से मुक्ति मिलेगी। मसूरी को जाम से निजात दिलाने के लिए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने सुरंग निर्माण की तैयारी पूरी कर ली। लेकिन, वन विभाग का क्लियरेंस नहीं मिलने से योजना अभी परवान नहीं चढ़ पाई। यह सुरंग हाथी पांव रोड पर 4.5 किलोमीटर लंबाई में बननी है। इसके लिए करीब 1300 करोड़ रुपये का बजट प्रस्तावित है। सुरंग का निर्माण पूरा होने से मसूरी से कैंपटी की दूरी साढ़े चार किमी कम रह जाएगी। पर्यटन व्यवसाय से जुड़े लोगों का

कहना है कि पर्यटन सीजन में हाथी पांव रोड पर लगने वाले जाम से मुक्ति मिलेगी। मसूरी होटल एसोसिएशन अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने कहा कि मसूरी के हाथी पांव में प्रस्तावित सुरंग जल्दी बननी चाहिए। कहा, सुरंग बनने से कैंपटी, धनोल्टी, उत्तरकाशी, यमुनोत्री, टिहरी सहित मसूरी आने वाले पर्यटकों को जाम में जूझना नहीं पड़ेगा। सुरंग निर्माण के लिए वन विभाग से क्लियरेंस नहीं मिला है। जंगल के मामले में मसूरी संवेदनशील क्षेत्र है। यहां हर पहलू को बारीकी से देखा जा रहा है। - पंकज कुमार मौर्य, परियोजना निदेशक, एनएचएआई

यह है पूरी योजना

टनल का एंट्री प्वाइंट कार्ट मैकेंजी रोड आईटीबीपी रॉक टेंपल के आसपास प्रस्तावित है। यह कैंपटी रोड पर एनएच-707ए छतरी बैंड के आसपास तक बनाई जाएगी। पूरा प्रोजेक्ट नौ किलोमीटर का है, जिसमें साढ़े चार किमी सुरंग होगी और साढ़े चार किमी की फोरलेन की सड़क बनाई जाएगी। कार्य पूरा होने के बाद मसूरी आने और यमुनोत्री धाम जाने वाले तीर्थयात्रियों और पर्यटकों को जाम नहीं मिलेगा। नई तकनीक के इस्तेमाल से नहीं प्रभावित होंगे जलस्रोत मसूरी के पर्यावरणविद विपिन कुमार गुप्ता ने बताया कि कुछ लोग कह रहे हैं कि सुरंग बनने से जलस्रोतों पर असर पड़ेगा लेकिन ऐसा नहीं है। कहा, सुरंग बनाने के लिए नई तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है। ऑगर जैसी मशीन जलस्रोतों को बिना नुकसान पहुंचाए सुरंग बनाने की क्षमता रखती है। गुप्ता ने बताया कि लाइमस्टोन की रॉक को बिना डिस्टर्ब किए सुरंग बनेगी तो जलस्रोतों पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

विमान से आई थी, सड़क मार्ग से जा रही वापस... सिलक्यारा सुरंग हादसे के दौरान दिल्ली से थी मंगवाई गई

उत्तरकाशी

सिलक्यारा सुरंग में फंसे श्रमिकों को बाहर निकालने के लिए वायुसेना के हरक्यूलिस विमानों से तीन खेप में पहुंची अमेरिकी ऑगर मशीन को सड़क मार्ग से वापस भेजा जा रहा है। मलबे में लोहे के अवरोधकों के चलते इस मशीन से ड्रिलिंग भले पूरी नहीं कर पाई हो, लेकिन पाइप पुशिंग का काम इसी से संभव हो पाया था।

इससे एस्केप पैसेज तैयार हुआ और अंदर फंसे श्रमिकों को सफलतापूर्वक बाहर निकाला गया। बीते 12 नवंबर को यमुनोत्री हाईवे पर निमार्णाधीन सिलक्यारा सुरंग में भूस्खलन से

निर्माण कार्य में लगे 41 मजदूर अंदर ही फंस गए थे। जिन्हें बचाने के लिए देशभर से कई मशीनें मंगवाई गईं। इनमें सबसे अहम अमेरिकी अर्थ ऑगर मशीन थी। इसे देसी ऑगर मशीन की क्षमता कम होने के बाद मंगवाया गया था। यह मशीन दिल्ली से खासतौर पर भारतीय वायुसेना के हरक्यूलिस विमानों से तीन खेप में चिन्यालीसौड़ हवाई अड्डे पर पहुंचाई गई थी। एक विमान के अंदर मशीन के पाट्र्स फंसने से उसे निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। इस पर सभी को भरोसा था कि यह मलबे में ड्रिलिंग कर एस्केप पैसेज तैयार कर लेगी, लेकिन पहली बार में यह मशीन मलबे में किसी कठोर अवरोध के चलते 22 मीटर ड्रिल कर अटक गई थी।

इसे निकाला गया और इसके बाद यह 51 मीटर ड्रिलिंग कर बुरी तरह लोहे की सरियों व पाइप में फंस गई।

मुश्किल से इसका बरमा और हेड मलबे से निकाला गया और शेष ड्रिल रैट माइनर्स ने हाथों से की, लेकिन पाइप पुशिंग का काम इसी मशीन से किया गया। ट्रैंचलेस कंपनी के शंभू मिश्रा ने बताया कि सिलक्यारा से ऑगर मशीन को तीन खेप में ही वापस भेजा रहा है। रविवार को ही इसे तीन ट्रालों में लोड कर दिया गया था।

बारिश-बर्फबारी के बाद मौसम खुला, पर ठिठुरन बढ़ी; चार स्थानों का न्यूनतम तापमान माइनस में

शिमला

हिमाचल प्रदेश के कई भागों में बारिश-बर्फबारी के बाद मंगलवार को मौसम तो खुल गया, लेकिन ठिठुरन लगातार जारी है। राज्य में चार स्थानों का न्यूनतम तापमान माइनस में दर्ज किया गया है। जबकि दो स्थानों पर शून्य डिग्री सेल्सियस तक गिर गया है। केलांग का न्यूनतम तापमान माइनस 7.3 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया है। बर्फबारी के बाद राज्य के जनजातीय क्षेत्र शीतलहर की चपेट में हैं। पिछले 24 घंटों के दौरान अधिकतम तापमान में भी उल्लेखनीय गिरावट आई है। औसत अधिकतम तापमान सामान्य से नीचे रहा है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के अनुसार राज्य के सभी भागों में 11 दिसंबर तक मौसम साफ रहने के आसार हैं। हालांकि, उच्च पर्वतीय एक-दो स्थानों पर 11 दिसंबर को हल्की बर्फबारी हो सकती है। धूप खिलने से ठंड से कुछ राहत मिलने की उम्मीद है। आज राजधानी शिमला व आसपास भागों में भी मौसम साफ बना हुआ है।

प्रमुख स्थानों का न्यूनतम तापमान

शिमला में न्यूनतम तापमान 4.6, सुंदरनगर 4.7, भुंतर 2.1, कल्पा माइनस 1.6, धर्मशाला 8.2, ऊना 6.4, नाहन 10.1, केलांग माइनस 7.3, पालमपुर 5.2, सोलन 5.5, मनाली माइनस 0.6, कांगड़ा 7.0, मंडी 4.4, चंबा 6.1, डलहौजी 6.0, जुब्बड़हट्टी 7.6, कुफरी 2.5, नारकंडा 0.4, रिकांगपिओ 0.9, सेऊबाग 1.8, धौलाकुआं 11.6, बरठीं 7.7, समधो माइनस 2.8, पांवटा साहिब 13.0 और देहरागोपीपुर में 10.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है।

मनाली में पर्यटकों की आमद बढ़ी

पर्यटन नगरी मनाली में पर्यटकों की आमद बढ़ गई है। हाल ही में हुई बर्फबारी और बाढ़ से क्षतिग्रस्त सड़क चकाचक होने से पर्यटक मनाली का रुख कर रहे हैं। होटलों की एडवांस बुकिंग में भी इजाफा हुआ है। क्रिसमस और नववर्ष के मौके पर मनाली में पर्यटकों की संख्या बढ़ने की उम्मीद है। पर्यटन कारोबारियों ने इसकी तैयारियां शुरू कर दी हैं। इस वर्ष मनाली में पर्यटन कारोबार ठीक नहीं रहा। समर सीजन में पर्यटकों की संख्या काफी कम दर्ज की गई। ग्रीन टैक्स बैरियर से मिले आंकड़ों के अनुसार मनाली में इन दिनों हर रोज लगभग 600 पर्यटक वाहन पहुंच रहे हैं। जबकि पिछले सप्ताह यह आंकड़ा 400 के करीब था।

रोडवेज की एसी बस से वाराणसी-लखनऊ का सफर अब 542 रुपये में, कम हुआ किराया...

वाराणसी परिक्षेत्र के क्षेत्रीय प्रबंधक गौरव वर्मा ने बताया कि ठंड को देखते हुए यात्रियों को मुख्यालय ने बड़ी राहत दी है। 16 दिसंबर से 28 फरवरी तक यात्रियों को एसी बसों में दस फीसदी तक किराये पर छूट मिलेगी।

वाराणसी

वाराणसी परिक्षेत्र के क्षेत्रीय प्रबंधक गौरव वर्मा ने बताया कि ठंड को देखते हुए यात्रियों को मुख्यालय ने बड़ी राहत दी है। 16 दिसंबर से 28 फरवरी तक यात्रियों को एसी बसों में दस फीसदी तक किराये पर छूट मिलेगी। जनरथ की अलग-अलग कैटेगरी की एसी बसों में किराया कम हुआ है।

ठंड में यात्रियों को उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम ने बड़ी राहत दी है। एसी बसों का दस फीसदी किराया कम कर दिया गया। 16 दिसंबर से यात्री किराये में छूट का लाभ उठा सकेंगे। वाराणसी परिक्षेत्र के 35 एसी जनरथ बसों के जरिए यात्री लखनऊ, गोरखपुर, कानपुर, प्रयागराज अन्य जिलों की यात्रा करते हैं। अब उन्हें कम किराया देना होगा। वाराणसी से लखनऊ तक का जनरथ की दो बाई दो एसी बस का किराया 700 रुपये है, अब यात्रियों को 630 रुपये देना

होगा। तीन बाई दो की एसी बस का पहले किराया 602 रुपये था, अब 542 रुपये हो गया है।

वाराणसी परिक्षेत्र के क्षेत्रीय प्रबंधक गौरव वर्मा ने बताया कि ठंड को देखते हुए यात्रियों को मुख्यालय ने बड़ी राहत दी है। 16 दिसंबर से 28 फरवरी तक यात्रियों को एसी बसों में दस फीसदी तक किराये पर छूट मिलेगी। जनरथ की अलग-अलग कैटेगरी की एसी बसों में किराया कम हुआ है। इसका लाभ वाराणसी-लखनऊ रूट के जौनपुर, सुल्तानपुर, शाहगंज और वाराणसी-गोरखपुर रूट के सुनौली, आजमगढ़, बलिया, गाजीपुर और वहीं, विंध्यनगर, शक्तिनगर तक की रूट पर यात्रियों को मिलेगा।

एसी बसों में ब्लोवर की भी सुविधा

रोडवेज अधिकारियों के अनुसार ठंड में यात्रियों को सफर के दौरान गर्माहट का एहसास होगा। एसी बसों में ब्लोवर की भी सुविधा है, जो कि यात्रियों के सफर को और सुहाना बनाएगी। कम किराया और गर्माहट के साथ यात्रा काफी सुखद होगी।

जनरथ दो बाई दो की एसी बस का किराया

रूट	पहले	अब
वाराणसी-लखनऊ	700	630
वाराणसी-कानपुर	733	660
वाराणसी-गोरखपुर	510	459
वाराणसी-प्रयागराज	289	260

जनरथ तीन बाई दो की एसी बस का किराया

रूट	पहले	अब
वाराणसी-लखनऊ	602	542
वाराणसी-कानपुर	628	565
वाराणसी-गोरखपुर	438	394
वाराणसी-प्रयागराज	249	224

नोट-प्रति सीट किराया निर्धारित है।

इन वर्कआउट को करके फिट रहती हैं बॉलीवुड की अभिनेत्रियां, आप भी जानें

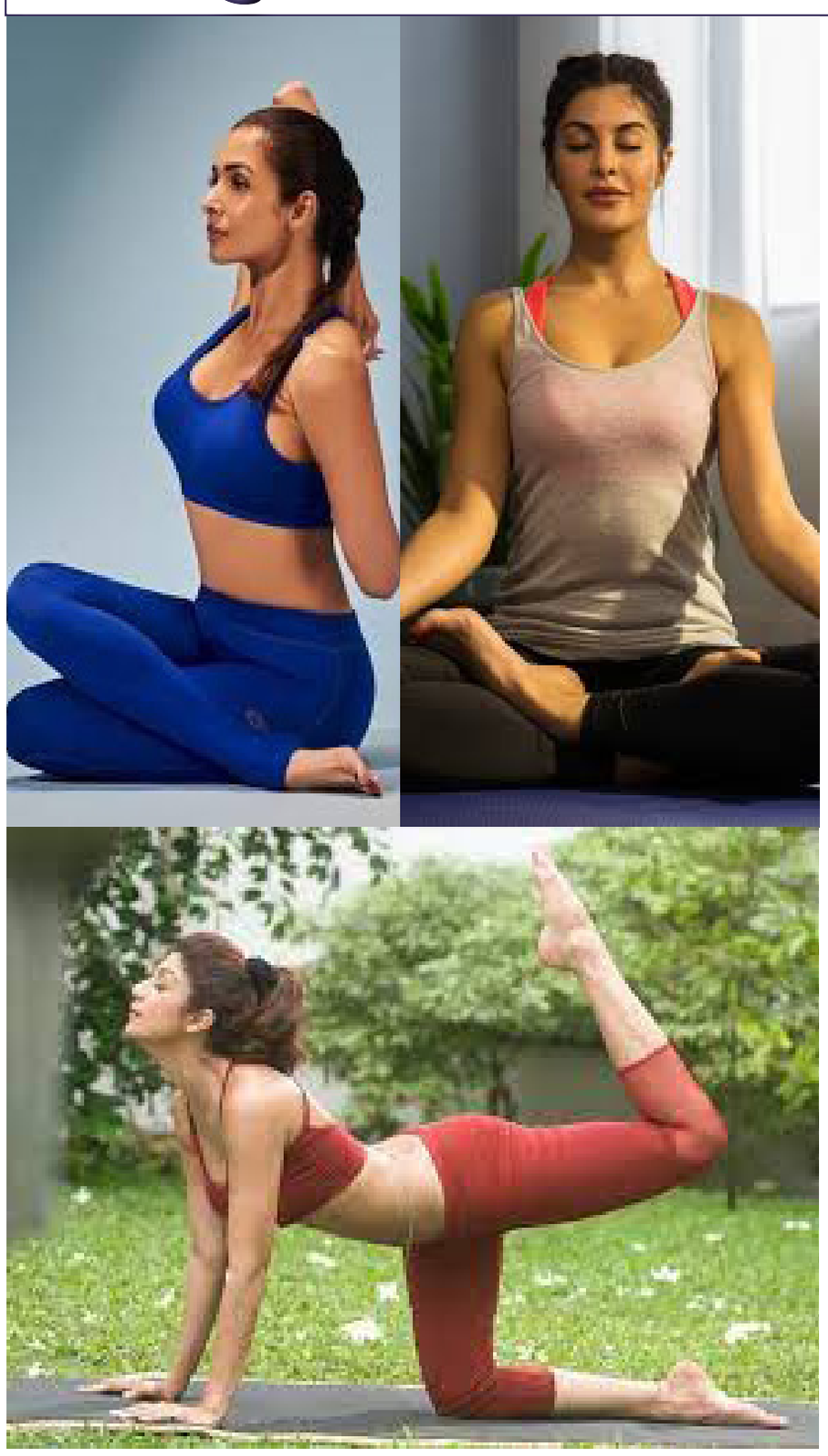

एनटीवी

फिल्मों में हम जब भी किसी एक्ट्रेस को देखते हैं तो जहन में कई सवाल आते हैं कि आखिर कैसे ये सब इतनी फिट कैसे हैं। ये अभिनेत्रियां ऐसा क्या खाती होंगी, जिससे इतनी ग्लैमरस दिखती हैं। इनकी फिट बॉडी का आखिर राज क्या है। आपके इन सवालों का जबाव हमारे इस लेख में आपको मिल जाएगा। दरअसल, ये सभी अभिनेत्रियां फिट रहने के लिए कई तरीके के वर्कआउट करती हैं।

चाहे हालात जो भी हों ये अपना वर्कआउट मिस नहीं करतीं। इसके साथ ही ये अपनी डाइट का भी ध्यान रखती हैं।

कई ऐसी एक्ट्रेस हैं जो बीच-बीच में सोशल मीडिया के जरिए अपने फैंस के साथ अपने फिटनेस रूटीन को भी शेयर करती हैं।

इसी के आधार पर आज हम आपको उन पांच वर्कआउट के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे बी टाउन की एक्ट्रेस वेटलॉस और टोंड फिगर के लिए फॉलो करती हैं। आप भी इन्हें फॉलो करके परफेक्ट फिगर पा सकती हैं।

योगा

योगा एक ऐसा वर्कआउट है, जो कई अभिनेत्रियों के रूटीन में शामिल है। चाहे शिल्पा शेट्टी हों या फिर मलाइका अरोड़ा, ये सभी एक्ट्रेस अक्सर अपने सोशल मीडिया पर योगा करते हुए वीडियो और फोटोज शेयर करती रहती हैं। इनका मानना है कि जरूरी नहीं आप घंटों योगा करें। दिन में महज दस मिनट का योगा आपको रिलेक्स कर सकता है।

पाइलेट्स

कटरीना कैफ से लेकर आलिया भट्ट तक खुद को फिट रखने के लिए पाइलेट्स का सहारा लेती हैं। इस वर्कआउट से शरीर में लचीलापन आता है। फैट बर्न करने के लिए ये परफेक्ट वर्कआउट है।

बॉक्सिंग

फिल्म जगत में कई ऐसी अभिनेत्रियां हैं जो खुद को फैट फ्री रखने के लिए और बॉडी को मजबूती प्रदान करने के लिए बॉक्सिंग करती है। इन एक्ट्रेस में कियारा आडवाणी से लेकर रकुल प्रीत सिंह तक शामिल हैं। बॉक्सिंग करने से कैलोरी बर्न होने के साथ मांसपेशियों में भी मजबूती आती है।

वेटलिफ्टिंग

कई ऐसी एक्ट्रेस में जो वेटलिफ्टिंग करके खुद को फिट रखती हैं। उनके ग्लैमरस फिगर का राज वेटलिफ्टिंग ही है। ये बॉडी में जमा फैट्स को कम करने और मसल्स बिल्डिंग में अच्छा काम करता है।

स्विमिंग

फिट रहने के लिए तकरीबन हर एक एक्ट्रेस स्विमिंग का सहारा लेती है। इससे ना सिर्फ वजन घटता है, बल्कि ये शरीर को भी ताकत देती है।

रात में नहीं आती नींद, तो शरीर में हो सकती हैं इन विटामिन्स की कमी

एनटीवी

हर कोई सुकून भरी नींद सोना चाहता है लेकिन देर रात तक मोबाइल देखना टीवी देखना या असमय खाने की वजह से अनिद्रा की समस्या होती है। इसके अलावा कुछ लोग रातभर बिस्तर पर करवटें बदलते गुजार देते हैं। कई बार शरीर में विटामिंस की कमी के कारण भी नींद नहीं आती है। आइए जानते हैं इसकी कमी दूर करने के लिए कौन-से फूड्स खाएं।

रात में नहीं आती नींद, तो शरीर में हो सकती हैं इन विटामिन्स की कमी

शरीर में इन पोषक तत्वों की कमी के कारण होती है नींद की समस्या

रात में नींद कम आने के और कई भी कारण हो सकते हैं।

शरीर में विटामिन डी की कमी के कारण नींद की समस्या हो सकती है।

रात में नींद पूरी न होने के कारण आप अगले दिन थका-थका सा महसूस करते हैं, साथ ही किसी भी काम में मन नहीं लगता। शरीर को स्वस्थ रखने के लिए रोजाना पर्याप्त नींद लेना बहुत जरूरी है। अगर आप अनिद्रा के शिकार हैं, तो इसका सीधा असर स्वास्थ्य पर पड़ता है। वैसे रात में नींद कम आने के और भी कारण हो सकते हैं। जैसेझदेर रात तक मोबाइल देखकर सोना, टीवी देखना, या असमय खाना आदि। क्या आप जानते हैं कि हमारे शरीर में कुछ ऐसे विटामिन्स हैं जिनकी कमी से हमें अनिंद्रा की समस्या होती है।

विटामिन डी

शरीर में विटामिन-डी की कमी का होना हमारे पूरे स्लीप पैटर्न को बिगाड़ देता है। इतना ही नहीं इसकी कमी से बेचैनी की समस्या भी बनी रहती है जिससे रात में नींद पूरी नहीं हो पाती।

विटामिन बी6

मेलाटोनिन और सेराटोनिन नामक हार्मोन की कमी हमें गहरी नींद नहीं आने देती है। इस हार्मोन को बढ़ाने के लिए हमें विटामिन बी6 की जरूरत होती है और अगर ये ही हमारे शरीर में कम होगा, तो जायज है कि हम अनिद्रा के शिकार हो जाएंगे।

विटामिन डी और विटामिन बी6 की कमी को कैसे पूरा करें

विटामिन डी

सुबह 8 बजे से पहले की धूप कुछ समय के लिए लें।
पनीर, दूध, मक्खन, मशरूम जैसे विटामिन युक्त चीजों का नियमित सेवन करें।
सैल्मन मछली, अंडे का पीला भाग और ओटमील का सेवन करें।
संतरे का जूस भी तेजी से विटामिन डी की कमी को पूरा करेगा।

विटामिन बी6

विटामिन बी6 की कमी को पूरा करने के लिए नियमित रूप से रात में सोने से पहले दूध पिएं।

जींस पहनते वक्त कहीं आप भी तो नहीं करतीं ये गलतियां, जान लें स्टाइलिंग का सही तरीका

एनटीवी

जींस पहनते वक्त कहीं आप भी तो नहीं करतीं ये गलतियां, जान लें स्टाइलिंग का सही तरीका
जींस पहनने के तरीके
जींस के दो से तीन पेयर पुरुषों से लेकर महिलाओं तक के वॉर्डरोब में देखने को मिल जाएंगे। ये एक ऐसा आउटफिट है जिसे कहीं भी, कभी भी कैरी किया जा सकता है। कैजुअल आउटिंग से लेकर पार्टीज के लिए भी लोगों की फर्स्ट च्वॉइस जींस ही होती है क्योंकि इसके साथ बहुत ज्यादा स्टाइलिंग की जरूरत नहीं होती, लेकिन ये पूरी तरह से सही नहीं है। इमेजिन करके देखिए क्या आप लूज सी, जूते के नीचे तक लंबी जींस पहनकर स्टाइलिश नजर आ सकते हैं ?

नहीं ना...तो फिर स्टाइलिंग तो यहां भी जरूरी है, लेकिन इसके बारे में ज्यादातर लोगों को पता ही नहीं है। आइए जानते हैं ऐसे ही कुछ कॉमन मिस्टेक्स के बारे में, जो हम अक्सर करते हैं।

1. लाइट वॉश या डार्क वॉश

जींस स्टाइलिंग का सबसे पहला रूल डार्क वॉश जींस को हमेशा शाम के वक्त पहनना चाहिए और लाइट वॉश जींस को दिन के समय।

2. स्लिम फिट या स्किनी

स्लिम फिट जींस का मतलब ऐसी जींस से है जिसका आकार स्लिम होता है और स्किनी जींस की फिटिंग एकदम ग्लव्स जैसी होती है, तो अगर आपकी थाइज मोटी है, तो आपको स्किनी जींस पहनना अवॉयड करना चाहिए।

3. एंकल के पास क्रॉप न करना

क्रॉप्ड जींस ट्राई करना चाह रहे हैं, तो ध्यान दें कि क्रॉप्ड जींस की लेंथ एंकल से न ही बहुत ऊपर होनी चाहिए और न ही नीचे। एकदम एंकल के ऊपर खत्म होनी चाहिए।

4. फुटवेयर्स के पास इकट्ठा न हो

अगर आपकी जींस की लंबाई ज्यादा है और पहनने पर वह आपके फुटवेयर्स के पास इकट्ठी होकर गठरी की तरह बन जाती है, तो ये देखने में बिल्कुल अच्छी नहीं लगती। इसे ऑल्टर करवाकर पहनें।

5. जबरदस्ती बेल्ट लगाना

जींस से साथ बेल्ट का कॉम्बिनेशन बहुत जंचता है, अगर आपको ऐसा लगता है, तो बिल्कुल नहीं। जरूरत होने पर ही बेल्ट लगाएं, वरना बिना बेल्ट के भी आप जींस को कैरी करें, कहीं से भी आपका लुक खराब नहीं लगेगा।

चेहरे पर निखार लाने के लिए केमिकल वाले फेसवॉश नहीं, बल्कि इन नेचुरल चीजों को करें यूज

एनटीवी

अगर आप सर्दियों में चेहरे की चमक बढ़ाने और उसकी कोमलता को बरकरार रखने का उपाय ढूंढ़ रही हैं तो सबसे पहले अपने बाथरूम से केमिकल युक्त फेसवॉश को किनारे कर दें और उनकी जगह किचन में रखी ये नेचुरल चीजों से चेहरे को धोएं। देखिए कैसे खिल उठेगा चेहरा और साथ ही स्किन भी रहेगी हेल्दी।

चेहरे पर निखार लाने के लिए केमिकल वाले फेसवॉश नहीं, बल्कि इन नेचुरल चीजों को करें यूज

चेहरा चमकाने के लिए घर में बनाएं ये फेसवॉश

सर्दियों में बढ़ जाती है स्किन ड्राइनेस की समस्या।

ड्राई स्किन की प्रॉब्लम से छुटकारा दिलाने के लिए इस्तेमाल करें नेचुरल चीजें।
किचन में रखी चीजों से भी बना सकते हैं नेचुरल फेसवॉश।
सर्दियों में स्किन की ड्राइनेस कुछ ज्यादा ही बढ़ जाती है और अगर आप केमिकल युक्त स्किन केयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं, तब तो ड्राईनेस के साथ खुजली, रैशेज और कील-मुहांसे की प्रॉब्लम भी बनी रहती है। ऐसे में उसे बार-बार मॉयश्चराइज करते रहने की जरूरत होती है, लेकिन कई बार बिजी होने के चलते ऐसा कर पाना मुमकिन नहीं हो पाता, तो इस समस्या को दूर करने का एक कारगर ऑप्शन है स्किन केयर में नेचुरल चीजों का इस्तेमाल करना। आपके किचन में ऐसी कई सारी चीजें हैं, जिनसे चेहरे को धोने से एक तो ग्लो बढ़ता है और दूसरा उसकी नमी बरकरार रहती है, आइए जान लेते हैं इसके बारे में।

बेसन

जब फेसवॉश नहीं थे, तब बेसन का ही इस्तेमाल नहाने और चेहरे को धोने के लिए किया जाता था। बेसन त्वचा की गहराई से सफाई कर उसकी चमक बढ़ाता है और साथ ही स्किन को सॉफ्ट भी रखता है। इसके लिए बेसन में चुटकी भर हल्दी मिलाएं और गुलाबजल या दही डालकर इसका पेस्ट बना लें। चेहरे पर लगाकर हल्का सूखने दें फिर पानी से धो लें। रोजाना इसका इस्तेमाल करें, देखिए फिर चेहरे की चमक और कोमलता कैसे बनी रहती है।

खीरा

खीरे में पानी की अच्छी-खासी मात्रा मौजूद होती है, तो इसे खाने और चेहरे पर लगाने दोनों के ही फायदे मिलते हैं। खीरे को कद्दूकस कर चेहरे पर मलें या फिर इसमें दही मिलाकर चेहरे पर लगाकर 5 मिनट के लिए छोड़ दें। नमी और ग्लो दोनों रहेगा बरकरार।

एलोवेरा

एलोवेरा में मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट गुण त्वचा की चमक बढ़ाने में मददगार होते हैं। साथ ही यह स्किन को हाइड्रेट भी रखता है। चेहरे पर इसका इस्तेमाल करने के लिए एक बाउल में एलोवेरा जेल लें। इसमें बेसन मिलाएं और आवश्यकतानुसार पानी डालकर पेस्ट तैयार कर लें। चेहरे पर 10-15 मिनट लगाकर रखें फिर नॉर्मल पानी से धो लें।

तुलसी

तुलसी का इस्तेमाल भी स्किन को कई सारे फायदे पहुंचाता है। इसमें एंटी बैक्टीरियल तत्व होते हैं, जो स्किन से जुड़े कई तरह के इन्फेक्शन्स दूर करने में मददगार होता है। इसके लिए तुलसी के पत्तों को धोकर साफ कर पीस लें। इसमें एक चम्मच शहद मिलाएं और इस पेस्ट को चेहरे पर लगाएं। लगभग 15 मिनट बाद पानी से धो लें।

प्रदूषण का स्तर बढ़ा, आनंद विहार सबसे ज्यादा प्रदूषित; दो दिन ऐसे ही रहेंगे हालात

जिससे वायु गुणवत्ता सूचकांक में कमी देखने को मिल रही है। उन्होंने कहा कि हवा की गति और बढ़ती है, प्रदूषण में कमी आएगी।

एनटीवी, नई दिल्ली

दिल्ली-एनसीआर में मंगलवार को प्रदूषण का स्तर बेहद खराब श्रेणी में पहुंच गया। आकंड़ों के मुताबिक, आनंद विहार में 340, अशोक विहार में 315, आईटीओ दिल्ली पर 307 और जहांगीरपुरी में 332 एक्यूआई दर्ज हुआ है। मंगलवार को हवाएं उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने का अनुमान है राजधानी दिल्ली में प्रदूषण के स्तर में उतार चढ़ाव जारी है। प्रदूषण के स्तर में तीन दिनों की गिरावट के बाद मंगलवार को बढोतरी हुई। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली के कई इलाकों में प्रदूषण का स्तर बेहद खतराक स्थिति में पहुंच गया है। बीते दिन दिल्ली में एक्यूआई खराब स्तर पर था। आकंड़ों के मुताबिक, आनंद विहार में 340, अशोक विहार में 315, आईटीओ दिल्ली पर 307 और जहांगीरपुरी में 332 एक्यूआई दर्ज हुआ है। मंगलवार को हवाएं उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने का अनुमान है। अधिकतर इलाकों में हवा बेहद खराब बीते सोमवार को भी दिल्ली में वायु सूचकांक बेहद खराब श्रेणी में बरकरार रहा। अधिकतर इलाकों में हवा बेहद खराब श्रेणी में बनी हुई थी दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 310 दर्ज किया गया, जोकि बेहद खराब श्रेणी है। सोमवार को सुबह से ही कोहरा छाया रहा। राजधानी के 25 इलाकों में हवा बेहद खराब श्रेणी में दर्ज की गई। वहीं, दस इलाकों में हवा खराब श्रेणी में रही। गाजियाबाद में मगंलवार को प्रदूषण का स्तरगाजियाबाद- 212 वसुंधरा- 266 इंदिरापुरम-160 संजय नगर- 209 गुरुवार तक ऐसा ही रहेगा प्रदूषण का हाल

दिल्ली की हवा समग्र रूप से बेहद खराब श्रेणी में बनी रही। कमोबेश यही स्थिति गुरुवार तक बने रहने का अनुमान है। विशेषज्ञों का कहना है कि हवा की गति में सुधार आया है, जिससे वायु गुणवत्ता सूचकांक में कमी देखने को मिल रही है। उन्होंने कहा कि हवा की गति और बढ़ती है, प्रदूषण में कमी आएगी। भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान (आईआईटीएम) के मुताबिक, सोमवार को हवाएं उत्तर-पश्चिम से उत्तर-पूर्व दिशा की ओर से चली। इस दौरान हवा की गति चार से छह किलोमीटर प्रतिघंटे रही। मंगलवार को हवाएं उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने का अनुमान है। इस दौरान हवा की गति चार से दस किलोमीटर प्रतिघंटे रहने के आसार है। अगले दिन दिन तक कैसा रहेगा एक्यूआई वहीं, सुबह के समय धुंध व कोहरा छाए रहने की आशंका है। ऐसे में हवा बेहद खराब श्रेणी में बनी रहेगी। बुधवार को हवाएं उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर से चलेंगी। इस दौरान हवा की चाल चार से आठ किलोमीटर प्रतिघंटे रहने का अनुमान है। बृहस्पतिवार को हवा उत्तर पश्चिम दिशा से चलने की आशंका है। इस दौरान हवा की गति चार किलोमीटर प्रति घंटे रहने की उम्मीद है। सफर इंडिया के मुताबिक सोमवार को दिल्ली में पीएम 2.5 की मात्रा लगभग 125 दर्ज की गई। वहीं, पीएम 10 की मात्रा करीब 217 दर्ज की गई। सोमवार को दिल्ली में एक्यूआई केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक दिल्ली में सोमवार को 25 इलाके में हवा बेहद खराब श्रेणी में दर्ज की गई। इनमें नेहरू नगर में 382, द्वारका सेक्टर 8 में 367, मुंडका में 346 व रोहिणी में 344, न्यू मोती बाग में 343 व पंजाबी बाग में 341 सूचकांक दर्ज किया गया। साथ ही, दस इलाकों में हवा खराब श्रेणी में दर्ज की गई। यहां मंदिर मार्ग व नरेला में 300, आईटीओ में 293, डीटीयू में 284, दिलशाद गार्डन में 283, बुराड़ी क्रॉसिंग में 276 व लोधी रोड में 272 सूचकांक दर्ज किया गया। जोकि खराब श्रेणी है।

नाबालिग के अपहरण और दुष्कर्म के आरोपी की सजा बरकरार, अपराध पर उच्च न्यायालय ने व्यक्त की गहरी चिंता

- इस मामले में आईपीसी की धारा 363, 376 (2) और पॉक्सो अधिनियम की धारा 6 के तहत दोषी ठहराए गए एक व्यक्ति द्वारा दायर अपील खारिज करते हुए

एनटीवी, नई दिल्ली

दिल्ली-एनसीआर दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा कि ये घटनाएं न केवल महिलाओं को शैक्षिक अवसरों से वंचित करती हैं बल्कि इसके परिणामस्वरूप उन्हें जीवन भर मनोवैज्ञानिक आघात भी झेलना पड़ता है। विस्तार उच्च न्यायालय ने नाबालिग के अपहरण और दुष्कर्म के आरोपी की सजा बरकरार रखते हुए पीड़ितों के जीवन पर पड़ने वाले प्रभाव पर गहरी चिंता व्यक्त की। अदालत ने कहा कि ये घटनाएं न केवल महिलाओं को शैक्षिक अवसरों से वंचित करती हैं बल्कि इसके परिणामस्वरूप उन्हें जीवन भर मनोवैज्ञानिक आघात भी झेलना पड़ता है। इस मामले में आईपीसी की धारा 363, 376 (2) और पॉक्सो अधिनियम की धारा 6 के तहत दोषी ठहराए गए एक व्यक्ति द्वारा दायर अपील खारिज करते हुए यह टिप्पणी की। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने कहा कि पीड़ितों को अक्सर यह सोचकर गुमराह किया जाता है कि वे वैवाहिक संबंध में प्रवेश कर रहे हैं, हमलावर पीड़ितों को मजबूर करने के लिए यौन उत्पीड़न को वैवाहिक शारीरिक संबंध के रूप में पेश करते हैं। इसके दुष्परिणाम व्यक्तिगत पीड़ितों से कहीं आगे तक बढ़ते हैं, जिससे इन लड़कियों को उनके साथियों, पढ़ाई और वैध संरक्षकता से दूर कर सामाजिक हलचल पैदा होती है। पीड़िता के पिता ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी, जिसके बाद पुलिस को नाबालिग पीड़िता आरोपी के साथ मिली। अदालत ने पाया कि आरोपी ने पीड़िता का अपहरण कर लिया था, जिसके कारण संबंधित धाराओं के तहत आरोप लगाए गए।

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली के ज्यादातर इलाकों में हवा बेहद खराब, कालिंदी कुंज इलाके में कुछ ऐसा दिखा नजारा

दिल्ली-एनसीआर में मंगलवार को प्रदूषण का स्तर बेहद खराब श्रेणी में पहुंच गया। कालिंदी कुंज इलाके में यमुना नदी से ड्रोन के जरिए वीडियो लिया गया। जहां से धुंध की चादर में दिल्ली ढकी नजर आई। आकंड़ों के मुताबिक, आनंद विहार में 340, अशोक विहार में 315, आईटीओ दिल्ली पर 307 और जहांगीरपुरी में 332 एक्यूआई दर्ज हुआ है।

मिजोरम के कक्कर ने थाने में दिल्ली पुलिस से कही थी ये बात, रिपोर्ट तलब

दिल्ली-एनसीआर

दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ सूत्रों के अनुसार यूटी कैडर के मिजोरम में तैनात आईपीएस अफसर ने 29 नवंबर को सागरपुर- डाबड़ी इलाके में दबिश दी थी। इस अफसर ने द्वारका जिला पुलिस से सहायता मांगी थी। लेकिन ये नहीं बताया था कि वह खुद दबिश पर आए हैं। बाद में पता लगा कि आईपीएस अफसर दबिश में शामिल थे। विस्तार मिजोरम में तैनात यूपी कैडर के आईपीएस अफसर की दिल्ली में दबिश देने का मामला दिनों दिन तूल पकड़ता जा रहा है। इस मामले में हुई पीसीआर कॉल पर देश के गृहमंत्रालय ने रिपोर्ट मांगी है। जांच में पता चला है कि आईपीएस अफसर ने उनके दिल्ली स्थित आवास पर तैनात दिल्ली पुलिस के जवानों व अर्टिगा कार का दबिश में इस्तेमाल किया। दिल्ली पुलिस के विशेष पुलिस आयुक्त (लॉ एंड ऑर्डर जोन-1) डा. सागरप्रीत हुड्डा की देखरेख में दक्षिण-पश्चिमी जिले के अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त कौशल सिंह मामले की जांच कर रहे हैं। दूसरी तरफ पीड़ित नाइजीरियन का अभी तक कुछ पता नहीं लगा है। वह अभी भी गायब हैं। दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ सूत्रों के अनुसार यूटी कैडर के मिजोरम में तैनात आईपीएस अफसर ने 29 नवंबर को सागरपुर- डाबड़ी इलाके में दबिश दी थी। इस अफसर ने द्वारका जिला पुलिस से सहायता मांगी थी। लेकिन ये नहीं बताया था कि वह खुद दबिश पर आए हैं। बाद में पता लगा कि आईपीएस अफसर दबिश में शामिल थे।

साथ ही उन्होंने अपने दिल्ली आवास में तैनात दिल्ली पुलिस के जवानों का गैर कानूनी तरीके से दबिश में इस्तेमाल किया। ये भी बताया जा रहा है कि वह खुद वसंत विहार थाने भी गए थे और वहां से भी पुलिस सहायता मांगी थी। जांच में ये बात सामने आई है कि दबिश के दौरान मिजोरम पुलिस ने जिस नाईजीरियन को उठाया था, उसे बाद में छोड़ दिया गया। ये भी बताया जा रहा है कि मिजोरम पुलिस ने नाइजीरियन युवक को दिल्ली में किसी अज्ञात जगह पर तीन दिन तक हिरासत में रखा। नाइजीरियन के भाई ने 29 नवंबर को पीसीआर कॉल कर आरोप लगाया था कि मिजोरम पुलिस ने उसके भाई को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उससे 35 लाख रुपये ले लिए हैं और 20 लाख रुपये की मांग की जा रही है। नाइजीरियन युवक उस दिन से ही गायब है। उसने मिजोरम की युवती से शादी की हुई है। पीड़ित के भाई ने जो पीसीआर कॉल की थी उसे केंद्रीय गृहमंत्रालय ने गंभीरता से लिया है और दिल्ली पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा से रिपोर्ट मांगी है। मैं कक्कन हूं, अपने कक्कन से पूछ लेना पुलिस सूत्रों का कहना है कि आईपीएस अफसर पुलिस सहायता लेने वसंत विहार थाने में गए थे। यहां पर उन्होंने कहा था कि वह कक्कन हैं और सहायता के लिए अपने कक्कन से पूछ लेना। यहां कक्कन से मतलब पुलिस उपायुक्त से है। बताया जा रहा है कि वसंत विहार थाना पुलिस से उनको पुलिस सहायता दी गई थी। लोकेशन नोएडा में मिली पुलिस को जांच में पता लगा कि जिस मोबाइल नंबर से पीसीआर कॉल की गई थी उसकी लोकेशन नोएडा आ रही थी।

इंद्रप्रस्थ अपोलो पर लगा किडनी की अवैध खरीद-फरोख्त का आरोप, एनओटीटीओ ने एक सप्ताह में मांगी रिपोर्ट

- स्वास्थ्य को पत्र लिखकर एक सप्ताह के अंदर मामले की जांच कराने और रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए कहा है।

एनटीवी, नई दिल्ली

दिल्ली-एनसीआर एनओटीटीओ के निदेशक डॉ. अनिल कुमार ने दिल्ली सरकार के प्रधान सचिव स्वास्थ्य को पत्र लिखकर एक सप्ताह के अंदर मामले की जांच कराने और रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए कहा है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के तहत काम करने वाले राष्ट्रीय अंग और टिशू प्रत्यारोपण संगठन (एनओटीटीओ) ने इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल के खिलाफ किडनी के खरीद-फरोख्त के लगे आरोपों की जांच के आदेश दिए हैं। एनओटीटीओ ने दिल्ली सरकार से मामले की जांच कराने और एक सप्ताह के अंदर रिपोर्ट देने को कहा है। एक मीडिया रिपोर्ट का संज्ञान लेते हुए एनओटीटीओ ने यह कार्रवाई की है। इससे पहले अपोलो ने इन आरोपों को गलत बताया है। अधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, एनओटीटीओ के निदेशक डॉ. अनिल कुमार ने दिल्ली सरकार के प्रधान सचिव स्वास्थ्य को पत्र लिखकर एक सप्ताह के अंदर मामले की जांच कराने और रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए कहा है। दोषी मिलने पर मानव अंग और टिशू प्रत्यारोपण अधिनियम (टीएचओटीए) 1994 के प्रावधानों के अनुसार कार्रवाई करने की बात कही गई है। डॉ. कुमार ने पत्र में एक मीडिया रिपोर्ट को भी संदर्भित किया है, जिसमें दिल्ली के अपोलो अस्पताल और डॉ. संदीप गुलेरिया पर किडनी रैकेट चलाने में शामिल होने का आरोप लगाया गया है, जिसमें म्यांमार के जरूरतमंद लोगों को लाभ के लिए उनके अंग बेचने के लिए लुभाया जा रहा है।

'बंद हो जांच एजेंसियों का दुरुपयोग': निलंबन रद्द होते ही संसद पहुंचे राघव चड्ढा, केंद्र के खिलाफ खोला मोर्चा

- संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान आम आदमी पार्टी से राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा मंगलवार को संसद पहुंचे।

एनटीवी, नई दिल्ली

दिल्ली-एनसीआर संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान आम आदमी पार्टी से राज्यसभा सांसद राघल चड्ढा संसद पहुंचे और उन्होंने केंद्र की मोदी सरकार पर जांच एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाया। संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान आम आदमी पार्टी से राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा मंगलवार को संसद पहुंचे। जहां उन्होंने केंद्रीय जांच एजेंसियों के दुरुपयोग पर केंद्र की मोदी सरकार को घेरा। संसद परिसर में महात्मा गांधी के स्टेच्यू के पास आप सांसदों ने प्रदर्शन किया। बीते सोमवार को पंजाब से राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा का 115 दिनों बाद निलंबन रद्द हुआ। संसद परिसर में आप सांसद राघव चड्ढा के अलावा अन्य पार्टी के सांसद भी नजर आए। सभी के हाथों में तख्ती नजर आई। इन तख्तियों पर लिखा 'जांच एजेंसियों का दुरुपयोग बंद करो', 'मनीष सिसोदिया को रिहा करो', 'संजय सिंह को रिहा करो', 'लोकतंत्र की हत्या बंद करो'। आम आदमी पार्टी सिर्फ संसद ही नहीं दिल्ली में भी शराब घोटाले को लेकर भाजपा के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। सीएम केजरीवाल को जेल से सरकार चलानी चाहिए या नहीं इसको लेकर हस्ताक्षर अभियान जारी है। आम आदमी पार्टी के नेता राघव चड्ढा का 115 दिनों के बाद सोमवार को संसद में एक प्रस्ताव लाकर उनका निलंबन रद्द कर दिया। निलंबन रद्द होने के बाद राघव चड्ढा संसद पहुंचे। बापू का जीवन हमें सिखाता है कि चुनौती कितनी भी कठिन क्यों न हो, सत्य की हमेशा जीत होती है। राघव चड्ढा ने आगे कहा कि 11 अगस्त 2023 को मुझे संसद से निलंबित कर दिया गया था। अपना निलंबन रद्द कराने के लिए मुझे सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाना पड़ा और कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद मेरा निलंबन समाप्त हुआ है। इस मौके पर राघव चड्ढा ने कहा कि दोबारा सदन में जाकर देश की आम जनता की आवाज उठाएंगे। बीते 115 दिनों तक संसद के अंदर जाकर देश की आम जनता की आवाज नहीं उठा सका, जनता के हक का सवाल सरकार से नहीं पूछ सका और देश की जनता सरकार से जो जवाब चाहती थी, वो जवाब नहीं ला सका। मुझे खुशी है कि 115 दिन बाद ही सही, मेरा निलंबन आज समाप्त हो गई है। निलंबन के दौरान देश के लोगों का आशीर्वाद और दुआएं मिलीं। लोगों ने मुझे फोन, ईमेल और संदेश भेजकर मुझे बहुत प्यार, आशीर्वाद दिया, मुझे डटे रहने, लड़ाई लड़ने और इन लोगों से मुकाबला करने की हिम्मत दी।

बिना प्रदूषण प्रमाण पत्र के दौड़ रहे 22 लाख वाहन, 15 नवंबर तक 2.4 लाख वाहनों के खिलाफ की गई कार्रवाई

- हैरानी की बात यह है कि प्रदूषण प्रमाण पत्र के मामले में सबसे ज्यादा दोपहिया वाहन चालक नियम का उल्लंघन कर रहे हैं।

एनटीवी, नई दिल्ली

दिल्ली-एनसीआर दिल्ली में वर्तमान में 97 लाख चार पहिया और दो पहिया वाहन पंजीकृत हैं। इनमें 27.8 लाख कारें हैं। इसमें 8.4 लाख सीएनजी और 2.5 लाख इलेक्ट्रिक कारें शामिल हैं। जबकि 69.8 लाख दो पहिया वाहन पंजीकृत हैं। राजधानी में बढ़ते वायु प्रदूषण के बीच सड़कों पर 22 लाख ऐसे वाहन दौड़ रहे हैं, जिनके पास प्रदूषण प्रमाण पत्र नहीं हैं। इनमें 19 लाख के करीब दो पहिया वाहन हैं। दिल्ली परिवहन विभाग ने इस वर्ष 15 नवंबर तक बिना प्रदूषण प्रमाण पत्र वाले वाहनों के खिलाफ 2.4 चालान जारी किए हैं। दिल्ली में वर्तमान में 97 लाख चार पहिया और दो पहिया वाहन पंजीकृत हैं। इनमें 27.8 लाख कारें हैं। इसमें 8.4 लाख सीएनजी और 2.5 लाख इलेक्ट्रिक कारें शामिल हैं। जबकि 69.8 लाख दो पहिया वाहन पंजीकृत हैं। हैरानी की बात यह है कि प्रदूषण प्रमाण पत्र के मामले में सबसे ज्यादा दोपहिया वाहन चालक नियम का उल्लंघन कर रहे हैं। परिवहन विभाग के आंकड़ों पर गौर करें तो 19 लाख के करीब दो पहिया वाहनों के पास प्रदूषण प्रमाण पत्र नहीं हैं। वहीं करीब तीन लाख चार पहिया वाहनों के पास प्रदूषण प्रमाण पत्र नहीं हैं। बिना प्रदूषण प्रमाण पत्र के वाहन चालकों के खिलाफ 10 हजार रुपये का जुमार्ना लगाने का प्रावधान है। इस वर्ष सबसे ज्यादा हुई कार्रवाई प्रदूषण प्रमाण पत्र नहीं होने के मामले में इस वर्ष गत तीन वर्षों में सबसे ज्यादा कार्रवाई की गई है। वर्ष 2020 में एक लाख, 2021 में 1.5 लाख, 2022 में दो लाख वहीं इस वर्ष एक जनवरी से 15 नवंबर तक 2.4 लाख विभिन्न वाहनों के खिलाफ चालान किए गए हैं। जबकि प्रदूषण प्रमाण जारी करने के आंकड़ों पर गौर करें तो यह साल दर साल कम हुए हैं। वर्ष 2021 में 60.4 लाख, 2022 में 51.9 लाख और 2023 15 नवंबर तक 42.9 लाख प्रदूषण प्रमाण पत्र विभिन्न वाहनों के जारी किए गए हैं।

मनपसंद नौकरी नहीं मिलने पर न लें टेंशन

एनटीवी, नई दिल्ली

दिल्ली-एनसीआर आईआईटी बॉम्बे ने कैंपस प्लेसमेंट सत्र का तनाव भगाने के लिए रिचार्ज जोन नाम से थेरेपी केंद्र बनाया है। जहां मनपसंद नौकरी न मिलने की टेंशन को योग, कला, पेट, स्पा से दूर किया जा रहा है। देश में पहली बार आईआईटी बॉम्बे ने कैंपस प्लेसमेंट का तनाव दूर करने के लिए थेरेपी का प्रयोग किया है। जेईई एडवांस के टॉपर्स के पसंदीदा संस्थान आईआईटी बॉम्बे ने कैंपस प्लेसमेंट सत्र का तनाव दूर करने के लिए प्लेसमेंट सेल के बाहर रिचार्ज जोन नाम से थेरेपी केंद्र बनाया है। यहां इंटरव्यू देकर आने वाले छात्रों का योग, आर्ट थेरेपी, पेट थेरेपी और स्पा के माध्यम से तनाव दूर किया जा रहा है। आईआईटी बॉम्बे की यह सकारात्मक पहल छात्रों को बेहद पसंद आ रही है। यही कारण है कि अब अन्य आईआईटी प्रबंधन भी अपने कैंपस में छात्रों का तनाव दूर करने के लिए आईआईटी बॉम्बे से थेरेपी आइडिया पर जानकारियां मांग रहे हैं। आईआईटी बॉम्बे के स्टूडेंट वेलनेस सेंटर के एक्टिंग इंचार्ज शोकत अली ने बताया कि सभी आईआईटी में एक दिसंबर से कैंपस प्लेसमेंट सत्र शुरू हुआ है। कैंपस प्लेसमेंट के दौरान अक्सर छात्र इंटरव्यू के बाद बेहद तनाव में आ जाते हैं। उनका यही तनाव दूर करने के लिए आईआईटी बॉम्बे ने कैंपस के अंदर ही प्लेसमेंट सेल के बाहर रिचार्ज जोन नाम से थेरेपी सेंटर बनाया है। यहां पर चार माध्यमों से थेरेपी दी जा रही है, जिसमें योग, आर्ट, पेट और स्पा है। छात्र अपनी पसंद के आधार पर थेरेपी चुन सकते हैं। छात्रों को यह बेहद पसंद आ रही है। वे मानते हैं इस थेरेपी से उनका तनाव दूर हो रहा है। पेट थेरेपी सबसे अधिक कारगर पेट थेरेपी सबसे अधिक कारगर साबित हो रही है। यहां पर खास थेरेपी के लिए प्रशिक्षित डॉग यानी कुत्ते छात्रों का तनाव दूर करने में मदद कर रहे हैं। जैसे ही कोई छात्र आता है कुत्ते उसका हावभाव देखकर वैसे ही उसके पास पूंछ हिलाते हुए जाते हैं और गले लग जाते हैं। इसके अलावा यह प्रशिक्षित डॉग बिना नुकसान छात्रों के साथ खेलते भी हैं। इससे छात्र एकदम से तनाव से सामान्य हो जाते हैं। इसके अलावा कुछ छात्र कैनवास पर अपने भावों को उकेरते हुए उन्हें रंगों से भर रहे हैं। वहीं, कुछ योग तो अन्य पैरों और पीठ की मसाज करवाकर तनाव करवा रहे हैं। मसाज से छात्रों को नई उम्मीद दे रहे दृष्टिबाधित थेरेपी केंद्र में पैरों और पीठ की मसाज का भी विकल्प है। यह मसाज करने वाले पेशेवर दृष्टिबाधित हैं। दरअसल, दृष्टिबाधित होने के बाद भी वह मेहनत के दम पर अपनी पहचान बना रहे हैं। यह छात्रों को संदेश देते हैं कि इस प्लेसमेंट के बाद भी आगे दुनिया है, जहां उन्हें अपनी काबिलियत से दोबारा कुछ नया करने का मौका मिलेगा। दिन-रात चल रहा कैंपस प्लेसमेंट राउंड सभी आईआईटी में एक दिसंबर से एक साथ कैंपस प्लेसमेंट सत्र शुरू हुआ है।

बच्चों के नाम रहा पुस्तक मेले का चौथा दिन, पुरस्कार विजेता प्रकाश मनु ने सुनाए किस्से

एनटीवी, नई दिल्ली

दिल्ली-एनसीआर 'प्रिय बाल लेखक से मिलिए' कार्यक्रम में बच्चे साहित्य अकादमी के पहले बाल साहित्य पुरस्कार विजेता प्रकाश मनु से मिले। मंडी हाउस पर साहित्य अकादमी की ओर से आयोजित पुस्तक मेला पुस्तकायन का चौथा दिन बच्चों के नाम रहा, प्रिय बाल लेखक से मिलिए कार्यक्रम में बच्चे साहित्य अकादमी के पहले बाल साहित्य पुरस्कार विजेता प्रकाश मनु से मिले। इनसे कार्टून बनाने के गुर सीखे। कहानियां, कविताएं सुनीं। प्रकाश मनु ने बच्चों को बताया कि प्रेमचंद की कहानियों ने उन्हें प्रेरणा दी। बच्चों से अपने जीवन का किस्सा साझा करते हुए प्रकाश मनु ने बताया उन्होंने युवा अवस्था में तय कर लिया था कि साहित्यकार ही बनेंगे और अपनी आजीविका साहित्य के जरिए ही अर्जित करेंगे। अपनी मां और नानी की सुनाई कहानियों के नायकों के सुख, दुख में वह पूरी तरह शामिल हो जाते और कई दिन उनके ही समान महसूस करते। अधकू चरित्र पर लिखी कहानी सुनाते हुए उन्होंने कहा कि इसका मुख्य चरित्र में कहीं न कहीं वही हैं। उन्होंने बच्चों के सवालों के जवाब दिए। कार्यक्रम में कई स्कूलों के बच्चे शामिल हुए। जानेमाने कार्टूनिस्ट व लेखक माधव जोशी के निर्देशन में बच्चों के लिए कार्टून कार्यशाला आयोजित की गई। उन्होंने कहा कि कार्टून कला में माहिर होने के लिए किसी भी विषय का सूक्ष्म निरीक्षण करना सीखना चाहिए। पुस्तकायन में शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए। सीसीआरटी छात्रवृत्ति पा रहीं बाल कलाकार सोहनी महापात्र और अनन्या पुंजाल ने ओडिसी और भरतनाट्यम प्रस्तुत किया। मंगलवार को कवि सम्मेलन होगा। इसमें बुद्धिनाथ मिश्र, बीएल गौड़, हरेराम समीप, ज्ञानप्रकाश विवेक, विवेक गौतम व उपेंद्र पांडेय अपनी रचनाएं प्रस्तुत करेंगे।

यासीन मलिक को मौत की सजा पर 14 फरवरी को सुनवाई करेगा दिल्ली हाईकोर्ट, NIA ने की है मांग

- इस आधार पर उसकी आभासी उपस्थिति की अनुमति मांगते हुए तर्क रखा कि वह एक बहुत उच्च जोखिम वाला कैदी है

एनटीवी, नई दिल्ली

दिल्ली-एनसीआर निचली अदालत ने 24 मई, 2022 को मलिक को कड़े गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) और आईपीसी के तहत विभिन्न अपराधों के लिए दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने आतंकी फंडिंग मामले में कश्मीरी अलगाववादी नेता यासीन मलिक के लिए मौत की सजा की मांग करने वाली राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की याचिका पर सुनवाई 14 फरवरी तय की है। अदालत ने तिहाड़ जेल अधीक्षक को उसे विडियों कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश करने ना निर्देश दिया है। दोषी मलिक द्वारा अपना अपराध स्वीकार करने पर ट्रायल कोर्ट ने उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। न्यायमूर्ति सुरेश कुमार कैत और शलिंदर कौर की पीठ के समक्ष सुनवाई के दौरान जम्मू-कश्मीर लिबरेशन फ्रंट (जेकेएलएफ) के प्रमुख मलिक की ओर से कोई भी पेश नहीं हुआ। अदालत ने सुनवाई 14 फरवरी तक के लिए स्थगित कर दी। 29 मई को, उच्च न्यायालय ने आतंकी फंडिंग मामले में मौत की सजा की मांग करने वाली एनआईए की याचिका पर मलिक को नोटिस जारी किया था और अगली तारीख पर उसको उपस्थिति करने का निर्देश दिया था। इसके बाद जेल अधिकारियों ने एक आवेदन दायर कर इस आधार पर उसकी आभासी उपस्थिति की अनुमति मांगते हुए तर्क रखा कि वह एक बहुत उच्च जोखिम वाला कैदी है और सार्वजनिक व्यवस्था और सुरक्षा बनाए रखने के लिए उसे अदालत में शारीरिक रूप से पेश करना जरुरी है। अनुरोध को उच्च न्यायालय ने अनुमति दे दी थी। निचली अदालत ने 24 मई, 2022 को मलिक को कड़े गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) और आईपीसी के तहत विभिन्न अपराधों के लिए दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। मलिक ने आतंकवाद विरोधी कानून यूएपीए सहित अन्य आरोपों में अपना दोष स्वीकार कर लिया था। सजा के खिलाफ अपील करते हुए, एनआईए ने इस बात पर जोर दिया है कि किसी आतंकवादी को केवल इसलिए आजीवन कारावास की सजा नहीं दी जा सकती क्योंकि उसने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है और मुकदमा नहीं चलाने का विकल्प चुना है। सजा को बढ़ाकर मौत की सजा तक करने की मांग करते हुए एनआईए ने कहा है कि अगर ऐसे खूंखार आतंकवादियों को सिर्फ इसलिए मौत की सजा नहीं दी जाती क्योंकि उन्होंने अपना गुनाह कबूल कर लिया है, तो सजा नीति पूरी तरह खत्म हो जाएगी और आतंकवादियों के पास मौत की सजा से बचने का एक रास्ता बच जाएगा। एनआईए ने कहा कि आजीवन कारावास की सजा आतंकवादियों द्वारा किए गए अपराध के अनुरूप नहीं है, जब देश और सैनिकों के परिवारों को जान का नुकसान हुआ है और ट्रायल कोर्ट का निष्कर्ष है कि मलिक के अपराध दुर्लभतम में से दुर्लभतम की श्रेणी में नहीं आते हैं। मृत्युदंड देने के मामले में पहली नजर में कानूनी रूप से त्रुटिपूर्ण और पूरी तरह से अस्थिर है। एजेंसी ने इस बात पर जोर दिया है कि यह उचित संदेह से परे साबित हो चुका है कि मलिक ने घाटी में आतंकवादी गतिविधियों का नेतृत्व किया और खूंखार विदेशी आतंकवादी संगठनों की मदद से घाटी में सशस्त्र विद्रोह की साजिश रच रहा था, योजना बना रहा था, इंजीनियरिंग कर रहा था और उसे अंजाम दे रहा था भारत के एक हिस्से की संप्रभुता और अखंडता को हड़प लें।

संक्षिप्त खबरें

ट्यूशन टीचर से संबंधों के शक में पत्नी को पीटा

साहिबाबाद। शालीमार गार्डन थाना क्षेत्र की एक महिला ने पति पर मारपीट का मुकदमा दर्ज कराया है। महिला का आरोप है कि पति उसपर बेटे के ट्यूशन टीचर के साथ संबंध होने का शक करता है, इस वजह से वह उसे मारता पीटता है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। महिला का कहना है कि नेपाल में रहने वाले सुनील नाम के युवक से उसकी पहली शादी हुई थी। वह शराब पीकर मारपीट करता था जिससे परेशान होकर महिला ने उसे छोड़ दिया। दो साल पहले फिरोज नाम के युवक से शादी की थी। पहले पति से महिला का एक सात साल का बेटा है जबकि फिरोज से भी एक बेटा हुआ जो डेढ़ साल का है। महिला का आरोप है कि फिरोज छोटे बेटे को अपने माता-पिता के पास छोड़कर आ गया है जबकि बड़ा बेटा उनके साथ ही रहता है। बेटे को पढ़ाने के लिए एक शिक्षक घर पर आता है। पति फिरोज उससे संबंध का शक करता है। इससे गुस्सा होकर उसने शनिवार की रात उसके साथ मारपीट की। वह किसी तरह उसके चंगुल से बचकर पुलिस के पास पहुंची और पति के खिलाफ शिकायत देकर कार्रवाई की गुहार लगाई।

रोशनदान से लटकी मिली पांचवी कक्षा की छात्रा

साहिबाबाद। अर्थला स्थित जीडीए फ्लैट के पास कालोनी में सोमवार सुबह पांचवीं कक्षा की छात्रा दरवाजे के ऊपर बने रोशनदान से लटकी मिली। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। कमरे से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। परिजन ने भी कोई शिकायत नहीं दी है। पुलिस ने बताया कि अर्थला में महिपाल परचून की दुकान चलाते हैं। उनकी 12 साल की बेटी कोमल एक निजी स्कूल में कक्षा पांचवीं में पढ़ती थी। सोमवार सुबह महिपाल दुकान चले गए जबकि पत्नी कमरे में बेटी को नींद से जगाने के लिए पहुंची तो काफी देर तक दरवाजा नहीं खुला। इसके बाद दरवाजे के ऊपर बने रोशनदान में एक रस्सी लटकी हुई देखी। शक होने पर पति को दुकान से बुलाया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और दरवाजा खोलकर शव नीचे उतारा। परिजन घटना को आत्महत्या बता रहे हैं। एसीपी साहिबाबाद रजनीश उपाध्याय का कहना है कि छात्रा की मौत का कोई स्पष्ट कारण नहीं पता चला है। छात्रा चार-पांच दिन से स्कूल नहीं गई थी। जांच के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

फर्जी फर्मों से लेनदेन दर्शाकर आईटीसी क्लेम कर ले ली रकम

गाजियाबाद। बोगस फर्मों से लेनदेन दर्शाकर ईवेंट मैनेजमेंट की एक फर्म ब्रांड स्प्रिंग इंटीग्रेटेड सोल्यूशन प्रा.लि. ने फजीर्वाड़ा करके आईटीसी (इनपुट टैक्स क्रेडिट) क्लेम कर लिया। इस फर्म ने राज्यकर विभाग से छुपाकर नोएडा में दो ऐसे ठिकाने बना लिए जहां स्टॉक रखा जा रहा था। राज्यकर विभाग की विशेष अनुसंधान शाखा ने यह फजीर्वाड़ा पकड़ा है। प्रारंभिक जांच के बाद फर्म से टैक्स और जुमार्ने के रूप में 40 लाख रुपये जमा कराए गए हैं। राज्यकर विभाग के अपर आयुक्त ग्रेड-1 दिनेश कुमार मिश्रा ने बताया कि जोन-दो में पंजीकृत इवेंट मैनेजमेंट फर्म की ओर से जीएसटी रिटर्न में दिए गए डाटा की पड़ताल की गई। इसमें पाया गया कि जिन फर्मों से खरीद सर्विस लेकर आईटीसी क्लेम किया जा रहा है, वह फर्म अस्तित्व में ही नहीं हैं। जिन फर्मों से खरीद दिखाई गई थी, उनकी पड़ताल करने पर यह पुष्टि हुई। इसके साथ ही घोषित कर देयता में भी अनियमितता पाई गई। अपर आयुक्त ग्रेड-2 ओपी तिवारी ने बताया कि टैक्स चोरी पाए जाने पर गोपनीय रेकी कराई गई। इसमें पाया गया कि फर्म ने नोएडा में अपने दो अघोषित स्थलों पर माल का स्टॉक रखा है और इस लेनदेन को दशार्या नहीं गया है।

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में दूधेश्वरनाथ के 2 आचार्य करेंगे वेद पाठ, महंत बोले-गर्व की बात

मंदिर के मीडिया प्रभारी एसआर सुथार ने बताया कि दोनों आचार्य आठ जनवरी से लेकर 24 जनवरी तक वेद पाठ करेंगे।

एनटीवी

रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में श्री दूधेश्वर वेद विद्या पीठ के दो आचार्य आठ जनवरी को अयोध्या पहुंच जाएंगे। दूधेश्वर पीठाधीश्वर और पंचदशनाम जूना अखाड़ा के अंतरराष्ट्रीय प्रवक्ता महंत नारायण गिरि ने बताया कि प्रधानमंत्री प्राण प्रतिष्ठा समारोह में रहेंगे उनके साथ देशभर के आचार्य भी शामिल होंगे। उनके साथ दूधेश्वरनाथ मठ के आचार्यों का भी शामिल होना जिले के लिए गर्व की बात है। विद्यालय के छात्र देश के कई वेद पाठशालाओं में शिक्षक के रूप में कार्यरत हैं और कई छात्र प्रतिष्ठित मंदिरों में पुजारी के रूप में कार्यरत हैं। इसमें से ऋषभ शर्मा कारसेवकपुरम अयोध्या में शिक्षक के रूप में कार्य कर रहे हैं और यहां से अध्ययनरत कई छात्र विदेशों में भारतीय संस्कृति का परचम लहरा रहे हैं। मंदिर के मीडिया प्रभारी एसआर सुथार ने बताया कि दोनों आचार्य आठ जनवरी से लेकर 24 जनवरी तक वेद पाठ करेंगे। दोनों आचार्यों को भारत सरकार और राम जन्मभूमि मंदिर ट्रस्ट की तरफ से निमंत्रण मिल चुका है। प्राण प्रतिष्ठा समारोह में आएंगे केदारनाथ, बद्रीनाथ व बाबा विश्वनाथ धाम के प्रतिनिधि रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की तैयारी तेजी से चल रही है। राम मंदिर का उद्घाटन 22 जनवरी को प्रधानमंत्री

नरेंद्र मोदी करेंगे। समारोह में करीब सात हजार अतिथियों को आमंत्रित किया गया है। केदारनाथ, बद्रीनाथ, बाबा विश्वनाथ धाम व वैष्णो देवी मंदिर के भी प्रतिनिधि समारोह के साक्षी बनेंगे। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि देश के प्रमुख मंदिरों के पुजारी आएं या नहीं, मुख्य मंदिरों के कोई न कोई प्रतिनिधि आएंगे। राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा काशी के 21 वैदिक आचार्य करेंगे। पंडित लक्ष्मीकांत दीक्षित वैदिक आचार्यों का नेतृत्व करेंगे। काशी विश्वनाथ मंदिर ट्रस्ट के पांच लोग भी समारोह में शामिल होंगे। काशी विद्वत परिषद की एक टीम भी शामिल होगी। परिषद के महासचिव प्रो. रामनारायण द्विवेदी, अध्यक्ष पद्म पुरस्कार विजेता प्रो. वशिष्ठ त्रिपाठी, उपाध्यक्ष प्रो. रामचंद्र पांडेय, प्रो. रामकिशोर त्रिपाठी, प्रो. भगवत शरण शुक्ल व दिनेश कुमार भी समारोह में आ रहे हैं। यह सभी अतिथि समारोह के एक दिन पहले ही अयोध्या आ जाएंगे। राम मंदिर ट्रस्ट की अपील, 22 जनवरी के बाद ही अयोध्या आएं श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने रामभक्तों से अपील की है कि 22 जनवरी के बाद ही अयोध्या आएं। 22 जनवरी को वीआईपी प्रोटोकॉल के चलते अयोध्या में असुविधा हो सकती है। हमें यह नहीं पता है कि 22 जनवरी के दिन 25,000 लोग आएंगे या 25 लाख। इसलिए अपील है कि रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या आने का प्लान बनाएं। कहा कि 22 जनवरी को सुबह 10 बजे से ही पूजन-अर्चन अनुष्ठान शुरू कर दें। अपने स्थान पर आनंद मनाइए। भजन कीर्तन करिए। त्योहार मनाइए। शाम को अपने घरों को दीपक से प्रकाशित कीजिए। चंपत राय ने बताया कि सुरक्षा के लिहाज से राममंदिर निर्माण में लगे 3200 से अधिक मजदूरों का नए सिरे से सत्यापन कराया जा रहा है। मंदिर निर्माण की प्रगति के बारे में बताया कि राममंदिर का गर्भगृह लगभग तैयार हो चुका है। अनुष्ठान पूजन के लिए यज्ञ शालाएं बन रही हैं। बड़ी संख्या में भंडारे चलेंगे। इसलिए खाद्य सामग्री रखने का गोदाम बन चुका है। आठ दिन में बन जाएगी रामलला की मूर्ति चंपत राय ने बताया कि रामलला का विग्रह पूर्णता की ओर है। मूर्तिकार कह रहे हैं कि आठ दिन का काम बाकी है। यानी केवल फिनिशिंग का काम चल रहा है। इसी माह निमार्णाधीन तीन मूर्तियों में से सर्वोत्तम का चयन कर लिया जाएगा। मूर्तिकार मूर्ति निर्माण की प्रगति से हर रोज अवगत करा रहे हैं।

राठी स्टील में पकड़ी गई नौ करोड़ की जीएसटी चोरी, 16 करोड़ का माल सीज

एनटीवी

गाजियाबाद। राज्यकर विभाग के जोन-एक में पंजीकृत राठी स्टील एंड पावर लिमिटेड में जांच के दौरान नौ करोड़ की जीएसटी चोरी पकड़ी गई। जीएसटी के वरिष्ठ अधिकारियों के नेतृत्व में हुई कार्रवाई के दौरान टीम ने कंपनी का करीब 16 करोड़ का माल सीज कर दिया है। टीम ने मौके से बड़ी संख्या में दस्तावेज भी जब्त किए हैं। इनकी जांच के बाद जीएसटी चोरी की यह रकम और बड़ी हो सकती है। जोन-एक की अपर आयुक्त ग्रेड-2 सरिता सिंह के नेतृत्व में विशेष अनुसंधान शाखा के संयुक्त आयुक्त जिलाजीत, राम गौड़ और उपायुक्त बीके दीपांकर समेत करीब 50 अधिकारियों और कर्मचारियों की टीम को मौके पर भेजा गया। जांच में पाया गया कि सरिया और वायर रॉड बनाने व बिक्री करने वाली इस फर्म ने नौ करोड़ की आईटीसी क्लेम फजीर्वाड़ा करके ले लिया गया। राठी स्टील ने अपनी छद्म फर्में बना रखी थीं। इनके माध्यम से खरीद और बिक्री दर्शाकर टैक्स चोरी की जा रही थी। उपायुक्त बीके दीपांकर ने बताया कि जांच में पाया गया कि स्टॉक रजिस्टर नहीं बनाया गया। फिलहाल जांच में नौ करोड़ की चोरी पाए जाने पर 16 करोड़ का माल सीज कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि मौके से जब्त किए गए दस्तावेज और ऑनलाइन डाटा के आधार पर अग्रिम जांच शुरू कर दी गई है।

पिल्ले के साथ खेल रही बच्ची को कुत्ते ने काटा

इसके अलावा 110 लोगों ने दूसरी व तीसरी डोज लगवाई। वहीं, संजय नगर के मानसी विहार कालोनी में दूध लेकर जा रही महिला सरोज को कुत्ते ने काट लिया।

एनटीवी

गाजियाबाद। सुदामापुरी में पिल्ले के साथ खेल रही चार वर्षीय बच्ची नंदनी को कुत्ते ने काट लिया। बच्ची के पिता राजेश ने सोमवार को एमएमजी अस्पताल में उसे एंटी रेबीज वैक्सीन लगवाई। सोमवार को 18 बच्चों समेत 120 लोगों को अस्पताल में एआरवी लगाई गई। इसके अलावा 110 लोगों ने दूसरी व तीसरी डोज लगवाई। वहीं, संजय नगर के मानसी विहार कालोनी में दूध लेकर जा रही महिला सरोज को कुत्ते ने काट लिया। वह रविवार की शाम दूध लेकर वापस जा रही थीं। इसी दौरान तीन कुत्ते आपस में लड़ते हुए महिला के पास तक आ गए। सरोज ने कुत्तों को भगाने का प्रयास किया तो एक ने उनके पैर में काट लिया।

उन्होंने सोमवार को संयुक्त अस्पताल में एआरवी लगवाई। अस्पताल में 90 लोगों को एआरवी लगाई गई। रईसपुर गांव के 12 लोगों ने कुत्तों के काटने पर वैक्सीन लगवाई है। 64 बच्चों समेत 286 को कुत्ते, बंदर और बिल्ली ने काटा सोमवार को जिले में 64 बच्चों समेत 286 को कुत्ते, बंदर और बिल्ली ने काट लिया। सभी घायलों को अलग-अलग स्वास्थ्य केंद्रों पर एआरवी लगाई गई। आठ लोगों को बंदर, तीन को चूहे और पांच को बिल्ली ने काट लिया। इसके अलावा 388 लोगों ने वैक्सीन की दूसरी व तीसरी डोज लगवाई। संजयनगर, कैलाभट्टा, मोरटा, लालकुआं, भूड़भारत नगर, अर्थला, नंदग्राम, रजापुर, शास्त्रीनगर, विजयनगर, हरसांव, सदरपुर, और सिहानी के सबसे अधिक बच्चों ने कुत्तों के काटने पर वैक्सीन लगवाई है। सीएमओ डॉ. भवतोष शंखधार ने बताया कि एंटी रेबीज वैक्सीन की जरूरत बढ़ने से दो हजार वायल की मांग शासन से की गई है।

जन्मदिन की पार्टी में 20 युवकों ने किया हमला, अगवा करने का प्रयास

दादरी। सुपरटेक जार सोसाइटी में जन्मदिन पार्टी में केक काट रहे लोगों पर 20 से ज्यादा युवकों ने हमला बोल दिया। छह से ज्यादा कार में सवार होकर पहुंचे आरोपियों ने हमले के बाद एक छात्र को अगवा करने का प्रयास किया। शोर मचाने पर आसपास के लोग जुट गए। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। पीड़ित पक्ष की ओर से दी गई तहरीर के आधार पर पुलिस ने दोनों पक्ष के पांच लोगों को हिरासत में लिया है। पुलिस इसे नामी विश्वविद्यालय के दो छात्र गुटों में मारपीट का मामला बता रही है। अधिकारियों ने अगवा करने की बात से इन्कार किया है। पुलिस के मुताबिक उज्ज्वल भाटी ग्रेनो के सुपरटेक जार सोसाइटी में सपरिवार रहते हैं। सोमवार को उनके घर जन्मदिन की पार्टी थी। जिसमें दोस्त और परिचित आए हुए थे। सोसाइटी के टावर के बाहर केक काटने के दौरान निकास गेट पर 6- 7 गाड़ियों में सवार होकर 20 से ज्यादा युवक आ धमके। लाठी डंडे से लैस आरोपियों ने उज्ज्वल के दोस्तों व परिजनों पर हमला बोल दिया।

युवती की शादी से बौखलाए हिस्ट्रीशीटर ने दी अपहरण की धमकी

मोदीनगर। नगर की एक कॉलोनी निवासी युवती की शादी से बौखलाए हिस्ट्रीशीटर ने उसे अपहरण करने की धमकी दी। आरोपी ने युवती के घर पर पथराव किया। घटना से युवती का परिवार दहशत में है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। नगर की एक कॉलोनी स्थित मंदिर के पुजारी का आरोप है कि एक हिस्ट्रीशीटर काफी समय से उनकी पुत्री को परेशान कर रहा है। हिस्ट्रीशीटर के डर के कारण उनकी पुत्री ने स्कूल जाना भी बंद कर दिया था। दो दिन पूर्व पुजारी की पुत्री की शादी हुई है। आरोप है कि जैसे ही हिस्ट्रीशीटर को शादी का पता लगा तो वह आपा खो बैठा और उसने सोशल मीडिया पर युवती को अगवा करने की धमकी भरा पोस्ट वायरल किया। परिजनों का आरोप है कि हिस्ट्रीशीटर ने अपने साथियों के साथ मिलकर उनके घर पर पथराव किया। घटना से परिवार दहशत में है। एसीपी ज्ञानप्रकाश राया का कहना है कि आरोपी निशांत के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

जय श्री राम लिखने पर शिक्षिका ने छात्र के मुंह पर पोत दिया फ्लूड

एनटीवी

गाजियाबाद। गोविंदपुरम स्थित होली ट्रिनिटी चर्च स्कूल की शिक्षिका मनीषा मैसी पर आरोप लगा है कि उन्होंने एक छात्र के मुंह पर सिर्फ इसलिए फ्लूड पोत दिया, क्योंकि उसने मेज पर जय श्री राम लिख दिया था। मामला तूल पकड़ने पर स्कूल की हेड मिस्ट्रेस मधुलिका जोसेफ ने मनीषा मैसी को बर्खास्त कर दिया है। मनीषा ने माफीनामा भी लिखकर दिया है। इसमें लिखा है कि वह ऐसी गलती फिर कभी नहीं करेंगी। मामला सोमवार का ही है। कक्षा सात के छात्र ने छुट्टी के बाद घर पहुंचने पर परिजनों को इसकी जानकारी दी। परिजनों का कहना है कि पढ़ाई के दौरान ही बच्चे ने मेज पर जय श्री राम लिख दिया था। शिक्षिका मनीषा ने उसे लिखते हुए देख लिया था। वह नजदीक आईं। आरोप है कि जय श्री राम लिखा देखने के बाद उन्होंने सजा के तौर पर बच्चे के मुंह, नाक और माथे पर फ्लूड लगा दिया। उसे काफी देर तक ऐसे ही बिठाए रखा गया। उसके चेहरे पर फ्लूड लगा रहा। छुट्टी होते समय मनीषा ने थिनर से फ्लूड को साफ किया। बच्चे ने बताया कि वह बुरी तरह से डर गया था। सब बच्चे उसकी ओर ही देख रहे थे।

वह हंसी का पात्र बन गया। परिवार के लोगों ने इस घटना की जानकारी बजरंग दल के पदाधिकारियों को दी। छुट्टी के बाद बजरंग दल के कार्यकर्ता स्कूल पहुंच गए। उन्होंने जय श्री राम के नारे लगाए। महानगर संयोजक बजरंग दल गौरव सिंह ने कहा कि स्कूल में ऐसी मानसिकता वाली शिक्षिका के होने से बच्चों पर बुरा प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने हेड मिस्ट्रेस मधुलिका जोसेफ से मुलाकात कर शिक्षिका पर कार्रवाई करने के लिए कहा। इसके बाद हेड मिस्ट्रेस ने मनीषा को बर्खास्त कर दिया। सिर्फ दो बिंदी लगाई थीं शिक्षिका मनीषा ने जो माफीनामा लिखकर दिया है, उसमें कहा है कि ऐसी गलती भविष्य में कभी भी नहीं करेंगी। उन्होंने छात्र के चेहरे पर फ्लूड से सिर्फ दो बिंदी लगाई थीं। उनका इरादा गलत नहीं था। हेड मिस्ट्रेस ने बच्चे के परिजनों से कहा है कि स्कूल में ऐसी घटना फिर कभी नहीं होगी। एबीईएस कॉलेज में हो चुका हंगामा एबीईएस कॉलेज में जय श्रीराम का नारा लगाने पर छात्र को दो प्रोफेसर ने मंच से उतार दिया था। घटना 21 अक्तूबर की थी। मामले की जानकारी होने पर हिंदू संगठनों ने कॉलेज परिसर के बाहर हंगामा कर नारे लगाए थे। इसके बाद कालेज प्रबंधन दोनो प्रोफेसर को निलंबित कर दिया था। सुंदरदीप कालेज में स्कूल परिसर में छात्रों ने जय श्रीराम के नारे लगाए थे। वीडियो वायरल होने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की थी।

परिषदीय स्कूलों में अब छात्रों का मनाया जाएगा जन्मदिन

एनटीवी

ग्रेटर नोएडा। परिषदीय स्कूलों में छात्रों के साथ आत्मीयता और सहजता स्थापित करने के मकसद से महीने के अंत में उनका जन्मदिन मनाया जाएगा। इसके साथ ही छात्रों की शैक्षिक प्रगति को बताने के लिए शिक्षक छात्रों के घर जाएंगे। अभिभावकों के साथ बातचीत करेंगे। इससे छात्रों के स्कूल से गैर हाजिर रहने जैसी प्रवृत्ति पर भी अंकुश लगेगा। इन सब के अलावा अभिभावकों के साथ बैठक और संवाद भी करेंगे। विभाग का मानना है कि इस नई पहल से छात्र स्कूल और शिक्षकों के साथ ज्यादा सहज हो सकेंगे। इसका प्रभाव उनकी शिक्षण गुणवत्ता पर पड़ेगा। जब शिक्षक छात्र के घर पहुंचेंगे तो वह छात्र के विषय में विस्तार से अभिभावकों को बता सकेंगे। स्कूल और छात्र का परिवार नजदीक आएगा। इससे छात्रों की स्कूलों में उपस्थिति बढ़ाने में भी मदद मिलेगी। अगर कोई छात्र स्कूल से गैर हाजिर चल रहा है तो इसका कारण पता लग सकेगा। महीने में एक बार शिक्षकों और अभिभावकों की संयुक्त बैठक भी होगी।

तीन महीने में एक बार शिक्षा चौपाल का आयोजन भी कराया जाएगा। पढ़ने में पीछे चल रहे छात्रों का शैक्षिक स्तर सुधारने में भी यह कदम मदद करेंगे। अन्य गैर शिक्षण गतिविधियां, खेल, भ्रमण आदि चलते रहेंगे। 20 फीसदी तक हाजिरी बढ़ाने का लक्ष्य जन्मदिन और शिक्षक-अभिभावक संयुक्त बैठक आदि से विभाग का मानना है कि 20 फीसदी तक छात्रों की हाजिरी स्कूलों में बढ़ जाएगी। कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालयों में छात्राओं का जन्मदिन मनाया जाता है। परिषदीय विद्यालयों में यह अब शुरू हो रहा है। शिक्षक संघ ने कहा यह कदम तुगलकी फरमान उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ के मेरठ मंडल के अध्यक्ष मेघराज भाटी का कहना है कि विभाग का यह फैसला तुगलकी फरमान है। जन्मदिन मनाने और घर-घर जाने के लिए बजट ही नहीं है। शिक्षकों पर पहले से ही गैर शिक्षण कार्यों का भार है। ऐसे में इस तरह के कामों को जोड़ देने से शैक्षिक गुणवत्ता नहीं दे पाएंगे। शिक्षक का मूल कार्य शिक्षण करना है। विद्यार्थियों को स्कूल के प्रति सहज करने के लिए जन्मदिन मनाने, अभिभावकों के साथ शिक्षकों का संवाद जैसे कदम उठाए जा रहे हैं। शैक्षिक प्रगति को घर पर जाकर माता पिता को बताया जाएगा। सरकार की योजनाओं की जानकारी भी दी जाएगी।

एक्सप्रेसवे पर सुलतानपुर के सामने का अंडरपास होगा चौड़ा

एनटीवी

नोएडा। नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर सुल्तानपुर गांव के पास बने बने अंडरपास को चौड़ा किया जाएगा। प्राधिकरण के सीईओ लोकेश एम ने सेक्टर-96 और एडवंट अंडरपास के बीच बने सिंगल लेन के अंडरपास को दो लेन का बनाने के निर्देश दिए। सोमवार को सीईओ वर्क सर्किल-9 के क्षेत्र का निरीक्षण करने के दौरान अंडरपास के पास पहुंचे थे। इसके तैयार होने से आसपास के सेक्टरों व गांवों के लोगों को एक्सप्रेसवे के नीचे से आवागमन में सुविधा होगी। अब वर्क सर्किल की ओर से इसका एस्टिमेट तैयार कर कार्ययोजना वरिष्ठ अधिकारियों के सामने पेश की जाएगी। जिसके बाद इसका टेंडर निकाला जाएगा। इसके अलावा सीईओ ने एक्सप्रेसवे के समानांतर 45 मीटर चौड़ी सड़क के सौंदर्यीकरण और आवश्यकता के अनुसार सिविल के कार्य कराने के निर्देश दिए गए। एनजीटी के सवाल उठाने के बावजूद कई स्थानों पर इंटरलॉकिंग टाइल्स ठीक नहीं हुए हैं। उनको ठीक कराने को कहा गया। सीईओ ने सेक्टर-166-167 के बीच की सड़क के निर्माण कार्य को तय समय में पूरा कराने का आदेश दिया है। साथ ही सेक्टर-164 में चल रहे सड़क और नालियों के काम को जल्द पूरा कराने को कहा गया।

नए सेक्टरों के विकास कार्य के क्रम में 45 मीटर और 30 मीटर चौड़ी सड़क के लिए जमीन की उपलब्धता तलाशने के निर्देश दिए गए। छपरौली बांगर से दल्लुपुरा एवं उससे आगे जाने वाली मुख्य सड़क पर यातायात के अत्यधिक घनत्व को देखते हुए सड़क का सर्वे कराते हुए सड़क को जमीन की उपलब्धता के आधार पर चौड़ीकरण के आदेश दिए गए। एडवंट अंडरपास के सामने पड़े मिट्टी के ढेर को हटाते हुए स्थल को समतल कर सौंदर्यीकरण के निर्देश दिए गए। इसके अलावा सीईओ ने पेंटिंग कराने, नालों के कचरे की सफाई, नालों में उगी झाड़ियों की सफाई समेत कई अन्य निर्देश भी दिए।

संदिग्ध परिस्थितियों में बाउंसर की मौत, सड़क पर मिला शव

एनटीवी

दनकौर। कोतवाली क्षेत्र के गांव अस्तौली निवासी बाउंसर सोहित भाटी की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। युवक का शव कनारसी गांव के जंगल में लहूलुहान हालत में मिला है। मगर पुलिस इस मामले को हादसा बता रही है। घटना की सूचना मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे तो उन्होंने कनारसी गांव के ही तीन लोगों पर हत्या का आरोप लगाया। पुलिस ने हादसे की बात कही तो शव खेरली नहर सड़क पर रखकर जाम लगा दिया। पुलिस ने ग्रामीणों को समझाया और मामले की जांच करने का आश्वासन दिया। परिजनों की ओर से कनारसी गांव के तीन लोगों पर रंजिशन हत्या का आरोप लगाते हुए तहरीर दी गई है। जानकारी के मुताबिक, अस्तौली गांव निवासी सोहित भाटी (22) ग्रेटर नोएडा स्थित एक हॉस्टल में बाउंसर के रूप में काम करते थे। रविवार को भी वह हॉस्टल में ड्यूटी करने के लिए गए थे, लेकिन घर वापस नहीं आए। परिजनों को कुछ अनहोनी का अंदेशा हुआ तो वह कोतवाली के लिए चल दिए। रास्ते में ही उनके पास पुलिस की ओर से सूचना आई कि सोहित हादसे में घायल हो गया है। आनन-फानन में परिजन मौके पर पहुंचे और अस्पताल में भर्ती कराया। मगर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों का आरोप है कि सोहित की कनारसी गांव के तीन लोगों से किसी बात पर विवाद चल रहा था और उन्हीं ने हत्या करके घटना को हादसे का रूप दिया है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि हत्या का मामला दर्ज नहीं किया तो फिर से जाम लगाया जाएगा। हत्या या हादसा....आज तक नहीं सुलझी गुत्थी दनकौर कोतवाली क्षेत्र में इस तरह की यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी तीन ऐसी ही घटनाएं हुई हैं जो आज तक अनसुलझी हुई हैं। बड़ी बात यह है कि तीनों ही घटनाएं एक साल के दौरान घटी हैं। मगर पुलिस छात्र और प्रॉपर्टी डीलर समेत तीनों संदिग्ध मौतों का आज तक खुलासा नहीं कर पाई है। इसमें गलगोटिया यूनिवर्सिटी के छात्र यशस्वी राज की सड़क किनारे जरा से पानी में डूबने से मौत होने का पुलिस दावा कर रही है, जबकि परिजनों की ओर से हत्या का दावा करते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी, आज तक पुलिस हत्या की गुत्थी को नहीं सुलझा पाई है। इस घटना के दो माह बाद ही प्रॉपर्टी डीलर जुनैदपुर गुरुदत्त नागर की मौत की गुत्थी भी नहीं सुलझ पाई है। अट्टा गुजरान गांव निवासी दिलीप कुमार की भी इसी तरह रहस्मय परिस्थितयों में मौत हो गई थी, लेकिन पुलिस उसको भी हादसा बता रही थी, जबकि परिजन हत्या का आरोप लगा रहे थे। परिजनों की शिकायत के आधार पर हत्या और हादसा दोनों ही पहलुओं की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद जो भी तथ्य आएंगे, उन्हीं के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कराई जाएगी। -अशोक कुमार, एडीसीपी ग्रेनो जोन

बैंक्वेट हॉल में लगी आग... आपात रास्ते से निकाले 55 लोग

इससे भी तेजी से धुआं फैल गया। कुछ भी नजर नहीं आ रहा था, इसलिए लोग बाहर नहीं निकल पाए।

एनटीवी

इंदिरापुरम। वसुंधरा सेक्टर-तीन में स्थित रियल स्क्वायर बिल्डिंग के कींसफॉक इन बैंक्वेट हॉल में सोमवार दोपहर चल रहे शादी की वर्षगांठ के समारोह के दौरान करीब दो बजे आग लग गई। धुआं फैल जाने से 55 लोग अंदर ही फंस गए। उनका दम घुटने लगा। गनीमत रही कि दमकल और पुलिसकर्मी समय रहते पहुंच गए। पास की एसजी होम्स सोसायटी के लोगों की मदद से सभी को आपात रास्ते से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बताई गई है। भूतल पर स्थित बैंक्वेट हॉल में वसुंधरा के रहने वाले दंपती की शादी की 50वीं सालगिरह का जश्न मनाया जा रहा था। 45 लोग समारोह में थे। दस ऊपर के कमरों में। समारोह में मौजूद लोगों ने बताया कि सजावट वाले हिस्से में अचानक आग की चिंगारी उठी। साफ लग रहा था कि शॉर्ट सर्किट हुआ है। देखते ही देखते आग लग गई और इसकी लपटें तेजी से फैलने लगीं। इससे भी तेजी से धुआं फैल गया। कुछ भी नजर नहीं आ रहा था, इसलिए लोग बाहर नहीं निकल पाए। आग की लपटें बैंक्वेट हॉल के बाहर तक पहुंच गई। आसपास के लोगों ने देखा तो तुरंत पुलिस और दमकल को सूचना दी। लोगों ने बताया कि दमकल और पुलिस की टीम को आने में थोड़ा ही वक्त लगा। वसुंधरा चौकी प्रभारी भूपेंद्र

सिंह और दमकल कर्मी रोहताश व संजेश गौतम ने पास की सोसायटी के लोगों की मदद से सोसायटी के हौज पाइप और फायर फाइटिंग सिस्टम से पानी डालकर आग बुझाने का प्रयास किया। इसके बाद दमकल की टीम अंदर पहुंची और लोगों को आपात रास्ते से बाहर निकाला। यंत्र चलाने का प्रशिक्षण सिर्फ एक कर्मचारी को पुलिस ने बताया कि रियर स्क्वायर बिल्डिंग दिल्ली के शाहदरा के राजीव कुमार की है। इसके भूतल में कींसफॉक होटल एंड बैंक्वेट हाल है। इसके होटल है जबकि अन्य हिस्से में दुकानें, जिम और कार्यालय हैं। अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि पूरी इमारत में अग्निशमन यंत्र लगे हैं लेकिन इन्हें चलाने का प्रशिक्षण सिर्फ एक कर्मचारी को दिया गया है। लोगों का आरोप था कि बिल्डिंग के कर्मचारी सोसायटी के लोगों की आग बुझाने में मदद करने के बजाय भाग गए। शोर सुनकर दुकानदार दुकानें बंद कर बाहर की तरफ भाग गए थे। इस बीच सोसायटी के लोगों ने सबसे पहले बैंक्वेट हॉल के पास गुजर रही पीएनजी लाइन को बंद किया। ताला तोड़ने में दमकल कर्मी को लगी चोट बैक्वेट हॉल में आग बुझाने पहुंचे दमकल और पुलिस कर्मचारियों ने जान जोखिम में डालकर काम किया। सभी लोहे और टीनशेड पर चढ़ कर आग बुझाने लगे। बिल्डिंग परिसर का ताला तोड़कर करीब दस लोगों को बाहर निकाला गया। इस दौरान एक कर्मचारी को चोट भी लग गई। सीएफओ राहुल पाल ने बताया कि तीन दमकलों की मदद से एक घंटे में आग बुझा ली। सबसे पहले ऊपर कमरों में फंसे 10 लोगों को दूसरे रास्ते से बाहर निकाला गया।

देश की किफायती कारें कारें जिनमें मिलती है एयर प्यूरीफायर

एनटीवी

इन दिनों सनरूफ जैसी फैंसी कार सुविधाओं से ज्यादा, किसी भी अन्य सुविधा की तुलना में इन-बिल्ट एयर प्यूरीफायर अधिक महत्वपूर्ण है। दिल्ली में छाई मौजूदा धुंध के बीच, खरीदारों के दिमाग में एयर प्यूरिफायर का नाम सबसे ऊपर होना चाहिए। एयर प्यूरीफायर में एक HEPA फि ल्टर होता है जो धूल के कणों को फि ल्टर करता है और यह दिल्ली जैसे शहरों के लिए काम आता है। आपको बताते हैं एयर प्यूरीफायर वाली शीर्ष सबसे किफायती कारें। आपको यह भी बता दें कि कार एयर प्यूरिफायर केबिन के अंदर पार्टिकुलेट मैटर और कुछ वायुजनित प्रदूषकों को कम करने में महत्वपूर्ण रूप से सहायक होते हैं, यह ध्यान देने योग्य है कि वे सभी हानिकारक प्रदूषकों को पूरी तरह से खत्म नहीं कर सकते हैं।

किआ सोनेट

किआ इंडिया ने हाल ही में देश में सॉनेट एसयूवी का अपडेटेड वर्जन लॉन्च किया है। सबकॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट में फीचर-लोडेड मॉडल में से एक है। सेगमेंट-फर्स्ट ऑफरिंग के अलावा, इसमें रियल-टाइम एयर क्वालिटी डिस्प्ले यूनिट के साथ वायरस प्रोटेक्शन वाला स्मार्ट एयर प्यूरीफायर भी मिलता है। वायु शोधक को फ्रंट सेंटर आर्मरेस्ट में एकीकृत किया गया है। यह वही इकाई है जो सेल्टोस पर भी पेश की गई है। एसयूवी में दी जाने वाली अन्य विशेषताएं बोस प्रीमियम साउंड सिस्टम, 10.25-इंच टचस्क्रीन नेविगेशन, हवादार सीटें, रियर डोर सनशेड पर्दे और बहुत कुछ हैं। एसयूवी की कीमत रुपये की रेंज 6.79 लाख से रु. 13.25 लाख (एक्स-शोरूम) है।

किआ सेल्टोस

सूची में अगली कार किआ सेल्टोस है। यह एसयूवी दक्षिण कोरियाई कार निमार्ता का वायु शोधन सुविधा पाने वाला पहला उत्पाद था। यह ल्दढअ फिल्टर के साथ स्मार्ट प्योर एयर प्यूरीफायर से सुसज्जित है, जो एक सेगमेंट-पहली सुविधा भी है। सेंटर आर्मरेस्ट के साथ एकीकृत, इसे एक डिजिटल डिस्प्ले के साथ जोड़ा गया है जो वास्तविक समय में केबिन की वायु गुणवत्ता प्रदर्शित करता है। यह सुविधा केवल ल्ळ और GT ट्रिम्स पर दी गई है। एसयूवी की कीमत 9.95 लाख रुपये से शुरू होती है, जो 17.65 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) तक जाती है।

हुंडई आई 20

इसके बाद हुंडई की प्रीमियम हैचबैक 20 है। दिलचस्प बात यह है कि यह इन-केबिन एयर प्यूरीफायर पाने वाली देश की पहली प्रीमियम हैचबैक है। वायु गुणवत्ता संकेतक के साथ यह ऑक्सीबूस्ट वायु शोधक केबिन के भीतर स्वच्छ हवा का वादा करता है। यह वायु शोधन सुविधा केवल कारों के एस्टा और एस्टा (ओ) वेरिएंट पर पेश की जाती है। नेक्स्ट-जेन 20 की कीमत 6.85 लाख - रु. 11.34 लाख (एक्स-शोरूम) रुपये के बीच है। कार एम्बिएंट लाइटिंग, टीएफटी मल्टी-इंफॉर्मेशन डिस्प्ले के साथ डिजिटल क्लस्टर, बोस प्रीमियम 7-स्पीकर स्टीरियो सिस्टम, हुंडई ब्लूलिंक तकनीक और बहुत कुछ जैसी सुविधाओं से भरी हुई है।

हुंडई क्रेटा

नई पीढ़ी की हुंडई क्रेटा भारत में तुरंत हिट हो गई जब यह पिछले साल मार्च में बिक्री पर आई थी। यह दक्षिण कोरियाई कार निमार्ता की वायु शोधन सुविधा पाने वाली तीसरी कार है। कार निमार्ता अपने ऑटो हेल्दी एयर प्यूरीफायर को र और र(ड) वेरिएंट पर पेश करता है। वायु शोधक को नियंत्रित करने के लिए एक छोटा डिस्प्ले भी है। क्रेटा एसयूवी की अन्य विशेषताओं में हवादार फ्रंट सीटें, एक पैनोरमिक सनरूफ, पीछे के यात्रियों के लिए विंडो शेड्स, रियर एसी वेंट और बहुत कुछ शामिल हैं। एसयूवी की कीमत 9.99 लाख से रु. 17.70 लाख (एक्स-शोरूम) रुपये की रेंज में है।

हुंडई वेन्यू

हुंडई वेन्यू एयर प्यूरीफिकेशन यूनिट पाने वाली सेगमेंट की पहली सबकॉम्पैक्ट एसयूवी थी। एसयूवी को यह सुविधा केवल दो ट्रिम्स - र (DCT) और र (ड) पर मिलती है। एसयूवी पर सुसज्जित वायु शोधक इकाई HEPA फिल्टर के साथ आती है। एसयूवी एक वैल्यू फॉर मनी उत्पाद है जिसमें वायरलेस चार्जिंग, ऑडियो-वीडियो नेविगेशन, पुश-बटन स्टार्ट, चमड़े की सीटें, क्रूज कंट्रोल, सनरूफ, ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल, आर्कमिस सिस्टम के साथ 8-इंच डिस्प्ले और बहुत कुछ जैसी सुविधाएँ शामिल हैं। इसकी कीमत 6.92 लाख से रु. 11.76 लाख (एक्स-शोरूम) रुपये की रेंज में है।

रेनॉल्ट किगर

रेनॉल्ट किगर भारतीय बाजार में सबसे किफायती सबकॉम्पैक्ट एसयूवी है। फ्रांसीसी ऑटोमेकर एसयूवी के लिए पांच एक्सेसरी पैक पेश करता है जिसमें एक वायु शोधक शामिल है। कार की अन्य प्रमुख विशेषताएं एक वायरलेस फोन चार्जर, 8-इंच फ्लोटिंग टचस्क्रीन यूनिट, 7-इंच डिजिटल इंस्ट्रूमेंट कंसोल, क्लाइमेट कंट्रोल, इंजन स्टार्ट-स्टॉप, आर्कमेज 3 डी साउंड सिस्टम, वायरलेस ऐप्पल कारप्ले और एंड्रॉइड ऑटो हैं। एसयूवी की कीमतें 5.45 लाख रुपये से शुरू होती है जो 9.75 लाख (एक्स-शोरूम) रुपये तक जाती है।

टाटा नेक्सन

टाटा की नेक्सन को हाल ही में फीचर्स के मामले में अपडेट मिला है, साथ ही एयर प्यूरीफायर जैसे कुछ महत्वपूर्ण नए उपकरण भी मिले हैं। यह एक इन-बिल्ट फीचर है जो नेक्सॉन को मिलता है और यहां जलवायु नियंत्रण प्रणाली वायु गुणवत्ता के स्तर को जांच में रखने में मदद करती है। टाटा नेक्सन 1.2 लीटर टर्बो पेट्रोल और 1.5 लीटर डीजल इंजन के साथ उपलब्ध है, दोनों इंजनों के साथ स्वचालित और मैनुअल विकल्प उपलब्ध हैं।

ब्रिटिश कार निमार्ता लोटस ने भारत में अपना पहला उत्पाद इलेट्रे एसयूवी को लॉन्च किया है

एनटीवी

ब्रिटिश कार निमार्ता लोटस ने भारत में अपना पहला उत्पाद इलेट्रे एसयूवी को लॉन्च किया है। इसकी शुरूआती कीमत 2.55 करोड़ रुपये (एक्स-शोरूम) है। ऑल-इलेक्ट्रिक हाइपर एसयूवी तीन विकल्पों में उपलब्ध है, अर्थात् इलेट्रे, एलेट्रे एस, और एलेट्रे आर। मॉडल को ब्रांड के आधिकारिक बिक्री भागीदार, एक्सक्लूसिव मोटर्स, नई दिल्ली के माध्यम से देश भर में बेचा जाएगा। इसके आकर्षक लुक और दमदार बैटरी ने इस कर को अलग लेवल पर पहुंचाया है। आपको यह भी बता दें कि देश की सबसे महंगी और पावरफुल इलेक्ट्रॉनिक एसयूवी है। ग्लोबल मार्केट में यह एसयूवी बेहद ही मशहूर है। लोटस एलेट्रे सामने से आक्रामक है, जिसमें चौड़े फ्रंट प्रोफाइल पर चिकने और तीर के आकार के डीआरएल हैं। फिर एक सक्रिय ग्रिल और चौड़े एयर डैम के साथ स्प्लिट हेडलैंप सेटअप है। एलेट्रे और एलेट्रे एस में 450 किलोवाट / 603 एचपी सिंगल-स्पीड संस्करण है, जिसकी अधिकतम सीमा 600 किमी (373 मील) है। एलेट्रे आर फ्लैगशिप 675 किलोवाट/905 एचपी डुअल-स्पीड सिस्टम और 490 किमी (304 मील) की अधिकतम क्षमता के साथ आता है। टॉर्क के आंकड़े क्रमशः 710 और 985 एनएम हैं, जो 4.5 या 2.95 सेकंड में 0-62 मील प्रति घंटे (0-100 किमी/घंटा) का प्रदर्शन प्रदान करते हैं। दोनों संस्करणों के लिए 112 'Wh बैटरी में रैपिड चार्जर का उपयोग करके केवल 20 मिनट का चार्जिंग समय (10% -80%) है।

पीछे की तरफ, सबसे आकर्षक डिजाइन तत्व टेल लाइट्स को जोड़ने वाली फुल-लेंथ एलईडी लाइट बार है। सुपरकार में रूफ-माउंटेड स्प्लिट स्पॉइलर, फंक्शनल एयर डैम, स्लोपिंग रूफलाइन और ब्लैक-आउट रियर बम्पर भी मिलता है। एलेट्रे आर के मानक विनिर्देश में लोटस डायनेमिक हैंडलिंग पैक, कार्बन फाइबर पैक, ग्लॉस ब्लैक व्हील, स्टेनलेस स्टील स्पोर्ट्स पैडल, ब्लैक बैजिंग और उच्च प्रदर्शन वाले टायर शामिल हैं। रंग विकल्पों के लिए, लोटस इलेट्रे छह रंग विकल्पों में हो सकता है - नैट्रॉन रेड, गैलोवे ग्रीन, स्टेलर ब्लैक, कैमू ग्रे, ब्लॉसम ग्रे और सोलर येलो। अंदर, लोटस इलेट्रे का केबिन लोटस हाइपर ओएस के साथ 15.1 इंच के फोल्डेबल टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, चार-जोन क्लाइमेट कंट्रोल, 12-तरफा विद्युत रूप से समायोज्य फ्रंट सीटों और एक वायरलेस चार्जर से सुसज्जित है। इसके अलावा ADAS सुइट, एयर प्यूरीफायर, मल्टी-कलर एम्बिएंट लाइटिंग और 15-स्पीकर डएत्र्क सोर्स्ड साउंड सिस्टम जैसी सुविधाएं भी ऑफर में हैं। इलेक्ट्रिक एसयूवी चार और पांच-सीटर कॉनफि गरेशन में हो सकती है।

कार इंश्योरेंस प्रीमियम भरना पड़ता है महंगा, तो जानें किन तरीकों से होगा कम

एनटीवी

कार खरीदने के बाद कुछ लोग काफी ज्यादा प्रीमियम देकर इंश्योरेंस लेते हैं। जिससे उनको ज्यादा खर्च करना पड़ता है। लेकिन किन तरीकों से प्रीमियम कम किया जा सकता है। आइए जानते हैं।

भारतीय बाजार में हर साल लाखों कारों की बिक्री होती है। जिसके साथ ही कंपनियों की ओर से इंश्योरेंस प्रीमियम भी ऑफर किए जाते हैं। हम इस खबर में आपको बता रहे हैं कि अगर आप भी महंगा इंश्योरेंस खरीदकर परेशान हैं, तो किस तरह से इंश्योरेंस प्रीमियम को कम किया जा सकता है।

विकल्प की खोज करें

जब भी आपको अपनी कार का इंश्योरेंस रिन्यू करवाना हो। तो किसी भी कंपनी से खरीदने से पहले अन्य कंपनियों से भी जानकारी लें। साथ ही उनसे कोटेशन जरूर मंगवाएं। अक्सर होता है कि अन्य कंपनियों के इंश्योरेंस का प्रीमियम आपकी मौजूदा कंपनी के प्रीमियम से कम होता है। इससे आपको सभी के बीच तुलना करने का मौका मिल जाएगा।

छूट के लिए पूछें

कार इंश्योरेंस रिन्यू कराने से पहले इंश्योरेंस प्रोवाइडर से डिस्काउंट के लिए जरूर पूछें। अगर आपने कम क्लेम लिए हैं, तो कंपनियां इस बात को ध्यान में रखती हैं। अगर आपने सालभर में कोई क्लेम नहीं लिया है, तो नो क्लेम बोनेस भी मांगे। वहीं आपने अगर साल भर में किसी ट्रैफिक नियम का कोई उल्लंघन नहीं किया है तो कंपनियां इसका भी ध्यान रखते हुए आपको प्रीमियम में अतिरिक्त छूट दे सकती हैं।

समझदारी से लें एडऑन

कभी भी कार इंश्योरेंस को रिन्यू करवाते हुए एडऑन को समझदारी से चुनना चाहिए। एडऑन लेने पर भले ही आपका प्रीमियम रिन्य के समय महंगा लगे, लेकिन अगर आपको भविष्य में उस एडऑन की जरुरत पड़ती है तो आपका प्रीमियम आपके पैसे बचा भी सकता है।

लगवाएं सेफ्टी फीचर्स

अगर आप अपनी कार में सामान्य से ज्यादा सेफ्टी फीचर्स का उपयोग करते हैं, तो कार चोरी होने की संभावना काफी कम हो जाती है। ऐसे में कंपनियों की ओर से इंश्योरेंस रिन्यू करते समय आपको छूट भी दी जा सकती है। इसके लिए कार में स्टीयरिंग लॉक, एंटी थेफ्ट डिवाइस, जीपीएस आदि सेफ्टी फीचर्स को कार में लगवाएं।

Honda CB350 भारत में लॉन्च, फीचर्स के साथ-साथ जानें क्या है इसकी कीमत

एनटीवी

होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (HMSI) ने आज 2023 होंडा उइ350 को 1,99,900 रुपये (एक्स-शोरूम, नई दिल्ली) की शुरूआती कीमत पर लॉन्च किया। इस मध्यम आकार के मोटरसाइकिल सेगमेंट के दावेदार को बिगविंग डीलरशिप पर जल्द ही डिलीवरी शुरू होने के साथ बुक किया जा सकता है। 2023 होंडा CB350 दो वेरिएंट्स - DLX और DLX PRO में उपलब्ध है। 2023 सीबी350 डीएलएक्स की शुरूआती कीमत 1,99,900 रुपये है जबकि 2023 सीबी350 डीएलएक्स प्रो - 2,17,800 रुपये है।

अपडेटेड होंडा CB350 एक ऑल-एलईडी लाइटिंग सिस्टम (गोल एलईडी हेडलैंप, एलईडी विंकर्स और एलईडी टेल लैंप), मेटल फेंडर, फ्रंट फोर्क्स और स्प्लिट सीटों के लिए मेटालिक कवर के साथ आता है। इसमें होंडा स्मार्टफोन वॉयस कंट्रोल सिस्टम, होंडा सेलेक्टेबल टॉर्क कंट्रोल सिस्टम, असिस्ट और स्लिपर क्लच और एक आपातकालीन स्टॉप सिग्नल के साथ डिजिटल-एनालॉग इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर जैसी विशेषताएं हैं। रेट्रो क्लासिक मॉडल को पांच रंग विकल्पों - प्रेशियस रेड मेटैलिक, पर्ल इग्नियस ब्लैक, मैट क्रस्ट मेटैलिक, मैट मार्शल ग्रीन मेटैलिक और मैट ड्यून ब्राउन में पेश किया जा रहा है। 2023 होंडा उइ350 के केंद्र में 348.36ू, एयर-कूल्ड, 4-स्ट्रोक, सिंगल-सिलेंडर, PGM-FI इंजन है, जो 21.1ढर की अधिकतम पावर और 29.4ठे का पीक टॉर्क विकसित करता है। इंजन 5-स्पीड गियरबॉक्स से जुड़ा है। 2023 होंडा CB350 की तकनीकी विशिष्टताओं की बात करें तो मोटरसाइकिल टेलिस्कोपिक फ्रंट फोर्क्स और प्रेशराइज्ड नाइट्रोजन-चार्ज रियर सस्पेंशन के साथ आती है। ब्रेकिंग के लिए फ्रंट में 310 डिस्क और रियर में 240 डिस्क है, जबकि डुअल-चैनल अइर स्टैंडर्ड है। ल्टरक 2023 होंडा CB350 पर एक विशेष 10-वर्षीय वारंटी पैकेज (3-वर्ष मानक + 7-वर्ष वैकल्पिक) की पेशकश कर रहा है। 2023 होंडा CB350 का मुख्य प्रतिद्वंद्वी लोकप्रिय रॉयल एनफील्ड क्लासिक 350 होगा।

कार के इंजन को रखना चाहते हैं सालों साल सुरक्षित तो फॉलो करें यह स्टेप्स

एनटीवी

जब हम नयी कार खरीदते हैं तो उसकी खूब देखभाल करते हैं, उसकी लगातार सर्विसिंग करते हैं, तो गैराज में खड़ी कार को भी रोज ही साफ करते हैं और पोछते हैं, लेकिन जैसे ही कुछ दिन बीत जाते हैं और कार पुरानी होने लगती है तो हम लापरवाही करने लग जाते हैं और कार के सबसे महत्वपूर्ण पार्ट इंजन में खराबी आनी शुरू हो जाती है।

तो आज हम ऐसे कुछ टिप्स बताने जा रहे हैं जिनकी सहायता से आप अपने कार के इंजन का बेहतरीन से बेहतरीन ख्याल रख सकते हैं और आपके कार का इंजन सालों साल तक अच्छी परफॉर्मेंस देगा और बीच रास्ते पर कभी आपको इंजन बंद होने की समस्या नहीं आएगी। जानते हैं क्या है वो टिप्स-

सर्विसिंग कराना ना भूलें

अक्सर लोगों को यह लगता है कि कार को सबसे ज्यादा सर्विसिंग की जरूरत बरसात के दिनों में होती है। अगर आप भी ऐसा सोचते हैं तो आप अपनी सोच बदल लें, मौसम चाहे जो भी हो आपके कार के इंजन को एक निश्चित समय पर सर्विसिंग की जरूरत पड़ती है, खासकर तब जब आप अपनी गाड़ी को रेगुलर चलाते हैं।

अगर आप अपनी गाड़ी को समय पर सर्विस कराते हैं, तो निःसंदेह आपके कार के इंजन में कोई समस्या नहीं आएगी और आपकी गाड़ी स्मूथ चलती रहेगी।

इंजन ऑयल पर विशेष नजर

जब भी आप अपने गाड़ी में इंजन ऑयल बदलवाएं तो ध्यान रखें की इंजन ऑयल की क्वालिटी अच्छी होनी चाहिए और अच्छे ब्रांड का इंजन ऑयल आप इस्तेमाल करें। कई बार लोकल मैकेनिक के पास जब सर्विसिंग के लिए जाते हैं तो वह अपने हिसाब से किसी भी प्रकार का इंजन ऑयल आपके कार के इंजन में डाल देते हैं जिसका असर आपको तुरंत देखने को नहीं मिलता है, लेकिन लंबे समय के बाद आपके कार के इंजन में खराबी आने लग जाती है। ऐसे में कम क्वालिटी या लोकल इंजन ऑयल के प्रयोग से आपको बचना चाहिए।

क्लच और ब्रेक पर रखें नजर

गाड़ी चलाते समय अक्सर लोग क्लच और ब्रेक को अनावश्यक इस्तेमाल करते हैं और जहां जरूरत नहीं होती है, वहां भी क्लच दबाते हैं और बेवजह का ब्रेक इस्तेमाल करते हैं जिसके कारण क्लच और ब्रेक ढीले पड़ जाते हैं। जब भी आप सर्विसिंग कराने जाए तो अपनी गाड़ी के क्लच और ब्रेक पर भी नजर रखें और उसका भी ठीक प्रकार से जांच अवश्य कराएं और अनावश्यक रूप से कार चलाते समय क्लच और ब्रेक के इस्तेमाल से आपको बचना चाहिए।

कूलेंट रेडिएटर का प्रयोग

इंजन ऑयल के अलावा आपकी कार में कूलेंट और रेडिएटर का भी प्रयोग किया जाता है जिसके बारे में आपको जानना बेहद जरूरी है। ध्यान रखें कि आपका कार के इंजन में हमेशा कूलेंट भर रहना चाहिए और ऐसे ही रेडिएटर का लेवल भी आपकी कार के इंजन में अच्छे लेवल पर रहना चाहिए।

अगर आप इन सब बातों का ध्यान रखते हैं तो इसमें कोई शक नहीं है कि आपकी कार का इंजन आपको कभी धोखा नहीं देगी और लंबे समय तक आपका साथ निभाता रहेगा।

राजीव गांधी के रिकॉर्ड को तोड़ने की दिशा में बढ़ रहे हैं मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विधानसभा चुनावों में भाजपा की जीत से खुश होकर ऐलान किया कि इस हैट्रिक ने 2024 की हैट्रिक की गारंटी दे दी है तो उत्साहित भाजपा सांसदों ने संसद के शीतकालीन सत्र की शुरूआत में प्रधानमंत्री मोदी के सामने 'तीसरी बार मोदी सरकार' और 'बार बार मोदी सरकार' का नारा लगा कर देश भर के पार्टी कार्यकताओं का उत्साह बढ़ा दिया। देखा जाये तो 2024 का लोकसभा चुनाव होने में तीन-चार महीने का समय बचा है। इसलिए अगला चुनाव जीतने के लिए जहां भाजपा कोई कसर नहीं छोड़ रही है वहीं विपक्ष भी एकजुट होकर पूरा जोर लगा रहा है। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपने कामकाज और देश के लिए हासिल की गयी उपलब्धियों पर जनता का समर्थन एक बार फिर मिलने की उम्मीद है। हम आपको बता दें कि मोदी ने 2019 के लोकसभा चुनावों में राम मंदिर बनाने, अनुच्छेद 370 हटाने, मुस्लिम महिलाओं को तीन तलाक से आजादी दिलाने, देश की महिलाओं को संसद और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण दिलाने, सीएए लाने, देश की सीमाई सुरक्षा को मजबूत बनाने तथा रोजगार के अवसर बढ़ाने समेत कई अन्य वादे किये थे जिन्हें पूरा कर उन्होंने 'मोदी की गारंटी' शब्द को सार्थक सिद्ध कर दिया है। देखा जाये तो भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विशाल राजनीतिक कद जैसा कोई अन्य नेता किसी भी पार्टी के पास नहीं है। मोदी जिस तरह से अपने बलबूते अपनी पार्टी को किसी भी राज्य का या केंद्र का चुनाव जिता सकते हैं उतनी राजनीतिक क्षमता किसी अन्य नेता में नजर नहीं आती। मोदी की बातों और वादों पर जितना विश्वास देश की जनता करती है वैसी साख किसी अन्य नेता की बातों और वादों की नहीं है। मोदी अगर जनता से वादे पूरे होने की गारंटी हैं तो मोदी भाजपा के लिए भी जीत की गारंटी हैं। देश की राजनीतिक परिस्थितियां दर्शा रही हैं कि 2024 का लोकसभा चुनाव भाजपा के लिए संभवतः 2019 से भी ज्यादा अच्छे परिणाम ला सकता है। लेकिन भाजपा सिर्फ अच्छे चुनावी परिणाम के लिए काम नहीं कर रही है। मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा को दूसरों की ओर से कायम पुराने रिकॉर्ड तोड़ने और नये रिकॉर्ड बनाने का ऐसा जुनून सवार है कि वह 2024 में एक बड़े रिकॉर्ड की बराबरी करने और एक बड़े रिकॉर्ड को तोड़ने के लिए काम कर रही है। हम आपको बता दें कि भाजपा यदि 2024 के लोकसभा चुनावों को भी जीत जाती है तो तीसरी बार प्रधानमंत्री बनते ही नरेंद्र मोदी देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू के लगातार तीन बार देश का प्रधानमंत्री बनने के रिकॉर्ड की बराबरी कर लेंगे। इसके साथ ही भाजपा 2024 में 1984 के संसदीय चुनावों में राजीव गांधी को मिली 404 सीटों का रिकॉर्ड तोड़ने के लक्ष्य के साथ काम कर रही है। इसीलिए भाजपा नेताओं ने नारा दे भी दिया है कि 'अबकी बार 400 पार'। देखा जाये तो नारा देना आसान है लेकिन उसे हकीकत में बदलना बेहद कठिन है, लेकिन आज के राजनीतिक दौर की एक सच्चाई यह भी है कि मोदी है तो मुमकिन है। सवाल यह है कि 2024 में मोदी कैसे बनाएंगे नया रिकॉर्ड? कहां से आयेंगी 400 से ज्यादा सीटें? इन्हीं सवालों का जवाब तलाशने और आंकड़ों को अपने पक्ष में करने के लिए भाजपा बहुत पहले ही जमीन पर काम करना शुरू कर चुकी है। इस समय देखा जाये तो 13 राज्यों में भाजपा की अपने बलबूते सरकार है। इन राज्यों की संसदीय सीटों की बात करें तो उत्तर प्रदेश में 80, उत्तराखण्ड में पांच, असम में 14, छत्तीसगढ़ में 11, गोवा में 2, गुजरात में 26, हरियाणा में 10, मध्य प्रदेश में 29, महाराष्ट्र में 48, मणिपुर में 2, राजस्थान में 25, अरुणाचल प्रदेश में 2 और त्रिपुरा में 2 सीटें हैं। इसके अलावा भाजपा जिन राज्यों में गठबंधन सरकार में शामिल है उनमें मेघालय में 2, सिक्किम, नगालैंड और पुडुचेरी में 1-1 लोकसभा सीट शामिल हैं। यदि इन सीटों का कुल योग कर लें तो 261 सीटें बनती हैं। इसके अलावा यदि अन्य पार्टियों के शासन वाले राज्यों में भाजपा की लोकसभा सीटों की बात करें तो पार्टी ने 2019 के लोकसभा चुनावों में दिल्ली, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, हिमाचल प्रदेश, झारखंड और बिहार में भी शानदार प्रदर्शन किया था और अभी के हालात को देखें तो भाजपा इन राज्यों में अपने पिछले प्रदर्शन से ज्यादा अच्छे परिणाम 2024 में देने की स्थिति में नजर आ रही है। साथ ही यदि केंद्र शासित प्रदेशों की संसदीय सीटों की बात करें तो जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, अंडमान एवं निकोबार, चंडीगढ़, दादरा और नागर हवेली में भी 2024 में भाजपा की जीत के आसार नजर आ रहे हैं। इसके अलावा भाजपा जिस तरह दक्षिण के अन्य राज्यों में भी अपनी पैठ बनाने की कोशिश कर रही है उसके परिणाम खासतौर पर तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और केरल में देखने को मिल सकते हैं क्योंकि हाल में कई चुनावों में भाजपा ने इन राज्यों में अपना वोट प्रतिशत भी बढ़ाया है और अपनी पार्टी के संगठन को भी दुरुस्त किया है।

कमाल की इंसानियत

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

आज के समय में इंसानियत ढूँढ़ना मतलब पानी पर पानी लिखने जैसा काम है। काश इंसानियत का नाम महंगाई होता हर जगह देखने को मिल जाती। मगर वो कहते है न, कि जब जब लोगो का इंसानियत पर से विश्वास उठा है, तब तब कोई न कोई सच्चा इंसान सामने आकर लोगो में इंसानियत का अलख बनकर जल उठता है। बहरहाल आज हम आपको एक ऐसी ही इंसानियत की निशानी वाली कहानी से रूबरू करवाना चाहते है। ये इंसानियत की कहानी उन हजारों बेरहमों के लिए एक मिसाल है, जो आज भी इंसानियत का खून करते हैं।चुनाव का मौसम था रिक्शा चलाने वाले रामू काका कड़ी दुपहरिया में पेट पालने के लिए मजबूर थे। बदन ऐसा कि उनका साथ नहीं दे रहा था। इसी रिक्शा से उन्होंने अपने बच्चों को पढ़ाया-लिखाया, काबिल बनाया, बच्चे थे कि उन्हें धक्के मारकर घर से बाहर निकाल दिया। जब से साँप आस्तिन में ज्यादा और धरती पर कम रहने लगे हैं, तब से ये घटनाएँ आम हो चली हैं। रामू काका हमेशा रोया करते थे। बच्चों ने उन्हें दूध में से मक्खी की तरह बाहर कर दिया था। एक वक्त था उनके लिये पैसे मायने नहीं रखते। बच्चों को ही सब कुछ समझते थे। बच्चे थे कि पैसों के सिवाय किसी और चीज को नहीं समझते थे। उन्होंने सोचा भी नहीं था एक दिन ऐसा आएगा जब उनके पास न पैसे होंगे ना ही कोई काम। ऐसे में हाथ जोड़ते हुए एक दिन एक आदमी आया और उसने बिना किसी सवाल-जवाब के अगले दो महीने के लिए रामू काका के खाने-पीने और दूसरी जरूरतों की जिम्मेदारी ले ली। उसे पता था की रामू काका बेसहारा हैं पर उसने काका की आंखो का दर्द देख लिया था। उसको लोगों ने कहा कि तुम काका की मदद क्यों करते हो उन्हें तो उनके बेटे तक नहीं पूछते। ऐसे में तुम क्यों तकलीफ उठाते हो। आदमी था कि लोगों की बात अनसुना कर रामू काका की मदद करने लगा। लेकिन फिर वह कई सालों के लिए गायब हो गया। रामू काका ने न जाने उसकी क्या मदद की थी कि वह फिर कुछ सालों के बाद आया और उसी तरह उनकी मदद करने लगा। उसकी मदद किसी इंसानियत से कम नहीं थी।

राजस्थान में आपसी कलह से हारी कांग्रेस

लेखक : रमेश सर्राफ धमोरा

जिनमें से एक कांग्रेस का व सात भाजपा के बागी थे। विधानसभा चुनाव से पहले अशोक गहलोत ने चौथी बार मुख्यमंत्री बनने के लिए पूरा जोर लगा दिया था। मगर कांग्रेस में चल रही आपसे गुटवाजी के चलते मतदाताओं ने कांग्रेस पार्टी को सिरे से ठुकरा दिया। विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ही पार्टी के मुख्य चेहरे बने हुए थे। उन्हीं के चेहरे पर कांग्रेस ने चुनाव लड़ा था। पार्टी की सभी प्रचार सामग्री पोस्टर, बैनर, होडिंगों में अशोक गहलोत की छाए हुए

राजस्थान विधानसभा चुनाव में लोगों को जैसी अपेक्षा थी उसी के अनुरूप चुनाव परिणाम देखने को मिले हैं। पिछले पांच विधानसभा चुनाव से प्रदेश में हर बार राज बदलने की परंपरा छठी बार भी कायम रही है। अशोक गहलोत के लाख प्रयासों के उपरांत भी कांग्रेस पार्टी प्रदेश में हर बार सत्ता बदलने का रिवाज नहीं बना बदल पाई और सत्ता गंवा दी। राजस्थान के मतदाताओं ने भाजपा की भारी बहुमत से ताजपोशी की है ताकि अगले पांच साल तक वह बिना किसी बाधा के राज कर सके। प्रदेश में भाजपा 115 सीटों के पर्याप्त बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रही है। वहीं कांग्रेस का आंकड़ा 108 से घटकर 69 सीटों पर ही सीमट गया है। प्रदेश के मतदाताओं ने तीसरे मोर्चे के नाम पर नेतागिरी कर रहे बड़बोले नेताओं को भी चुनाव में उनकी जगह दिखा दी है। बहुजन समाज पार्टी मात्र दो सीटों पर सीमट गई। वहीं सत्ता की चाबी अपने हाथ में होने का दावा करने वाले नागौर के सांसद व राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के अध्यक्ष हनुमान बेनीवाल अपनी खुद की खींवसर विधानसभा सीट पर मात्र 2059 मतों के अंतर से जीत सके हैं। उनकी पार्टी के सभी प्रत्याशी पराजित हो गए। चुनाव से कुछ महीना पहले ही बांगड़ के आदिवासी क्षेत्र में बनाई गई भारतीय आदिवासी पार्टी के तीन विधायक जीतने में सफल रहे हैं। हालांकि भारतीय आदिवासी पार्टी आदिवासी क्षेत्र में पहले भारतीय ट्राईबल पार्टी के नाम से पिछले विधानसभा चुनाव में उतरी थी और उसके दो विधायक जीते थे। उन्ही दोनों विधायकों ने भारतीय आदिवासी पार्टी के नाम से नई पार्टी का गठन किया था। आठ निर्दलीय प्रत्याशी जीते हैं। जिनमें से एक कांग्रेस का व सात भाजपा के बागी थे। विधानसभा चुनाव से पहले अशोक गहलोत ने चौथी बार मुख्यमंत्री बनने के लिए पूरा जोर लगा दिया था। मगर कांग्रेस में चल रही आपसे गुटवाजी के चलते मतदाताओं ने कांग्रेस पार्टी को सिरे से ठुकरा दिया। विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ही पार्टी के मुख्य चेहरे बने हुए थे। उन्हीं के चेहरे पर कांग्रेस ने चुनाव लड़ा था। पार्टी की सभी प्रचार सामग्री पोस्टर, बैनर, होडिंगों में अशोक गहलोत की छाए हुए थे। अशोक गहलोत द्वारा हायर की गई प्रचार कंपनी डिजाईन बाक्स व उसके बड़बोले निदेशक नरेश अरोड़ा भी चुनाव जितवाने में नाकाम रहे। सचिन पायलट पूरे चुनाव में ही साइड लाइन रहे। टिकट वितरण के दौरान सचिन पायलट ने जिस तरह से गहलोत के सामने हथियार डाले दिये थे। उस पर बड़े-बड़े राजनीतिक विश्लेषकों को भी आश्चर्य हुआ। चुनाव से पहले सुचिता की बड़ी-बड़ी बातें करने वाले पायलट ने जिस तरह से गहलोत समर्थक शांति धारीवाल, प्रमोद जैन भाया जैसे विवादित लोगों को टिकट देने पर अपनी सहमति जताई उससे सभी अचंभित रह गए। लोगों का कहना था कि पायलट ने अपने समर्थक कुछ लोगों के टिकट क्लियर करवाने के चक्कर में गहलोत से अंदर खाने अघोषित समझौता कर लिया था। चुनाव में पायलट के कहने पर करीबन 40 लोगों को टिकट मिली जबकि गहलोत समर्थकों की संख्या 150 से भी ऊपर थी। चुनाव से पहले गहलोत बार-बार कहते थे कि प्रदेश की जनता में सरकार के खिलाफ नकारात्मक माहौल नहीं है। जनता प्रदेश सरकार के कामों से खुश है। विधायकों को लेकर जनता में नाराजगी है। इसलिए हम बड़ी संख्या में नए लोगों को मैदान में उतरेंगे। मगर चुनाव आते-आते सारी बातें कागजों में ही रह गई और धड़ाधड़ बूढ़े व मौजूदा विधायकों को मैदान में उतार दिया गया। जिसका नतीजा कांग्रेस को करारी हार के रूप में देखना पड़ा। अशोक गहलोत ने सबसे बड़ी गलती प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सामने खुद को चेहरा बना कर कर दी। राजस्थान में भाजपा ने किसी को भी चेहरा बनाकर चुनाव नहीं लड़ा था। भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे व कमल के फूल के निशान पर चुनाव लड़ा था। वहीं अशोक गहलोत ने सामूहिक नेतृत्व के स्थान पर खुद को ही आगे कर पूरी चुनावी व्यूह रचना की थी जिसमें वह नाकाम रहे। कई विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस को अपने बागी प्रत्याशियों की नाराजगी के चलते भी हार का सामना करना पड़ा है। समय रहते कांग्रेस पार्टी आंतरिक बगावत पर नियंत्रण नहीं कर पाई। पार्टी के प्रदेश पर भारी सुखजिंदर सिंह रंधावा व तीनों सह प्रभारी का तो चुनाव के दौरान पता ही नहीं चला कि वो कहां रहे। राजस्थान में कांग्रेस को रसातल में पहुंचने में प्रभारी सुखजिंद्र रंधावा भी बहुत जिम्मेदार है। रंधावा का पूरा समय गहलोत सरकार की जी हुजूरी करते व लोगों को पदाधिकारी नियुक्त करने मे ही निकल गया और कांग्रेस पार्टी सत्ता से बाहर हो गई। कांग्रेस कार्यकताओं का कहना है कि रंधावा ने जिनको पदाधिकारी बनाया है उसमें खुलकर भ्रष्टाचार हुआ है। पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को भाजपा से सीट व मत अधिक मिले थे। मगर इस बार कांग्रेस की सीटें घटने के साथ भाजपा की तुलना में मत भी कम हुए हैं। इस बार कांग्रेस को 39.53 प्रतिशत वहीं भाजपा को 41.69 प्रतिशत मत मिले हैं। बहुजन समाज पार्टी को 1.82 प्रतिशत वहीं हनुमान बेनीवाल की राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी को 2.39 प्रतिशत मत ही मिल पाए हैं।

अंतर्राष्ट्रीय गतिशीलता और एसटीईएम अध्ययन में लिंग अंतर को संबोधित करना क्यों महत्वपूर्ण है

लेखक : विजय गर्ग

जिसके परिणामस्वरूप लोगों के लिए विशेष प्रकार की नौकरी में बने रहने की संभावना अधिक हो जाती है। बदलते रुझान महिलाओं की बढ़ती उपस्थिति के कारण उच्च शिक्षा का परिदृश्य परिवर्तन का अनुभव कर रहा है। ऐतिहासिक रूप से, उच्च शिक्षा में महिलाओं का नामांकन चिंता का कारण रहा है, खासकर विकासशील देशों में जहां सामाजिक-आर्थिक और सामाजिक-सांस्कृतिक बाधाएं कॉलेजों और विश्वविद्यालयों तक उनकी पहुंच को सीमित करती हैं। हालाँकि, एक उत्साहजनक बदलाव आ रहा है।

विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक लिंग अंतर रिपोर्ट, 2023 में लिंग समानता के मामले में भारत 146 देशों में से 127वें स्थान पर था - पिछले वर्ष से आठ स्थानों का सुधार। रिपोर्ट में कहा गया है कि जबकि भारत ने कुल लिंग अंतर का 64.3% कम कर दिया है; यह आर्थिक भागीदारी और अवसर पर केवल 36.7% समानता तक पहुँच पाया था। लगातार विकसित हो रहे वैश्विक कार्यबल में, शिक्षा और रोजगार दोनों में लिंग अंतर की निरंतरता एक चुनौती बनी हुई है जो भौगोलिक सीमाओं से परे है। दुनिया भर में, शिक्षा में लिंग-आधारित असमानताएँ बनी हुई हैं, जिससे जटिल चुनौतियाँ पैदा हो रही हैं। शिक्षा नामांकन दर, पूर्णता आँकड़े, शैक्षणिक उपलब्धियाँ और व्यक्तियों द्वारा चुने गए अध्ययन के क्षेत्रों के बीच संबंध उनके कैरियर प्रक्षेप पथ को आकार देने में सहायक है। इस संदर्भ में एक उदाहरण एसटीईएम विषयों-विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित में महिलाओं का कम प्रतिनिधित्व है। ये क्षेत्र न केवल उच्च पारिश्रमिक प्रदान करते हैं बल्कि स्थिरता और विकास का भी वादा करते हैं। हालाँकि, विविधता की यह कमी कुछ नौकरियों को विशिष्ट बनाए रखती है, जिसके परिणामस्वरूप लोगों के लिए विशेष प्रकार की नौकरी में बने रहने की संभावना अधिक हो जाती है। बदलते रुझान महिलाओं की बढ़ती उपस्थिति के कारण उच्च शिक्षा का परिदृश्य परिवर्तन का अनुभव कर रहा है। ऐतिहासिक रूप से, उच्च शिक्षा में महिलाओं का नामांकन चिंता का कारण रहा है, खासकर विकासशील देशों में जहां सामाजिक-आर्थिक और सामाजिक-सांस्कृतिक बाधाएं कॉलेजों और विश्वविद्यालयों तक उनकी पहुंच को सीमित करती हैं। हालाँकि, एक उत्साहजनक बदलाव आ रहा है क्योंकि पिछले चार दशकों में उच्च शिक्षा में महिलाओं का नामांकन पुरुषों की तुलना में अधिक हो गया है। इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल एजुकेशन (आईआईई) की हालिया रिपोर्ट के मुताबिक, दुनिया भर में उच्च शिक्षा में महिला नामांकन में पुरुष नामांकन की तुलना में लगभग दोगुनी तेजी से वृद्धि हुई है। इस उछाल का श्रेय बेहतर इक्विटी और पहुंच, बढ़ी हुई आय की संभावनाओं और सभी शिक्षा स्तरों पर लैंगिक असमानता को कम करने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृत आवश्यकता को दिया जा सकता है। आर्थिक विकास की भूमिका आर्थिक विकास लैंगिक समानता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और भारत और चीन जैसे देश इसके प्रमुख उदाहरण हैं। इन देशों के आर्थिक विकास ने घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों उच्च शिक्षा कार्यक्रमों में अधिक महिला नामांकन को प्रेरित किया है। भारत ने उच्च शिक्षा में लैंगिक समानता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण प्रगति की है। उच्च शिक्षा पर अखिल भारतीय सर्वेक्षण (एआईएसएचई) 2019-20 के अनुसार, महिला नामांकन अब पुरुषों की तुलना में अधिक है, पुरुषों के लिए 26.9% की तुलना में सकल नामांकन अनुपात 27.3% है। यह 2015-16 से 2019-20 तक महिला नामांकन में 18% की वृद्धि दशार्ता है। जबकि एसटीईएम क्षेत्रों में लिंग अंतर एक वैश्विक चुनौती बनी हुई है, भारत प्रगति कर रहा है। भारत में कई महिला एसटीईएम स्नातक पैदा होने के बावजूद, एसटीईएम क्षेत्रों में शोधकताओं में महिलाएं 15% से भी कम हैं। हालाँकि, डेटा से पता चलता है कि संयुक्त राज्य अमेरिका में एसटीईएम अध्ययन करने वाली भारतीय महिलाओं की संख्या बढ़ रही है, खासकर मास्टर स्तर पर। एसटीईएम में महिलाओं के लिए इंडो-यूएस फेलोशिप जैसी पहल भी इस लिंग अंतर को कम करने के लिए काम कर रही हैं। परिवर्तन की बयार बह रही है, जिससे महिलाएं विदेश में उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकती हैं और शीर्ष संस्थानों में अपने सपने पूरे कर सकती हैं। आर्थिक विकास और सामाजिक-सांस्कृतिक बाधाओं के टूटने के साथ-साथ, सरकारों, बहुपक्षीय संगठनों द्वारा वित्त पोषित लक्षित छात्रवृत्ति और फेलोशिप भी शामिल हैं।निजी संस्थाएँ उच्च शिक्षा में महिलाओं के लिए मार्ग प्रशस्त कर रही हैं। फिर भी, अंतर्राष्ट्रीय गतिशीलता और एसटीईएम अध्ययन में लिंग अंतर को संबोधित करने के लिए व्यक्तियों, समाज और सरकारों के सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। केवल निरंतर प्रतिबद्धता और सहयोग के माध्यम से, हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि दुनिया भर में महिलाओं को उच्च शिक्षा और उससे आगे उत्कृष्टता प्राप्त करने के समान अवसर प्राप्त हों।

नव युग के भारत मे स्त्री की बुनियादी भूमिका और अधिकारों के मूल्यांकन की आवश्यकता

लेखक :संजीव ठाकुर

यही कारण था कि वे पुरुषों की बराबरी में ना आकर बहुत पिछड़ गई और देश की समग्र विकास की स्थिति एकांगी हो गई थी। समाज यह भूल गया था कि जिन हाथों में कोमल चूड़ियां पहनी जाती हैं वही हाथ तलवार भी उठा कर युद्ध में एक वीरांगना की भूमिका निभाती है, इसकी सर्वश्रेष्ठ उदाहरण रजिया बेगम और रानी लक्ष्मीबाई रही हैं। मनुस्मृति पर यदि आप नजर डालेंगे तो पाएंगे कि उसमें स्पष्ट कहा गया है कि जहां नारियों की

आज स्त्री के संदर्भ में सारी पुरातन अवधारणाओं को बदलने का समय आ गया है ।नारी अब घर में पूज्या तो है ही साथ ही वह समाज में अपनी अहमियत की दस्तक देकर देश की सीमा सुरक्षा में भी अपना योगदान दे रही है। राष्ट्र निर्माण में नारी की शिक्षा एवं उनकी सहभागिता भारत का शक्तिशाली भविष्य है, अतः नारी की शिक्षा देश के लिए अति महत्वपूर्ण मुद्दा बन गई है,इनके अधिकारों और नई भूमिका के सही मूल्यांकन महती जरूरत है। वह समय चला गया जब किसी घर में कन्या के पैदा होने से पूरे परिवार में मातम छा जाता था अब भारत में धीरे-धीरे सामाजिक परिवेश में लिंग भेद बदलने लगा है। स्थिति यह है कि शिक्षित परिवार केवल एक संतान ही पैदा करना चाहती है चाहे वह कन्या हो या पुत्र। अब परिवार में कन्या पैदा होने से खुशियां मनाई जाती है और पुरातन सोच अब धीरे-धीरे सामाजिक परिवेश को मस्तिष्क के मूल्यांकन के साथ बदलते जा रही है। पुरुष प्रधान समाज में नारी को पूज्या कह कर बहला दिया जाता था और उसे घर की चहारदीवारी में सीमित कर दिया गया था। यही कारण था कि वे पुरुषों की बराबरी में ना आकर बहुत पिछड़ गई और देश की समग्र विकास की स्थिति एकांगी हो गई थी। समाज यह भूल गया था कि जिन हाथों में कोमल चूड़ियां पहनी जाती हैं वही हाथ तलवार भी उठा कर युद्ध में एक वीरांगना की भूमिका निभाती है, इसकी सर्वश्रेष्ठ उदाहरण रजिया बेगम और रानी लक्ष्मीबाई रही हैं। मनुस्मृति पर यदि आप नजर डालेंगे तो पाएंगे कि उसमें स्पष्ट कहा गया है कि जहां नारियों की पूजा होती है वहां देवताओं का वास होता है। प्राचीन भारत में नारी शिक्षा का काफी प्रचार प्रसार किया गया था इसके कई प्रमाण भी हैं कि वेद की रिचाओं का ज्ञान नारियों को था इसमें कुछ महत्वपूर्ण नारियां समाज के लिए एक उदाहरण बन गई थी उनमें मैत्री, गार्गी, अनुसूया, सावित्री, आदि उल्लेखनीय हैं। वैदिक काल के विद्वान मुंडन मिश्र की पत्नी उदय भारती ने प्रकांड पंडित विश्व विजयी आदि शंकराचार्य को भी शास्त्रार्थ में भरी सभा में पराजित किया था । इसीलिए वेदों और पुराणों में भी उल्लेखित है की बालिका शिक्षा समाज के निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला होता है। नारी के उत्थान में कई कुप्रथा कुठाराघात करती रही हैं, जो नारी के विकास में बाधा बनकर सामने आई थी इनमें बाल विवाह सबसे बड़ा अवरोध बना था और इसी का प्रतिफल है कि नारी पुरुष के समाज में काफी पिछड़ गई थी। महादेवी वर्मा ने नारी शिक्षा को पुरुष शिक्षा से ज्यादा महत्वपूर्ण बताया था उन्होंने कहा था स्त्री को शिक्षित बनाना एक पुरुष को शिक्षित बनाने से ज्यादा आवश्यक और महत्वपूर्ण है यदि एक पुरुष शिक्षित -प्रशिक्षित होता है तो उससे एक ही व्यक्ति को लाभ होता है किंतु यदि स्त्री शिक्षित होती है तो उससे संपूर्ण परिवार शिक्षित हो जाता है. उन्होंने बहुत महत्वपूर्ण बात कही नारी को अशिक्षित रखना समाज के लिए अपराध के समान है। समय के परिवर्तन के साथ साथ नारी का महत्व अब पूरे तौर पर समझा जा रहा है आज समाज तथा देश में नारियां सर्वोत्कृष्ट कार्य कर रही है। समाज हो या विज्ञान या राजनीति अथवा समाज सेवा संपूर्ण क्षेत्र में आज नारियां पुरुषों से कंधे से कंधा मिलाकर सर्वश्रेष्ठ कार्य कर रही है। मैडम क्यूरी, कल्पना चावला, इंदिरा गांधी, श्रीमति भंडार नायके, सरोजनी नायडू, कस्तूरबा गांधी जैसी महिलाएं राष्ट्र का मार्गदर्शन करने का काम करती रही है। महात्मा गांधी ने स्वयं कहा है कि जब तक भारत की महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर हर क्षेत्र में काम नहीं करेगी तब तक भारत का सर्वांगीण विकास संभव नहीं है।

अमेरिका ने अदाणी समूह पर हिंडनबर्ग की ओर से लगाए गए आरोपों को बताया अप्रासंगिक

- बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए राष्ट्रपति शी जिनपिंग की बेल्ट एंड रोड पहल के परिणामस्वरूप क्षेत्र में बढ़ते चीनी प्रभाव का मुकाबला करने के अमेरिकी प्रयासों का हिस्सा है।

एनटीवी, नई दिल्ली

डीएफसी के अधिकारी ने नाम न जाहिर करने की शर्त पर कहा कि डीएफसी इस बात से संतुष्ट है कि शॉर्ट-सेलर की रिपोर्ट में लगाए गए आरोप अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड पर लागू नहीं होते हैं। अधिकारी ने कहा कि अमेरिकी एजेंसी यह सुनिश्चित करने के लिए फर्म की निगरानी करना जारी रखेगी कि अमेरिकी सरकार अनजाने में वित्तीय कदाचार या अन्य अनुचित व्यवहार का समर्थन न करे। अमेरिका सरकार इस निष्कर्ष पर पहुंची है कि अरबपति गौतम अदाणी के खिलाफ कॉरपोरेट धोखाधड़ी के शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च के आरोप प्रासंगिक नहीं थे। इस निष्कर्ष के बाद ही बाद ही अमेरिकी एजेंसी डीएफसी ने श्रीलंका में एक कंटेनर टर्मिनल के लिए अदाणी समूह को 55.3 करोड़ डॉलर जारी किए। एक अमेरिकी अधिकारी की ओर से एक समाचार एजेंसी को यह जानकारी दी गई है। डीएफसी के अधिकारी ने नाम न जाहिर करने की शर्त पर कहा कि डीएफसी इस बात से संतुष्ट है कि शॉर्ट-सेलर की रिपोर्ट में लगाए गए आरोप अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड पर लागू नहीं होते हैं। अधिकारी ने कहा कि अमेरिकी एजेंसी यह सुनिश्चित करने के लिए फर्म की निगरानी करना जारी रखेगी कि अमेरिकी सरकार अनजाने में वित्तीय कदाचार या अन्य अनुचित व्यवहार का समर्थन न करे। अदाणी से जुड़ा श्रीलंका स्थित बंदरगाह सौदा एशिया में सबसे बड़ी और सबसे प्रमुख अमेरिकी सरकार समर्थित बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में से एक है। यह दुनिया भर में बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए राष्ट्रपति शी जिनपिंग की बेल्ट एंड रोड पहल के परिणामस्वरूप क्षेत्र में बढ़ते चीनी प्रभाव का मुकाबला करने के अमेरिकी प्रयासों का हिस्सा है। अदाणी पोर्ट्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और उनके बेटे करण अदाणी ने कोलंबो में सौदे की घोषणा के समय संवाददाताओं से कहा, ॰हम इसे अंतरराष्ट्रीय समुदाय द्वारा हमारे दृष्टिकोण, हमारी क्षमताओं और हमारे शासन की पुनः पुष्टि के रूप में देखते हैं। खबर के बाद अदाणी समूह के शेयरों में तेजी मंगलवार को शुरूआती कारोबार में सेंसेक्स 276.90 (10.94%) अंकों की बढ़त के साथ 2,808.10 रुपये के भाव पर कारोबार करता दिख रहा है। अदाणी ग्रीन एनर्जी ने हासिल की 1.36 अरब डॉलर की फंडिंग अदाणी ग्रीन एनर्जी ने मंगलवार को कहा कि उसने वरिष्ठ ऋण सुविधा के माध्यम से 1.36 बिलियन डॉलर की फंडिंग हासिल की है। जो निर्माण वित्तपोषण ढांचे के हिस्से के रूप में अब तक का सबसे बड़ा वित्तपोषण है। यह मार्च 2021 में प्रारंभिक परियोजना वित्तपोषण कंपनी का फंडिंग पूल तीन बिलियन तक पहुंच गया है। अडानी ग्रीन के कंस्ट्रक्शन फाइनेंसिंग फ्रेमवर्क को अंतरराष्ट्रीय बैंकों के कंसोर्टियम का समर्थन प्राप्त है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि ग्रीन लोन सुविधा एजीईएल की आगामी ऐतिहासिक परियोजना- गुजरात के खावडा में स्थित दुनिया के सबसे बड़े नवीकरणीय ऊर्जा पार्क की प्रगति को सुविधाजनक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

- मंगलवार को शुरूआती कारोबार में सेंसेक्स 276.90 (10.94%) अंकों की बढ़त के साथ 2,808.10 रुपये के भाव पर कारोबार करता दिख रहा है।

कर्मचारियों को सैलरी देने के लिए मालिक ने गिरवी रख दिया घर

एनटीवी, नई दिल्ली

बायजूस के कर्मचारियों का वेतन काफी समय से अटका हुआ है। इस वेतन को देने में भी कंपनी असमर्थ है। कर्मचारियों की परेशानी को दूर करने के लिए बायजूस के मालिक रविचंद्रन ने अपना घर भी गिरवी रख दिया है, ताकि कर्मचारियों को वेतन की परेशानी से ना जूझना पड़े। देश का सबसे बड़ा ऐड टैक प्लेटफार्म बायजूस इन दिनों लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। कंपनी की हालत लगातार खराब होती जा रही है। कंपनी अब अपने कर्मचारियों को वेतन देने की स्थिति में भी नहीं है। इसी बीच बायजूस के मालिक ने कर्मचारियों को वेतन देने के लिए अपना घर गिरवी रखा है। इसका दावा मीडिया रिपोर्ट में किया गया है। नकदी संकट से जूझ रही कंपनी बायजूस के कर्मचारियों का वेतन काफी समय से अटका हुआ है। इस वेतन को देने में भी कंपनी असमर्थ है। कर्मचारियों की परेशानी को दूर करने के लिए बायजूस के मालिक रविचंद्रन ने अपना घर भी गिरवी रख दिया है, ताकि कर्मचारियों को वेतन की परेशानी से ना जूझना पड़े। रविचंद्रन ने बेंगलुरु में अपने घर को गिरवी रखा है ताकि वेतन के लिए पैसा जुटाया जा सके। कंपनी में लंबे समय से फाइनेंशियल क्राइसिस चल रहा है। सिर्फ यहीं नहीं कंपनी का कर्ज देने वाले संस्थानों के साथ भी मनमुटाव है, जिस वजह से कानूनी लड़ाई जारी है। घर गिरवी रखने पर मिले 100 करोड़ बायजूस के मालिक को अपना घर गिरवी रखने के लिए 12 मिलियन डॉलर यानी 100 करोड़ रुपए मिले है। उन्होंने घर और एप्सिलॉन में उनका निमार्णाधीन विला को गिरवी रखा है। इस रकम से कंपनी की 15000 कर्मचारियों को वेतन का भुगतान किया जाएगा। बायजूस में चल रहे इस परेशानी के कारण कंपनी की वैल्यूएशन पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। बायजूस को मार्च, 2023 तक एपिक और अन्य सहायक कंपनियों में अपनी हिस्सेदारी की आंशिक बिक्री से भी वित्त जुटाने की उम्मीद है। बायजूस से जुड़े एक सूत्र का कहना है कि कंपनी के हर महीने के खर्चे और आय में लगभग 50 करोड़ रुपये का अंतर आ गया है। इस अंतर को दूर करने के लिए परिवार के सदस्यों के शेयर, घर व अन्य संपत्तियों को गिरवी रखा गया है। मार्च तक कंपनी का सही से संचालन करने के उद्देश्य से कंपनी को 600 से 700 करोड़ रुपये की आवश्यकता है, जिसके लिए रकम जुटाने की लगातार कोशिश की जा रही है। माना जा रहा है कि उस समय तक एपिक और कुछ अन्य सहायक कंपनियों में आंशिक हिस्सेदारी की बिक्री से हालात थोड़े सहज हो जाएंगे। होने वाली है कंपनी की एनुअल बैठक इसी बीच आर्थिक तौर पर परेशान बायजूज कंपनी ने आगामी 20 दिसंबर को वार्षिक आम बैठक भी बुलाई है। इस बैठक में प्रवर्तकों द्वारा गिरवी रखी गई संपत्तियों को कंपनी के बोर्ड के ध्यान में लाया जाएगा। इस बैठक में वित्त वर्ष 2021-22 के वित्तीय नतीजों को भी शेयरधारकों के समक्ष रखा जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

2030 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने को तैयार भारत: एसएंडपी

वैश्विक रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ग्लोबल के अनुसार भारत 2030 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि वित्त वर्ष 2026-27 में देश की जीडीपी ग्रोथ 7 फीसदी तक पहुंचने की उम्मीद है। जानिए क्या है भारत की वर्तमान स्थिति और तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लिए क्या किस पर होना चाहिए भारत की नजर। वित्त वर्ष 2026-27 में देश की जीडीपी वृद्धि 7 प्रतिशत तक पहुंचने का है अनुमान ग्लोबल रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ने आज भारत के अर्थव्यवस्था को लेकर बड़ी और अच्छी खबर दी है। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने कहा कि भारत 2030 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि वित्त वर्ष 2026-27 में देश की जीडीपी वृद्धि 7 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान है। एसएंडपी ने कहा, अगले वित्त वर्ष (2024-25) में विकास दर 6.4 प्रतिशत रहेगी, इसके बाद अगले वित्त वर्ष में यह 6.9 प्रतिशत और 2026-27 में 7 प्रतिशत हो जाएगी। भारत 2030 तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लिए तैयार है, और हमें उम्मीद है कि यह अगले तीन वर्षों में सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था होगी। वर्तमान में क्या है भारत की स्थिति ? आपको बता दें कि वर्तमान में भारत दुनिया की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। यूएस, चीन, जर्मनी और जापान के बाद भारत का स्थान है। एसएंडपी के मुताबिक भारत को अगला बड़ा वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनने के लिए एक मजबूत लॉजिस्टिक्स ढांचा विकसित करना, सर्विस डॉमिनेटेड इकोनॉमी बनना होगा। एसएंडपी ने कहा कि तेजी से बढ़ते घरेलू डिजिटल बाजार के कारण भारत अगले दशक के दौरान उच्च-विकास स्टार्टअप में खासकर वित्तीय और उपभोक्ता प्रौद्योगिकी में विस्तार को बढ़ावा दे सकता है। एसएंडपी ने आगे कहा कि ऑटोमोटिव क्षेत्र में, भारत विकास, बुनियादी ढांचे, निवेश और नवाचार के लिए तैयार है।

आ रहे हैं काम के ये दो बड़े फीचर, बदल जाएगा इस्तेमाल का अंदाज

- इसके अलावा व्हाट्सएप एक और फीचर पर काम कर रहा है जिसके आने के बाद व्हाट्सएप यूजर्स अपने स्टेटस को इंस्टाग्राम पर भी सीधे शेयर कर सकेंगे।

एनटीवी, नई दिल्ली

यदि आप भी व्हाट्सएप इस्तेमाल कर रहे हैं तो आपके लिए गुड न्यूज है। व्हाट्सएप में दो नए फीचर आ रहे हैं जिनके आने के बाद व्हाट्सएप के इस्तेमाल का अंदाज बदल जाएगा। हाल ही में व्हाट्सएप ने सीक्रेट कोड से किसी एक चैट को लॉक करने का फीचर जारी किया है। यदि आप भी व्हाट्सएप इस्तेमाल कर रहे हैं तो आपके लिए गुड न्यूज है। व्हाट्सएप में दो नए फीचर आ रहे हैं जिनके आने के बाद व्हाट्सएप के इस्तेमाल का अंदाज बदल जाएगा। हाल ही में व्हाट्सएप ने सीक्रेट कोड से किसी एक चैट को लॉक करने का फीचर जारी किया है। अब कंपनी ने यूजर नेम पर काम कर रही है। इस फीचर के आने के बाद व्हाट्सएप एप में किसी यूजर को उसके यूजर्स नेम से सर्च किया जा सकेगा। यह ठीक उसी तरह होगा जैसा टेलीग्राम एप में यूजर नेम होता है। इसके अलावा व्हाट्सएप एक और फीचर पर काम कर रहा है जिसके आने के बाद व्हाट्सएप यूजर्स अपने स्टेटस को इंस्टाग्राम पर भी सीधे शेयर कर सकेंगे। फिलहाल व्हाट्सएप स्टेटस को फेसबुक पर शेयर करने का ऑप्शन मिलता है। व्हाट्सएप के फीचर को ट्रैक करने वाली साइट हअईइ३क्ल्लाङ्ग ने इन दोनों नए फीचर की जानकारी दी है। रिपोर्ट के मुताबिक इंस्टाग्राम पर स्टेटस शेयर फीचर को एंड्रॉयड के बीटा वर्जन 2.23.25.20 पर देखा जा सकता है। यूजर्स के पास इस फीचर को ऑफ और ऑन करने का भी ऑप्शन मिलेगा यानी आप अपनी जरूरत के मुताबिक जब चाहें फेसबुक और इंस्टाग्राम पर अपने व्हाट्सएप स्टेटस को शेयर कर सकेंगे। इस फीचर का फायदा यह होगा कि एक ही बार में सभी सोशल साइट इंस्टाग्राम, फेसबुक और व्हाट्सएप पर स्टेटस अपडेट हो जाएंगे। ये फीचर पब्लिक के लिए कब जारी होंगे इस संबंध में फिलहाल कोई जानकारी मौजूद नहीं है।

शेयर बाजार लगातार दूसरे दिन रिकॉर्ड ऊंचाई पर, सेंसेक्स 212 अंक चढ़ा, निफ्टी 20750 के पार

- फिलहाल सेंसेक्स 297.70 (0.43%) अंकों तेजी के साथ 69,190.86 के स्तर पर जबकि निफ्टी 101.11 (0.49%) अंक मजबूत होकर 20,787.90 के लेवल पर कारोबार कर रहा है।

एनटीवी, नई दिल्ली

बाजार के प्रमुख इंडेक्स हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन भी नए ऑल टाइम हाई पर पहुंचे। इस दौरान बीएसई सेंसेक्स पहली बार 69,306 और निफ्टी 20,813 के पार पहुंचा। शेयर बाजार में सोमवार की जबरदस्त बढ़त के बाद मंगलवार को भी रिकॉर्डतोड़ तेजी जारी है। बाजार के प्रमुख इंडेक्स हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन भी नए ऑल टाइम हाई पर पहुंचे। इस दौरान बीएसई सेंसेक्स पहली बार 69,306 और निफ्टी 20,813 के पार पहुंचा। फिलहाल सेंसेक्स 297.70 (0.43%) अंकों तेजी के साथ 69,190.86 के स्तर पर जबकि निफ्टी 101.11 (0.49%) अंक मजबूत होकर 20,787.90 के लेवल पर कारोबार कर रहा है। बाजार की चौतरफा खरीदारी में बैंकिंग सेक्टर के शेयरों का सबसे ज्यादा योगदान है। बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का कुल मार्केट कैप भी 344 लाख करोड़ रुपए के रिकॉर्ड लेवल को पार कर गया। सोमवार को बीएसई सेंसेक्स 1383 अंक मजबूत होकर 68,865 पर बंद हुआ।

वैश्विक मोर्चे पर एशियाई बाजार आज गिरावट के साथ खुले। हाल की तेजी के बाद वॉल स्ट्रीट के शेयर में कमजोरी आई। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने पिछले सत्र के दौरान शुद्ध आधार पर 2,073 करोड़ रुपये के भारतीय शेयर खरीदे। घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 4,797 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। एनएसई के 14 में से 15 सेक्टर सेंसेक्स हरे निशान में कारोबार करते दिखे। निफ्टी बैंक, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी कंज्यूमर ड्युरेबल्स और निफ्टी ऑयल एंड गैस क्रमशः 0.66 फीसदी, 0.46 फीसदी, 0.44 फीसदी और 0.77 फीसदी की बढ़त के साथ एनएसई प्लेटफॉर्म से बेहतर प्रदर्शन करते दिखे। हालांकि निफ्टी आईटी में 0.60 फीसदी गिरावट दिखी। निफ्टी के शेयरों में अदाणी पोर्ट्स का शेयर सबसे अधिक लाभ में रहा और कंपनी का शेयर 4.48 प्रतिशत उछलकर 918 रुपये पर पहुंच गया। अदाणी एंटरप्राइजेज, बीपीसीएल, एक्सिस बैंक और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर 4.10 प्रतिशत तक चढ़ गए।

चालू वित्त वर्ष में जीएसटी संग्रह रहा 1.66 लाख करोड़ रुपये, एक लाख से अधिक कंपनियां स्वेच्छा से बाहर

- सीतारमण ने कहा कि 2020-21 में औसत मासिक संग्रह 94,734 करोड़ रुपये था। 2021-22 में औसत यह प्रतिमाह 1.23 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा।

एनटीवी, नई दिल्ली

वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने सोमवार को कहा कि भारत अमृत काल (2047 तक) की शुरूआत में ही 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भारत के 2027-28 में तीसरी सबसे बड़ी जीडीपी के साथ 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का अनुमान लगाया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि 1 जुलाई, 2017 से लागू होने के बाद से जीएसटी संग्रह वार्षिक आधार पर बढ़ता दिख रहा है और चालू वित्त वर्ष में अब तक औसत सकल मासिक संग्रह 1.66 लाख करोड़ रुपये है। लोकसभा में सोमवार को एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि जीएसटी संग्रह चालू वित्त वर्ष के हर माह में 1.50 लाख करोड़ रुपये के पार रहा। अप्रैल, 2023 में यह 1.87 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया है। सीतारमण ने कहा कि 2020-21 में औसत मासिक संग्रह 94,734 करोड़ रुपये था। 2021-22 में औसत यह प्रतिमाह 1.23 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा। अमृत काल की शुरूआत में ही पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा भारत वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने सोमवार को कहा कि भारत अमृत काल (2047 तक) की शुरूआत में ही 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भारत के 2027-28 में तीसरी सबसे बड़ी जीडीपी के साथ 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का अनुमान लगाया है। पिछले पांच वर्षों में एक लाख से अधिक कंपनियां स्वेच्छा से बाहर निकलीं पांच वर्षों में एक लाख से अधिक कंपनियां कंपनी कानून के तहत स्वेच्छा से बाहर निकल गईं। इसके अलावा कई कंपनियों ने दिवालियापन संहिता (आईबीसी) के तहत स्वैच्छिक परिसमापन की मांग की है। एक प्रश्न के जवाब में कॉरपोरेट मामलों के राज्यमंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने जानकारी देते हुए कहा कि इस दौरान कंपनियों द्वारा स्वैच्छिक निकास के लिए लिया गया समय औसतन 6-8 महीने रहा। कुछ मामलों में यह 12-18 महीने के बीच रहा है।

देश में सेवा क्षेत्र की गतिविधि नवंबर में एक साल के निचले स्तर पर, पीएमआई के आंकड़ों में पुष्टि

एनटीवी, नई दिल्ली

परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर का सूचकांक विस्तार को दशार्ता है जबकि 50 से नीचे का स्कोर संकुचन को दशार्ता है। यह सर्वेक्षण सेवा क्षेत्र की करीब 400 कंपनियों के पैनल को भेजी गई प्रश्नावली के जवाब से तैयार किया गया है। देश में सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर नवंबर में एक साल के निचले स्तर पर पहुंच गई। मौसमी रूप से समायोजित एसएंडपी ग्लोबल इंडिया सर्विसेज बिजनेस एक्टिविटी इंडेक्स अक्टूबर के 58.4 से गिरकर नवंबर में एक साल के निचले स्तर 56.9 पर आ गया। हालांकि महीने-दर-महीने आंकड़ों में गिरावट देखने के बावजूद विस्तार की यह दर अपने दीर्घकालिक औसत से मजबूत रही। परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर का सूचकांक विस्तार को दशार्ता है जबकि 50 से नीचे का स्कोर संकुचन को दशार्ता है। यह सर्वेक्षण सेवा क्षेत्र की करीब 400 कंपनियों के पैनल को भेजी गई प्रश्नावली के जवाब से तैयार किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है, भारत के सेवा क्षेत्र ने तीसरी तिमाही के बीच में वृद्धि की रफ्तार गंवा दी है, लेकिन हम सेवाओं की मजबूत मांग देख रहे हैं, जिससे नए कारोबार में तेजी आ रही है। एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस की इकोनॉमिक्स असोसिएट डायरेक्टर पॉलियाना डी लीमा ने कहा, 'लॉन्ग टर्म ऐवरेज पर विचार करने पर विस्तार की मौजूदा दर काफी अच्छी लगती है और महंगाई बढ़ने की आशंकाओं के चलते उम्मीद कमजोर पड़ने के बावजूद बिजनेस ऐक्टिविटी का आउटलुक अच्छा बना हुआ है। कीमतों के मोर्चे पर, इनपुट लागत और आउटपुट चार्ज मुद्रास्फीति की दरें आठ महीने के निचले स्तर पर आ गईं।

31 दिसंबर तक डीमैट अकाउंट में जरूर ऐड कर लें नॉमिनी

एनटीवी, नई दिल्ली

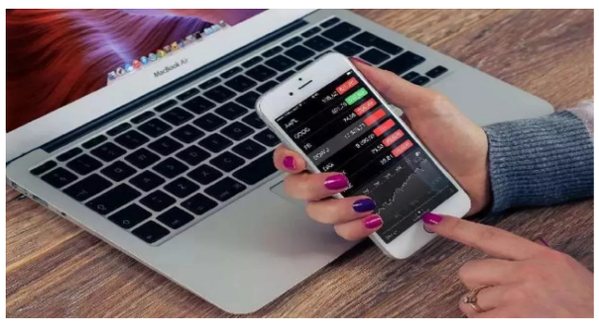

डीमैट अकाउंट में नॉमिनी डिटेल्स अपडेट करने की आखिरी तारीख 31 दिसंबर है। अगर आपने अब तक अपने अकाउंट में नॉमिनी डिटेल्स की जानकारी नहीं भरी है तो आपका खाता फ्रीज किया जा सकता है। एक बार अकाउंट फ्रीज हो जाने के बाद आप इससे किसी तरह का लेन देन नहीं कर पाएंगे। यहां हम आपको डीमैट अकाउंट में नॉमिनी डिटेल्स एड करने के बारे में जानकारी दे रहे हैं। डीमैट अकाउंट में नॉमिनी एड करने की आखिरी तारीख 31 दिसंबर है। डिमैट अकाउंट में नॉमिनी एड करने की आखिरी तिथि 31 दिसंबर है। अगर आपने अब तक अपने अकाउंट में नॉमिटी डिटेल्स अपडेट नहीं की हैं तो दिसंबर के आखिरी तक अकाउंट में नॉमिनी का नाम जोड़ लें। ऐसा न करने पर अपका डीमैट अकाउंट फ्रीज किया जा सकता है। आज हम आपको डीमैट अकाउंट से नॉमिनी जोड़ने की प्रक्रिया के बारे में डिटेल में जानकारी दे रहे हैं। नॉमिनी ऐड करने का आखिरी मौका सिक्योरिटी एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (रएइक) ने डीमैट अकाउंट में नॉमिनी एड करने के लिए 31 दिसंबर अंतिम डेट रखी है। अगर आपने भी अपने खाते में नॉमिनी नहीं जोड़े हैं तो लास्ट डेट से पहले ऐसा कर लें। जैसा कि हमने ऊपर बताया कि ऐसा न करने वाले खाते फ्रीज कर दिए जाएंगे। मार्केट रेगुलेटरी एजेंसी सेबी ने फिजिकल सिक्योरिटी होल्डर्स को 31 दिसंबर तक पैन, नॉमिनेशन और केवाईसी डिटेल्स जैसी जानकारियां भी अपडेट करने के लिए निर्देश जारी किए हैं। अकाउंट फ्रीज होने के बाद क्या होगा 31 दिसंबर तक डीमैट अकाउंट में नॉमिनी डिटेल्स अपडेट नहीं करवाने वाले यूजर्स का खाता फ्रीज किया जा सकता है। हालांकि आपका डीमैट अकाउंट बंद नहीं होगा लेकिन आप इस अकाउंट से किसी तरह की ट्रांसजैक्शन नहीं कर पाएंगे। डीमैट अकाउंट में नॉमिनी कैसे जोड़ें सबसे पहले आपको डीमैट अकाउंट में लॉगइन कर लेना है। डीमैट अकाउंट में लॉगइन करने के बाद आपको प्रोफाइल सेगमेंट में जाकर 'माई नॉमिनी' ऑप्शन में क्लिक करना है। यहां आपको 'एड नॉमिनी' या 'ऑप्ट-आउट' ऑप्शन देखने को मिलेंगे। इनमें से किसी एक ऑप्शन को चुनना है। अगले पेज में आपको नॉमिनी डिटेल्स की जानकारी शेयर करनी है। इसके साथ ही नॉमिनी का वैलिड आईडी प्रूफ भी अपलोड करना होगा। अगर आप एक से ज्यादा नॉमिनी बना रहे हैं तो आपको नॉमिनी शेयर भी भरना होगा। नॉमिनी डिटेल्स पूरी करने के बाद आपको आधार कार्ड नंबर डालकर ओ.टी.पी सब्मिट करना होगा। इस तरह आप अपने अकाउंट में आसानी से नॉमिनी जोड़ पाएंगे।

129 करोड़ के गबन में ईडी के छापे, व्हाइट गुड्स कंपनियों को मिलेगा 79 करोड़ का प्रोत्साहन

- ईडी ने मामले में मुंबई और चेन्नई में कुछ महंगे अपार्टमेंटों के साथ अपराध की आय से प्राप्त अन्य संपत्तियों की भी पहचान की है।

एनटीवी, नई दिल्ली

सरकार चालू वित्त वर्ष की आखिरी तिमाही में फ्रिज, वॉशिंग मशीन जैसे इलेक्ट्रिक उत्पाद (व्हाइट गुड्स) बनाने वाली कंपनियों को पीएलआई योजना के तहत 79 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि बांट सकती है। गेटवे ऑफिस पार्क्स प्राइवेट लि. (पूर्व में श्रीराम प्रॉपर्टीज एंड इंफ्रास्ट्रक्चर प्रा. लि.) के मुंबई और चेन्नई में पूर्व कर्मचारी रामप्रसाद रेड्डी से जुड़े 14 ठिकानों पर छापे मारकर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 45 करोड़ रुपये से अधिक की नकदी, बैंक जमा और शेयर जब्त किए हैं। कंपनी को 2017 में वैश्विक फंड हाउस जेंडर ने अधिग्रहित किया था। ये छापे 129 करोड़ रुपये की हेराफेरी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में मारे गए। ईडी ने मामले में मुंबई और चेन्नई में कुछ महंगे अपार्टमेंटों के साथ अपराध की आय से प्राप्त अन्य संपत्तियों की भी पहचान की है। केंद्रीय एजेंसी ने सोमवार को बताया कि तलाशी अभियान 29-30 नवंबर को चलाया गया था। इस दौरान पुखराज जैन परिवार की ओर से नियंत्रित कुछ अन्य संस्थाओं (सलेम स्टेनलेस स्टील सप्लायर्स प्राइवेट लिमिटेड, फोर स्टार एस्टेट्स एलएलपी, मेसर्स हाई हिल्स एलएलपी), और राजेश उर्फ सरवनन जीवनानंदम की ओर से नियंत्रित (जेकेएस कंस्ट्रक्शन, सुयंभू प्रोजेक्ट्स, एसके ट्रेडर्स, एसवी इंफ्रास्ट्रक्चर, जीआर प्रोजेक्ट्स और कार्तिक ट्रेडर्स) के ठिकानों पर भी छापे मारे गए थे।

व्हाइट गुड्स कंपनियों को मिलेगा 79 करोड़ का प्रोत्साहन सरकार चालू वित्त वर्ष की आखिरी तिमाही में फ्रिज, वॉशिंग मशीन जैसे इलेक्ट्रिक उत्पाद (व्हाइट गुड्स) बनाने वाली कंपनियों को पीएलआई योजना के तहत 79 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि बांट सकती है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि चालू वित्त वर्ष में उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत विभिन्न क्षेत्रों के लिए 11,000 करोड़ रुपये के प्रोत्साहन वितरण का लक्ष्य कम पड़ सकता है। उन्होंने कहा, कई परियोजनाएं प्रारंभिक अवधि में हैं। व्हाइट गुड्स क्षेत्र में हम अंतिम तिमाही में 79 करोड़ रुपये के वितरण की उम्मीद कर रहे हैं।

इस श्रेणी के तहत पीएलआई योजना के 64 चयनित लाभार्थियों में से 15 ने उत्पादन शुरू कर दिया है।

इन लाभार्थियों ने 31 मार्च, 2022 की अवधि को चुना है।

रिलायंस और अंबानी के खिलाफ सैट ने खारिज किया जुमार्ना प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण (सैट) ने रिलायंस इंडस्ट्रीज, मुकेश अंबानी सहित दो अन्य पर 16 साल पुराने मामले में सेबी के लगाए 70 करोड़ के जुमार्ने को खारिज कर दिया। सेबी ने रिलायंस पेट्रोलियम के शेयरों में 2007 में जुगाड़ कारोबार को लेकर जनवरी, 2021 में जुमार्ना लगाया था।

- रिलायंस इंडस्ट्रीज, मुकेश अंबानी सहित दो अन्य पर 16 साल पुराने मामले में सेबी के लगाए 70 करोड़ के जुमार्ने को खारिज कर दिया।

रिलायंस इंडस्ट्रीज पर 25 करोड़ व मुकेश अंबानी पर 15 करोड़ रुपये जुमार्ना लगाया गया था। जनवरी से महंगी होंगी एमजी मोटर की कारें एमजी मोटर इंडिया जनवरी, 2024 से अपने वाहनों की कीमतें बढ़ाएगी। कंपनी ने कहा, इस वृद्धि का कारण लागत संबंधी महंगाई है।

हालांकि, एमजी मोटर ने यह नहीं बताया कि दाम कितने बढ़ेंगे। टाटा मोटर्स और मर्सिडीज-बेंज इंडिया भी दाम बढ़ाने पर विचार कर रही हैं।

युवा मौजूदा राजनीतिक व्यवस्था से तंग आ चुके थे, मिजोरम में जेडपीएम की जीत के बाद बोले लालडुहोमा

एनटीवी, आइजोल

उन्होंने कहा कि प्रदेश के युवा मिजों नेशनल फ्रंट से तंग आ चुके थे और नए विचारों और सिद्धांतों के साथ एक नया शासन चाहते थे। सोमवार को लालडुहोमा ने 7 नवंबर के विधानसभा चुनावों, परिणाम, विकास और महिला सशक्तिकरण के उनके दृष्टिकोण और छोटे पूर्वोत्तर राज्य में नई सरकार की चुनौतियों पर सवाल उठाए। मिजोरम में जोरम पीपुल्स मूवमेंट को भारी मतों से जीत दिलाने के बाद पार्टी के प्रमुख लालडुहोमा मुख्यमंत्री का कार्यभार संभालने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के युवा मिजों नेशनल फ्रंट से तंग आ चुके थे और नए विचारों और सिद्धांतों के साथ एक नया शासन चाहते थे। सोमवार को लालडुहोमा ने 7 नवंबर के विधानसभा चुनावों, परिणाम, विकास और महिला सशक्तिकरण के उनके दृष्टिकोण और छोटे पूर्वोत्तर राज्य में नई सरकार की चुनौतियों पर सवाल उठाए। मिजोरम की जनता से वह क्या कहना चाहेंगे, जिन्होंने आपको इतने भारी बहुमत से जीत दिलाई? उन्होंने कहा कि हमारे युवा दलगत राजनीति से प्रभावित नहीं हैं और न ही वे इसमें शामिल हैं। वे गंदी राजनीति से मुक्त हैं। वे अपने पिता और पुरखों के समय से चली आ रही प्रचलित राजनीतिक व्यवस्था से तंग आ चुके थे। वे खुद को मौजूदा व्यवस्था के शिकंजे से मुक्त करना चाहते थे और नए विचारों और सिद्धांतों के साथ एक नया शासन स्थापित करना चाहते थे। इसी उम्मीद के साथ वे वोट देने निकले। आपकी पार्टी के पहली बार पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता में आने पर आपकी क्या प्रतिक्रिया होगी? उन्होंने कहा कि यह भगवान के आशीर्वाद और लोगों के प्यार और स्नेह से था कि हम इन चुनावों में विजयी हुए। हम पर भरोसा जताने के लिए मैं लोगों का बहुत आभारी हूं और उनकी सराहना करता हूं। क्या आपको इतनी बड़ी जीत की उम्मीद थी? हम पिछले एक साल से जानते थे कि जनता हमारे साथ है. हमने जनता की नब्ज को भांप लिया था और जानते थे कि प्रचार चरण से लेकर मतदान के दिन तक मूड हमारे पक्ष में था। हम जानते थे कि मतदाता हम पर भरोसा करेंगे। आपके अनुसार मुख्यमंत्री पद का दावेदार कौन होगा? कोई दावेदार नहीं हैं। सर्वसम्मति से मुझे मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया गया। संबंधित परिषद, जो मुख्यमंत्री को चुनने में शामिल है, ने पिछले साल मुझे चुना था। उन्होंने घोषणा की कि यदि जेडपीएम सत्ता में आती है, तो लालडुहोमा मुख्यमंत्री होंगे। यह बात लोगों को भी पिछले साल से पता थी। आने वाले 5 वर्षों में आपकी सरकार को किन मुद्दों से निपटना है? बहुत सारे मुद्दे हैं. सरकार के पास विभिन्न चीजों को देखने वाले 44 विभाग हैं और मेरे लिए इतने कम समय में उन सभी का विवरण देना संभव नहीं होगा। मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद मैं प्रेस वार्ता करूंगा। मैं मुख्यमंत्री के रूप में अपनी पहली प्रेस वार्ता में आने वाले 100 दिनों के लिए हमारी सर्वोच्च प्राथमिकताओं के बारे में बताऊंगा। आप पहली बार सरकार बनाने जा रहे हैं. क्या यह एक बड़ी चुनौती होगी? यह काफी दिलचस्प चुनौती होगी. हम किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए तैयार हैं। कब होगा शपथ ग्रहण? शपथ ग्रहण समारोह एक सप्ताह के अंदर होगा। आप अपने प्राथमिक प्रतिद्वंद्वी मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) के चुनावी प्रदर्शन का आकलन कैसे करेंगे? यहां तक कि मुख्यमंत्री (जोरामथांगा) भी हार गए। मैं कहूंगा कि परिणाम अपेक्षित तर्ज पर थे। हर कोई जानता था कि एमएनएफ हारने वाला है। मैं हमारे मुख्यमंत्री के खिलाफ प्रतिकूल या निर्दयी बयान नहीं देना चाहता लेकिन यह ज्ञात तथ्य है कि वह अपनी पार्टी की हार के लिए जिम्मेदार हैं। मिजोरम भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और शरणार्थियों की आमद जैसे कई मुद्दों से जूझ रहा है। उनसे निपटने के लिए आपकी क्या योजनाएं हैं? पहली बात यह है कि हम सभी को देश के कानून का पालन करना होगा। यह (एमएनएफ) सरकार सभी कानूनों का उल्लंघन कर रही थी। अधिकांश सरकारी ठेके प्रतिबंधित निविदा प्रणाली के तहत दिए गए, जो नियमों का उल्लंघन है। मैं सभी प्रकार के प्रतिबंधित टेंडरों को बंद करने जा रहा हूं।' मेरी निगरानी में एक भी प्रतिबंधित निविदा नहीं दी जाएगी। राज्य में महिला सशक्तिकरण के लिए आपकी क्या योजनाएं हैं? इस बार महिला मतदाताओं ने अपने पुरुष समकक्षों को पीछे छोड़ दिया, जिससे पता चलता है कि अधिक से अधिक महिलाओं ने नई सरकार चुनने की प्रक्रिया में अपनी भागीदारी दर्ज कराई। मेरी सरकार में प्रमुख रूप से महिलाएं शामिल होंगी और हमारे समर्थन में आगे आने के लिए हम अपनी महिला मतदाताओं के आभारी हैं। हम अपनी महिलाओं के उत्थान और उनके जीवन स्तर को ऊपर उठाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम इस कार्य को पूरा करने की पूरी कोशिश करेंगे।

चंद्रयान-3 का प्रोपल्शन मॉड्यूल पृथ्वी की कक्षा में वापस लौटा, इसरो ने बताया भविष्य में कैसे होगा फायदा

- इसरो की ओर से जारी बयान में कहा गया कि एजेंसी का मुख्य लक्ष्य पहले लैंडर मॉड्यूल को प्रॉपल्शन मॉड्यूल से अलग कर के चांद की अंतिम कक्षा में स्थापित करना था।

एनटीवी, नई दिल्ली

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने बताया कि एक अन्य प्रयोग में चंद्रयान-3 के प्रोपल्शन मॉड्यूल को चंद्रमा के एक कक्ष से पृथ्वी के एक कक्ष में ले जाया गया था, जो कि एक और उपलब्धि है। चंद्रयान-3 का प्रोपल्शन मॉड्यूल अपने मिशन को सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद पृथ्वी की कक्षा में लौट गया है। यह भारत की न केवल नए मिशन को लॉन्च करने की बल्कि उन्हें वापस लाने की क्षमता के मामले में भी बड़ी छलांग है। विक्रम लैंडर की चंद्रमा पर एक सतह से दूसरी सतह तक ले जाने के प्रयोग के बाद यह इसरो की एक और उपलब्धि है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने बताया कि चंद्रयान-3 के प्रोपल्शन मॉड्यूल को चंद्रमा के एक कक्ष से पृथ्वी के एक कक्षा लाया गया। अंतरिक्ष यान को 14 जुलाई 2023 को एसडीएससी, एसएचएआर से एलवीएम3-एम4 वाहन पर लॉन्च किया गया था। 23 अगस्त को विक्रम लैंडर ने चंद्रमा पर सफलतापूर्वक लैंडिंग की थी। इसरो की ओर से जारी बयान में कहा गया कि एजेंसी का मुख्य लक्ष्य पहले लैंडर मॉड्यूल को प्रॉपल्शन मॉड्यूल से अलग कर के चांद की अंतिम कक्षा में स्थापित करना था। इनके अलग होने के बाद प्रॉपल्शन मॉड्यूल का स्पेक्ट्रो-पोलरीमेट्री हैबिटेबल प्लैनेट अर्थ (आकार) पेलोड को सक्रिय कर दिया गया। योजना के मुताबिक, पहले इस पेलोड को प्रोपल्शन मॉड्यूल में तीन महीने तक सक्रिय रखने की योजना थी। मौजूदा समय में प्रोपल्शन मॉड्यूल पृथ्वी के चक्कर लगा रहा है। इसने 22 नवंबर को 1.54 लाख किमी की दूरी पर स्थित पहली पेरिजी (भू-समीपक) को पार कर लिया था। इसरो ने बताया कि इस कक्षा में रहने की अवधि 13 दिन की है। इससे क्या फायदा होगा? इसरो ने बताया कि प्रोपल्शन मॉड्यूल को चांद की कक्षा से वापस लाने के प्रयोग का मुख्य फायदा आगामी मिशन्स की योजना तैयार करने के दौरान होगा। खासकर मिशन को चांद से वापस पृथ्वी तक लाने में। फिलहाल मॉड्यूल के लिए सॉफ्टवेयर तैयार किया जा रहा है, जो कि शुरूआती स्टेज में है।

संक्षिप्त खबरें

खरगे के चैंबर में जुटे इंडिया गठबंधन के सांसद, चार राज्यों में कांग्रेस के हार की कर रहे समीक्षा

संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन दो बिल पास किया गया, जिसमें राज्यसभा ने आम आदमी पार्टी (आप) के संसद राघव चड्ढा का निलंबन समाप्त करने का फैसला किया है। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजे जारी होने के बाद कांग्रेस क अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को इंडिया गठबंधन के सभी विपक्षी पार्टियों की बैठक बुलाई थी। यह बैठक विपक्ष के नेता कक्ष में शुरू हो चुका है। संसद के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन कांग्रेस पार्टी की संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी संसदभवन पहुंची। संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन दो बिल पास किया गया, जिसमें राज्यसभा ने आम आदमी पार्टी (आप) के संसद राघव चड्ढा का निलंबन समाप्त करने का फैसला किया है।

श्रीलंकाई सैन्य कमांडर से मिले सेना प्रमुख जनरल पांडे, चीन से निपटने के लिए भागीदारी बढ़ाएगा भारत

श्रीलंकाई सैन्य अधिकारी तीन से सात दिसंबर तक भारत के दौरे पर हैं। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि लेफ्टिनेंट जनरल लियांगे की यह यात्रा भारत और श्रीलंका की सेनाओं के बीच दीर्घकालिक संबंधों को दर्शाती है। जनरल पांडे से मुलाकात से पहले लियांगे को साउथ ब्लॉक प्रांगण में औपचारिक सलामी गारद दिया गया। सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने सोमवार को श्रीलंकाई सेना के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल विकुम लियांगे के साथ व्यापक चर्चा की। यह वार्ता क्षेत्र में चीन की बढ़ती सैन्य आक्रामकता की पृष्ठभूमि में द्विपक्षीय सैन्य भागीदारी बढ़ाने पर केंद्रित रही। श्रीलंकाई सैन्य अधिकारी तीन से सात दिसंबर तक भारत के दौरे पर हैं। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि लेफ्टिनेंट जनरल लियांगे की यह यात्रा भारत और श्रीलंका की सेनाओं के बीच दीर्घकालिक संबंधों को दर्शाती है। जनरल पांडे से मुलाकात से पहले लियांगे को साउथ ब्लॉक प्रांगण में औपचारिक सलामी गारद दिया गया।

बैठक में ममता के न आने पर भड़के अधीर रंजन, बोले- उन्होंने कभी हमें वोट देने की अपील नहीं की

एनटीवी, नई दिल्ली

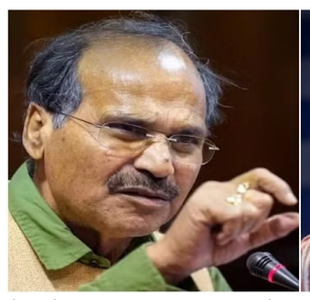

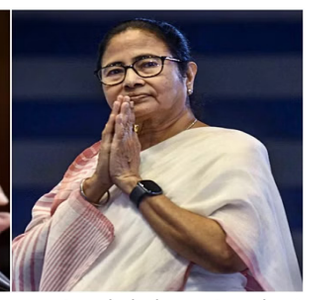

ममता बनर्जी के बैठक में शामिल होने से इनकार करने पर कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी भड़क गए। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि उनका (ममता) घमंड चुनाव से पहले भी ऐसा ही था। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने इंडिया गठबंधन पार्टियों की एक बैठक की घोषणा की थी। आज इंडिया गठबंधन पार्टियों के सांसदों के साथ मल्लिकार्जुन खरगे ने बैठक बुलाई। वहीं बुधवार को इंडिया गठबंधन के शीर्ष नेताओं के साथ कांग्रेस बैठक करेगी। छह दिसंबर को इंडिया गठबंधन की बैठक को लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने नाराजगी जताई थी। उन्होंने बताया कि उन्हें इस बैठक को लेकर किसी प्रकार की कोई जानकारी नहीं दी गई थी। बंगाल की सीएम ने इस बैठक पर बात करते हुए कहा था, 'मुझे नहीं पता। मुझे इस बैठक के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई, इसलिए मैंने उत्तर बंगाल में अपना कार्यक्रम जारी रखा। अगर हमें इस बैठक की जानकारी होती तो हम यह कार्यक्रम नहीं रखते। हम उस बैठक में जरूर शामिल होते, लेकिन हमें इस बैठक की कोई जानकारी नहीं दी गई।' ममता पर भड़के अधीर रंजन ममता बनर्जी के बैठक में शामिल होने से इनकार करने पर कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी भड़क गए। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा, 'उसका घमंड चुनाव से पहले भी ऐसा ही था। पांच राज्यों में चुनाव थे, लेकिन उसने भाजपा को हराने के लिए लोगों से विपक्षी पार्टियों को वोट देने की अपील तक नहीं की।' बैठक को लेकर ममता बनर्जी के बयान पर शिवसेना सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने सफाई पेश की। उन्होंने कहा, 'इंडिया गठबंधन में सभी साथ है। हम यहां किसानो से लेकर महिलाओं की सुरक्षा जैसे अन्य कई मुद्दों से लड़ने के लिए हैं। हम इस मुद्दों को देखेंगे और ठीक करने की कोशिश करेंगे। हम बैठक के शीघ्र आयोजन के लिए हर संभव योजना करेंगे।' बैठक में शामिल होंगे उद्धव ठाकरे बुधवार को होने वाली इस बैठक पर शिवसेना (उद्धव) गुट के सांसद संजय राउत ने एक बयान जारी किया है। उन्होंने बताया कि यह बैठक जल्दबाजी में नहीं बुलाया गया है। उन्होंने कहा, 'चुनाव के परिणाम की घोषणा होने से पहले ही इस बैठक की योजना बनाई गई थी। मल्लिकार्जुन खरगे ने चुनावी नतीजों के दो दिन पहले ही उद्धव ठाकरे से इस बैठक पर बात की थी।

कौन होना चाहिए महाराष्ट्र का अगला सीएम सवाल पर लोगों ने इस नेता के नाम के लगाए नारे

- इस पर बावनकुले ने कहा कि तो पार्टी कार्यकताओं को इस सपने को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी।

एनटीवी, मुंबई

बीते साल जून में एकनाथ शिंदे ने बगावत कर महाविकास अघाड़ी सरकार गिरा दी थी। जिसके बाद एकनाथ शिंदे सीएम बने और देवेंद्र फडणवीस ने डिप्टी सीएम का पद संभाला। महाराष्ट्र की राजनीति दिलचस्प होती जा रही है। दरअसल एक कार्यक्रम के दौरान भाजपा कार्यकताओं से जब पूछा गया कि राज्य का अगला सीएम कौन होना चाहिए तो कार्यकताओं ने पूर्व सीएम देवेंद्र फडणवीस का नाम चिल्लाना शुरू कर दिया। गौरतलब है कि खुद भाजपा और फडणवीस कह चुके हैं कि 2024 का विधानसभा चुनाव मौजूदा सीएम एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में ही लड़ा जाएगा। पार्टी कार्यकताओं की फडणवीस को सीएम बनाने की मांग महाराष्ट्र के भंडारा में एक कार्यक्रम के दौरान पार्टी कार्यकताओं को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने पार्टी कार्यकताओं से पूछा कि मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में अगले सीएम के रूप में आप किसे शपथ लेते देखना चाहते हैं तो पार्टी कार्यकताओं ने फडणवीस, फडणवीस चिल्लाना शुरू कर दिया। इस पर बावनकुले ने कहा कि तो पार्टी कार्यकताओं को इस सपने को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी। रोचक हुई महाराष्ट्र की राजनीति बता दें कि बीते साल जून में एकनाथ शिंदे ने बगावत कर महाविकास अघाड़ी सरकार गिरा दी थी। जिसके बाद एकनाथ शिंदे सीएम बने और देवेंद्र फडणवीस ने डिप्टी सीएम का पद संभाला।

फडणवीस साल 2014 से 2019 के बीच राज्य के सीएम रह चुके हैं। 2019 के विधानसभा चुनाव में भी भाजपा और शिवसेना ने साथ मिलकर चुनाव लड़ा और बहुमत हासिल किया। हालांकि सीएम पद को लेकर भाजपा और शिवसेना में मतभेद हो गए। इसके बाद शिवसेना ने कांग्रेस और एनसीपी के साथ मिलकर महाविकास अघाड़ी की सरकार बना ली।

हालांकि बीते साल एकनाथ शिंदे की बगावत से महाविकास अघाड़ी की सरकार गिर गई। अब राज्य की सत्ता पर एकनाथ शिंदे की शिवसेना, भाजपा और एनसीपी के अजित पवार धड़े का गठबंधन है। रोचक बात ये है कि अगले साल होने वाले चुनाव में एकनाथ शिंदे, देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार तीनों ही सीएम पद की रेस में शामिल बताए जा रहे हैं। ऐसे में अगले साल के चुनाव पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं।

राष्ट्रपति भवन में केन्याई प्रेसीडेंट का हुआ औपचारिक स्वागत, पीएम मोदी भी रहे मौजूद

एनटीवी, नई दिल्ली

केन्याई राष्ट्रपति ने कहा कि मेरी अपेक्षा है कि हमें केन्या और भारत के बीच संबंधों को मजबूत करने की जरूरत है। हम देख रहे हैं कि हम ग्रामीण विकास और खासकर कृषि के क्षेत्र में साझेदारी कर सकते हैं। सोमवार को भारत दौरे पर पहुंचे केन्याई राष्ट्रपति विलियम सामोई रुतो का आज राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने औपचारिक स्वागत किया। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी भी मौजूद रहे। बता दें कि केन्याई राष्ट्रपति तीन दिवसीय दौरे पर भारत आए हैं। केन्या के किसी राष्ट्रपति की बीते छह सालों में यह पहली भारत यात्रा है। इस यात्रा का उद्देश्य द्विपक्षीय संबंधों को बेहतर करना है। 'भारत-केन्या अच्छे दोस्त' इस दौरान केन्या के राष्ट्रपति ने कहा कि 'भारत और केन्या बहुत अच्छे दोस्त हैं। केन्या की आजादी से पहले से हमारे बीच विभिन्न स्तरों पर राजनयिक संबंध थे। मैं राष्ट्रपति महोदया और अपने अच्छे मित्र प्रधानमंत्री के निमंत्रण पर भारत आया हूं। मेरी अपेक्षा है कि हमें केन्या और भारत के बीच संबंधों को मजबूत करने की जरूरत है। हम देख रहे हैं कि हम ग्रामीण विकास और खासकर कृषि के क्षेत्र में साझेदारी कर सकते हैं। कई अन्य चीजों पर भी हम चर्चा करेंगे।' करीब तीन महीने पहले भारत में हुए सम्मेलन के दौरान अफ्रीकन यूनियन को जी20 में शामिल किया गया था। ऐसे में केन्याई राष्ट्रपति के इस भारत दौरे की काफी रणनीतिक अहमियत है। केन्याई राष्ट्रपति मंगलवार को बिजनेस जगत के लोगों से भी मुलाकात करेंगे। बता दें कि केन्याई राष्ट्रपति के भारत दौरे से पहले बीते महीने ही भारत के विदेश राज्यमंत्री वी मुरलीधरन ने 30 सदस्यों वाले प्रतिनिधिमंडल के साथ केन्या का दौरा किया था। इससे पहले केन्या के रक्षा मंत्रालय के कैबिनेट सचिव एडेन बारे दुआले ने भी अगस्त में भारत का दौरा किया था।

अब डाकघरों को मिलेंगे अधिकार, राज्यसभा से पास हुआ विधेयक

एनटीवी, नई दिल्ली

वैष्णव के अनुसार, डाकघरों को व्यावहारिक रूप से बैंकों में तब्दील किया गया है। डाकघरों के विस्तार को देखें तो 2004 से 2014 के बीच 660 डाकघर बंद किए गए। वहीं, 2014 से 2023 के बीच में करीब 5,000 नए डाकघर खोले गए और करीब 5,746 डाकघर खुलने की प्रक्रिया में हैं। राज्यसभा ने सोमवार को डाकघरों से संबंधित कानून को संशोधित करने के उद्देश्य से लाए गए एक अहम विधेयक को ध्वनिमत से पारित कर दिया। इस विधेयक के जरिये 125 साल पुराने भारतीय डाकघर अधिनियम को निरस्त कर देशभर के पोस्ट ऑफिस से संबंधित कानून में संशोधन किया गया है। विधेयक के मुताबिक केंद्र सरकार अधिसूचना जारी कर किसी अधिकारी को राज्य की सुरक्षा, विदेशी राज्यों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध, सार्वजनिक व्यवस्था, आपातकाल या सार्वजनिक सुरक्षा के हित में डाक से भेजे जा रहे सामान/पार्सल को रोकने या खोलने का अधिकार दे सकती है। निजीकरण की कोई मंशा नहीं सदन में हुई चर्चा का जवाब देते हुए दूर संचार मंत्री अश्विनी वैष्णव ने डाक सेवाओं के निजीकरण संबंधी विपक्षी सदस्यों की आशंकाओं को खारिज करते हुए कहा कि इसका न तो विधेयक में कोई प्रावधान है न ही सरकार की ऐसी कोई मंशा है।

सरकार काफी समय से प्रासंगिकता खो रहे डाकघरों का पुनरुद्धार करने में जुटी है। सरकार इन्हें सेवा प्रदान करने वाला संस्थान बनाना चाहती है। इन्हें बैंकों में तब्दील करने के लिए पिछले नौ साल में कई प्रयास किए गए हैं। वैष्णव के अनुसार, डाकघरों को व्यावहारिक रूप से बैंकों में तब्दील किया गया है। डाकघरों के विस्तार को देखें तो 2004 से 2014 के बीच 660 डाकघर बंद किए गए। वहीं, 2014 से 2023 के बीच में करीब 5,000 नए डाकघर खोले गए और करीब 5,746 डाकघर खुलने की प्रक्रिया में हैं।

नई विधानसभाओं में महिलाओं की भागीदारी एक-तिहाई से बहुत दूर, संख्या के हिसाब से मप्र में सबसे ज्यादा

एनटीवी, नई दिल्ली

हिंदी पट्टी के 230 विधानसभा वाले राज्य मध्य प्रदेश से इस बार 27 महिलाएं निर्वाचित होकर सदन पहुंची हैं। 2018 में यहां से केवल 21 ही सदन में जगह बना सकीं। 2013 में 30 महिलाएं चुनी गई थीं। संसद में भले ही महिला आरक्षण विधेयक को मंजूरी मिल चुकी है, लेकिन छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मध्य प्रदेश विधानसभाओं में नवनिर्वाचित महिला विधायकों की संख्या एक-तिहाई के आंकड़े से काफी दूर रही है। थिंक टैंक पीआरएस लेजिस्लेटिव रिसर्च के आंकड़ों के मुताबिक, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मध्य प्रदेश में महिला विधायकों की संख्या में मामूली वृद्धि हुई है, जबकि राजस्थान में घट गई है। नवनिर्वाचित विधायकों में 21 प्रतिशत महिलाओं के साथ छत्तीसगढ़ सभी चार राज्यों में सबसे आगे रहा है। मध्यप्रदेश में बढ़ी संख्याः हिंदी पट्टी के 230 विधानसभा वाले राज्य मध्य प्रदेश से इस बार 27 महिलाएं निर्वाचित होकर सदन पहुंची हैं। 2018 में यहां से केवल 21 ही सदन में जगह बना सकीं। 2013 में 30 महिलाएं चुनी गई थीं। छत्तीसगढ़ में 19 महिलाएंः 90 सीटों वाले छत्तीसगढ़ में इस बार 19 महिलाएं जीतकर विधानसभा पहुंचीं। 2018 में छत्तीसगढ़ में 13 महिला विधायक (मात्र 14 फीसदी) थीं। राजस्थान में कम हुई भागीदारीः 200 सीटों वाले राजस्थान में अबकी सिर्फ 20 महिलाएं ही विधानसभा में पहुंचीं। वर्ष 2018 में महिला विधायकों की संख्या 24 थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि राजस्थान विधानसभा में महिललों की संख्या कभी भी 15 प्रतिशत से अधिक नहीं रही। तेलंगाना में आठ फीसदी महिलाएंः तेलंगाना में महिला विधायकों की संख्या 10 यानी कुल विधायकों का आठ फीसदी है। 2018 में राज्य ने छह महिलाओं को अपनी विधानसभा में भेजा था।

भारत सहित सात देशों की 20 नामचीन कंपनियों के उत्पादों का अध्ययन, ब्रांडेड खाद्य उत्पाद कर रहे बीमार

- ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के शोधकताओं का यह अध्ययन मेडिकल जर्नल ग्लोबलाइजेशन एंड हेल्थ में प्रकाशित हुआ है।

एनटीवी, नई दिल्ली

शोधकताओं ने कहा कि शीर्ष 20 खाद्य उत्पादों में चीनी, वसा और नमक की मात्रा अधिक होती है। वहीं भारत के पास किसी उत्पाद को अस्वास्थ्यकर या स्वस्थ लेबल करने के लिए कोई पोषक तत्व प्रोफाइल नहीं है। भारत सहित दुनिया के सात देशों की 20 नामचीन कंपनियों के 35 हजार खाद्य उत्पादों के नमूने जांच में फेल मिले हैं। ये कंपनियां विज्ञापनों के दम पर इंसानों के स्वास्थ्य को जोखिम में डाल रहे हैं। इनमें शीतल पेय, कन्फेक्शनरी और स्नैक्स जैसे उत्पाद भी शामिल हैं, जो घर-घर में पहुंचकर बच्चों से लेकर वयस्क तक में बीमारियों का जोखिम बढ़ा रहे हैं। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के शोधकताओं का यह अध्ययन मेडिकल जर्नल ग्लोबलाइजेशन एंड हेल्थ में प्रकाशित हुआ है। शोधकताओं ने भारत सहित सात देशों ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, चीन, दक्षिण अफ्रीका, यूके और अमेरिका कीं नामचीन 20 कंपनियों के 1294 ब्रांड के कुल 35,550 उत्पादों की जांच की, जिसमें विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के तय मानकों के अनुसार 89% नमूने फेल साबित हुए, जो स्वास्थ्य के लिहाज से नुकसानदायक हैं। ऊर्जा प्रदान करने वाले अधिकतर उत्पाद पहुंचा रहे सेहत को नुकसान जनहित में पोषण वकालत (एनएपीआई) के सदस्य डॉ. अरुण गुप्ता ने वैज्ञानिक तथ्यों का इस्तेमाल करते हुए नामचीन कंपनियों के उत्पादों को स्वस्थ और अस्वस्थ रूप में वगीकृत किया है। भारत में हम लगातार चॉकलेट या चीनी कन्फेक्शनरी जैसे उत्पादों की मार्केटिंग लगातार बढ़ते देख रहे हैं। जूस से लेकर आइसक्रीम और केक से लेकर ऊर्जा प्रदान करने वाले पेय पदार्थ तक बच्चों से लेकर वयस्कों की दैनिक जीवनशैली में प्रमुखता से शामिल हो रहे हैं, जो सेहत को नुकसान पहुंचा रहे हैं। सख्ती जरूरी शोधकताओं ने कहा कि शीर्ष 20 खाद्य उत्पादों में चीनी, वसा और नमक की मात्रा अधिक होती है। वहीं भारत के पास किसी उत्पाद को अस्वास्थ्यकर या स्वस्थ लेबल करने के लिए कोई पोषक तत्व प्रोफाइल नहीं है। अस्वास्थ्यकर उत्पादों पर चेतावनी होनी चाहिए और इनके विज्ञापनों और विपणन को लेकर भी सख्ती होना आवश्यक है। युवाओं में बढ़ रहा हृदयाघात डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल के वरिष्ठ डॉ. राजीव कुमार का कहना है कि अगर हम युवाओं में बढ़ते हार्ट अटैक, पोस्ट और लॉन्ग कोविड स्वास्थ्य चुनौतियों की चर्चा करते हैं तो हमें खाद्य उत्पादों के बारे में भी सोचने की जरूरत है। इन उत्पादों के सेवन से शरीर में चर्बी बढ़ती है। खून में खराब कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बढ़ने लगती है और फिर यही हार्ट अटैक या फिर कोरोनरी ब्लॉकेज का कारण भी बनते हैं। उन्होंने एक अध्ययन का हवाला देते हुए कहा कि आज भारत में लगभग चार में से एक वयस्क को अधिक वजन वाला यानी मोटा माना जाता है। इसकी सबसे बड़ी वजह जंक फूड का सेवन है। स्कूली बच्चे, कॉलेज छात्र और नौकरीपेशा वाले वयस्क जंक फूड की चपेट में सबसे ज्यादा हैं।

टैंपल स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम- डील- 0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण रजिस्टर्ड

कार्यालय : 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए-4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063, कॉरपोरेट, कार्यालय : 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड़, नियर बैक ऑफ बडौदा दिल्ली110042